@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 1 मार्च 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 116 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

आंध्र प्रदेश- पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट, 21 लोगों की मौत

8 गंभीर घायल; धमाके की आवाज 5किमी. दूर तक सुनाई दी

एजेंसी

काकीनाडा। आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले के वेटलापलेम गांव में शनिवार को पटाखा बनाने वाली यूनिट में धमाका हो गया। हादसे में 21 लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि दोपहर करीब 2 बजे ब्लास्ट हुआ। धमाके इतना भीषण था कि इसकी आवाज 5 किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। इसके बाद ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे और हादसे में घायल लोगों को अस्पताल भेजना शुरू किया।

पुलिस अधिकारी ने बताया- धमाका इतना तेज था कि लाशें पास के धान के खेतों में जाकर गिरीं। हरे-भरे धान के खेतों के बीच डरावना मंजर देखने को मिला, जब स्थानीय लोग बाराकालू, यानी खाद की बोरियों से बनी चादरों में लाशें ले जाते दिखे। पुलिस ने पास के खेतों में बिखरे शरीर के हिस्सों का पता लगाने के लिए ड्रोन तैनात किए हैं। काकीनाडा गवर्नमेंट हॉस्पिटल के सुपरिंटेंडेंट ने कहा कि हॉस्पिटल में आए घायल 90 से 100 परसेंट तक जले हुए हैं। उनका इलाज जारी है।

● मुख्यमंत्री नायडू ने दुख जताया

मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने घटना पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने संबंधित मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर हालात की निगरानी करने को कहा है। प्रशासन राहत और बचाव कार्य में जुटा है। राज्य की गृह मंत्री वंगालपुडी अनीता ने आशंका जताई कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

आंध्र प्रदेश में विस्फोट पर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने जताया दुख

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले में एक फैक्टरी में हुए भीषण विस्फोट में अनेक लोगों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। साथ ही प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजन को दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की गई है। राष्ट्रपति ने एक्स पोस्ट पर अपने संदेश में कहा कि काकीनाडा जिले में एक फैक्टरी में हुए विस्फोट के कारण अनेक लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है।

उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहन संवेदना व्यक्त करते हुए दुर्घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर पोस्ट कर घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि काकीनाडा जिले की एक फैक्टरी में हुए विस्फोट में लोगों की जान जाने से वे दुखी हैं और जिन्होंने अपने परिजनों को खोया है, उनके प्रति संवेदना प्रकट करते हैं। साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना है।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिजन को दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी, जबकि घायलों को 50 हजार रुपये की सहायता प्रदान की जाएगी।

सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत की बड़ी छलांग

● प्रधानमंत्री मोदी ने माइक्रोन के अत्याधुनिक प्लांट का किया उद्घाटन

एजेंसी

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने गुजरात प्रवास के दौरान भारत को ग्लोबल सेमीकंडक्टर हब बनाने की दिशा में पहल की है। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को माइक्रोन टेक्नोलॉजी के अत्याधुनिक एटीएमपी प्लांट का उद्घाटन किया। इस प्लांट के शुरू होने पर देश की पहली 'मेड इन इंडिया' चिप का उत्पादन गुजरात से शुरू होगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज साणंद के जीआईडीसी में रोड शो करने के बाद माइक्रोन टेक्नोलॉजी के अत्याधुनिक एटीएमपी प्लांट का उद्घाटन किया।

माइक्रोन सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने इस परियोजना में करीब 22,516 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। इस प्लांट में एसएसडी जैसे स्टोरेज डिवाइस और डीआरएएम व एनएएनडी प्रकार के मेमोरी प्रोडक्ट तैयार किए जाएंगे। वर्तमान में यहां लगभग दो हजार लोग कार्यरत हैं, जो आगे चलकर बढ़कर पांच हजार तक पहुंचेंगे। खास बात यह है कि इस परियोजना में दिव्यांगजनों को भी रोजगार के अवसर दिए गए हैं।

माइक्रोन के सीईओ संजय मेहरोत्रा के अनुसार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में उन्नत मेमोरी और स्टोरेज की मांग तेजी से बढ़ रही है। साणंद में बनने वाली ये चिप्स वैश्विक स्तर पर एआई टेक्नोलॉजी की जरूरतों को पूरा करने में अहम भूमिका निभाएंगी।

सेमीकंडक्टर इंडस्ट्रियल रिवोल्यूशन और एआई रिवोल्यूशन को जोड़ने वाला माध्यम - पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह भारत के सेमीकंडक्टर इतिहास में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है, जिसे पीएम मोदी ने 'टेक्नोलॉजी लीडरशिप की ओर भारत की यात्रा में महत्वपूर्ण कदम' बताया। पीएम मोदी ने उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा, 'माइक्रोन की यह फैसिलिटी और आज का यह कार्यक्रम भारत और अमेरिका के बीच मजबूत सहयोग और साझेदारी का भी प्रमाण है। खासतौर पर एआई और चिप जैसी टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भारत और अमेरिका की साझेदारी बहुत महत्वपूर्ण है। आज पूरा विश्व मानवता के बेहतर भविष्य से जुड़ी इन दोनों टेक्नोलॉजी की सप्लाई चेन को सुरक्षित करना चाहता है। दुनिया की दो सबसे बड़े लोकतंत्र, भारत और अमेरिका इसके लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। एआई समिट के दौरान भारत और अमेरिका के बीच हुआ पैक्स-सिलिका से जुड़ा समझौता इसी दिशा में किया गया एक और प्रयास है। हमारे साझा प्रयास क्रिटिकल मिनरल की ग्लोबल सप्लाई चेन को भी अधिक सुरक्षित और विश्वसनीय बनाएंगे।' पीएम मोदी ने 20वीं सदी की इंडस्ट्रियल रिवोल्यूशन का जिक्र करते हुए कहा, '20वीं सदी तक दुनिया ने इंडस्ट्रियल रिवोल्यूशन का दौर देखा है। स समय जो देश फैक्ट्री, मशीन और मास प्रोडक्शन में आगे थे, उन्होंने तेजी से तरक्की की। यह सदी एआई रिवोल्यूशन की शताब्दी है। सेमीकंडक्टर इसी बदलाव का बड़ा ब्रिज है।

बोत्सवाना से 12 घंटे की हवाई यात्रा कर कूनो पहुंचे 9 चीते, संख्या बढ़कर 48 हुई

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के श्योपुर जनपद स्थित कूनो नेशनल पार्क में नए मेहमानों का आगमन हो चुका है। बोत्सवाना से 12 घंटे की हवाई यात्रा करने के बाद 9 चीते शनिवार सुबह कूनो पहुंचे। वर्तमान में भारत में चीतों की संख्या 39 है, बोत्सवाना से 9 चीते आने के साथ ही इनकी संख्या 48 हो जाएगी।

पहले जानकारी मिली थी कि बोत्साना से 8 चीते (6 मादा, 2 नर) भारत लाए जाएंगे, लेकिन शनिवार सुबह कुल 9 चीते विशेष विमान से ग्वालियर पहुंचे, इनमें 6 मादा और 3 नर चीते शामिल हैं। ग्वालियर से हेलीकॉप्टर के जरिए सुबह करीब 9:30 बजे चीतों को कूनो नेशनल पार्क लाया गया और यहां लाकर सभी को सीधे क्वारंटीन बाड़ों में शिफ्ट कर दिए गया है। चीतों के आने पर केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव खुद कूनो पहुंचे। उन्होंने क्रेट का हैंडल घुमाकर दो चीतों को क्वारंटीन बाड़े में रिलीज किया। बाकी चीतों को वन विभाग की प्रशिक्षित टीम ने तय प्रोटोकॉल के तहत शिफ्ट किया। कूनो में पहले 26 वयस्क चीते थे, जिनमें 14 नर और 12 मादा थीं। अब 9 नए चीतों के जुड़ने से वयस्कों की संख्या 35 हो गई है, जिनमें 18 मादा और 17 नर चीते हो गए हैं। अब तक कूनो नेशनल पार्क में नर चीतों का पलड़ा भारी था, लेकिन इस खेप ने संतुलन की तस्वीर बदल दी है। विशेषज्ञ मान रहे हैं कि इससे आने वाले महीनों में प्रजनन की रफ्तार तेज हो सकती है। बोत्सवाना से आए सभी 9 चीतों को एक महीने तक क्वारंटीन बाड़ों में रखा जाएगा।

डीयू के दीक्षांत में 1.20 लाख छात्रों को प्रदान की गयी डिग्रियां

● उपराष्ट्रपति ने दिया राष्ट्र प्रथम का मंत्र

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलाधिपति सीपी राधाकृष्णन ने शनिवार को विश्वविद्यालय के 102वें दीक्षांत समारोह में 1,20,408 विद्यार्थियों को डिजिटल डिग्रियां प्रदान कीं। उन्होंने कहा कि डिग्री केवल प्रमाणपत्र नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता है। उन्होंने युवाओं से 'राष्ट्र प्रथम' को जीवन का मार्गदर्शक सिद्धांत बनाने का आह्वान किया। विश्वविद्यालय के बहुउद्देशीय खेल परिसर में आयोजित समारोह में 734 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि भी प्रदान की गई, जबकि 132 गोल्ड और सिल्वर मेडल तथा पुरस्कार वितरित किए गए। उपराष्ट्रपति ने 10 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को व्यक्तिगत रूप से मेडल प्रदान किए और 'बुक ऑफ हाइलाइट्स' का विमोचन भी किया। समारोह को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने विश्वविद्यालय की 104 वर्ष लंबी गौरवशाली यात्रा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 1922 में मात्र तीन कॉलेज, दो संकाय, आठ विभाग और 750 विद्यार्थियों के साथ शुरू हुआ यह संस्थान आज 16 संकायों, 86 विभागों, 90 कॉलेजों, 20 हॉल एवं छात्रावासों, 30 से अधिक केंद्रों एवं संस्थानों, 34 पुस्तकालयों और छह लाख से अधिक विद्यार्थियों के साथ वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान स्थापित कर चुका है।

नई यूनिट पंजाब में किसानों की आय बढ़ाने, दूध उत्पादन और डेयरी उत्पादकता बढ़ाने में सहायक होगी: मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 28 फरवरी: पंजाब की डेयरी और कृषि अर्थव्यवस्था को नई दिशा देते हुए भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार ने मंडी गोबिंदगढ़ के वजीराबाद इंडस्ट्रियल पार्क में कारगिल कंपनी के 300 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित पशु चारा प्लांट का शुभारंभ कर दिया है। यह दक्षिण एशिया में अपनी तरह का सबसे बड़ा प्लांट बताया जा रहा है। इस मेगा परियोजना का शुभारंभ प्रगतिशील पंजाब निवेशक सम्मेलन 2026 से पहले एक महत्वपूर्ण औद्योगिक उपलब्धि माना जा रहा है, जो पंजाब में वैश्विक निवेशकों के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। यह अत्याधुनिक प्लांट पंजाब के कृषि-औद्योगिक ढांचे को मजबूत करेगा, रोजगार के अवसर उत्पन्न करेगा तथा दूध उत्पादन और डेयरी उत्पादकता में वृद्धि कर किसानों को सीधा लाभ पहुंचाएगा। यह परियोजना राज्य सरकार के औद्योगिक विकास को गति देने, कृषि-प्रसंस्करण क्षमता बढ़ाने और सतत निवेश व नीतिगत विकास के माध्यम से 'रंगला पंजाब' के निर्माण के संकल्प को दर्शाती है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 300 करोड़ रुपये के निवेश से स्थापित यह प्लांट औद्योगिक विकास और निवेशकों को सुविधाएं प्रदान करने के प्रति पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। कारगिल प्राइवेट लिमिटेड के इस अत्याधुनिक प्लांट ने मंडी गोबिंदगढ़ के वजीराबाद औद्योगिक पार्क में अपना संचालन शुरू कर दिया है। 'इन्वेस्ट पंजाब' पहल के माध्यम से राज्य में उल्लेखनीय औद्योगिक निवेश आ रहा है। ऐसे निवेश युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित कर रहे हैं और पंजाब के समग्र आर्थिक विकास को गति दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि निवेशकों का बढ़ता विश्वास इस बात का संकेत है कि पंजाब विशेषकर कृषि और फूड प्रोसेसिंग क्षेत्रों में निवेश के लिए पसंदीदा गंतव्य बन रहा है। उन्होंने कहा, पंजाब सरकार प्रगतिशील नीतियों और उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण के माध्यम से हर संभव सहयोग देने तथा व्यवसाय-हितैषी माहौल सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। परियोजना के आकार को रेखांकित करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि 15 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैले इस कारगिल प्लांट की वार्षिक उत्पादन क्षमता 4.5 लाख मीट्रिक टन है और यह दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा पशु फीड प्लांट है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बठिंडा के बाद यह पंजाब में कारगिल की दूसरी बड़ी इकाई है, जो राज्य की कृषि-औद्योगिक श्रृंखला को और मजबूत करेगी। उन्होंने कहा, यह परियोजना उच्च गुणवत्ता वाले पशु चारे की स्थानीय उपलब्धता सुनिश्चित कर किसानों को सीधा लाभ देगी, जिससे दूध उत्पादन, गुणवत्ता और किसानों की आय में वृद्धि होगी। वैज्ञानिक रूप से विकसित फीड पशुओं के स्वास्थ्य और उत्पादकता को बढ़ाएगी, जिससे पंजाब का डेयरी क्षेत्र नई ऊंचाइयों पर पहुंचेगा। अपने एक्स हैंडल पर वीडियो साझा करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, 300 करोड़ रुपये की लागत से बने दक्षिण एशिया के सबसे बड़े कारगिल पशु फीड प्लांट का वजीराबाद (मंडी गोबिंदगढ़) में उद्घाटन किया गया है। यह परियोजना हमारे डेयरी किसानों की आय बढ़ाएगी और पंजाब के युवाओं के लिए सैकड़ों नए रोजगार अवसर सृजित करेगी। प्रगतिशील पंजाब निवेशक सम्मेलन 2026 से पहले यह औद्योगिक क्षेत्र में हमारी सरकार की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। हम 'रंगला पंजाब' के सपने को साकार करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ ने किए बाबा महाकाल के दर्शन

भस्म आरती में हुए शामिल

एजेंसी

उज्जैन। पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को उज्जैन पहुंचकर विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर के दर्शन किए। उन्होंने करीब दो घंटे तक नंदी हाल में बैठकर भगवान महाकाल का जाप किया और प्रातःकालीन भस्म आरती में सहभागिता कर बाबा महाकाल का आशीर्वाद प्राप्त किया। पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ तड़के (चार बजे) निर्धारित समय पर महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने ज्योतिर्लिंग भगवान महाकाल के दर्शन किए और भस्म आरती की दिव्य व्यवस्था को श्रद्धा भाव से निहारा। इस दौरान उन्होंने भगवान महाकाल से देश की तरक्की, शांति और समृद्धि की प्रार्थना की। आरती के बाद उन्होंने देहरी से दर्शन कर बाबा महाकाल को जल अर्पित किया। मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने धनखड़ का स्वागत एवं सम्मान किया। इस अवसर पर मंदिर प्रशासन की ओर से उन्हें प्रसाद एवं स्मृति चिन्ह भी भेंट किया गया। पूर्व उपराष्ट्रपति धनखड़ ने बाबा महाकाल के दर्शन-पूजन के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि देश में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। धार्मिक स्थलों पर बेहतर प्रबंधन और विकास कार्य प्रशंसनीय हैं। उन्होंने मंदिर की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि यहां आकर मन को अद्भुत शांति का अनुभव होता है। महाकाल के दरबार में आने से अहंकार, ईर्ष्या और प्रतिशोध जैसी भावनाओं का त्याग हो जाता है। उन्होंने बताया कि सभी स्वस्थ और खुशहाल रहें, मैंने देश की प्रगति और खुशहाली की कामना की है।

एसआईआर के बाद पश्चिम बंगाल की अंतिम मतदाता सूची जारी

हटाए गए 61 लाख से अधिक नाम

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद शनिवार को नई वोटर लिस्ट प्रकाशित की। इस सूची के मुताबिक राज्य में कुल मतदाता 7,04,59,284 हैं। एसआईआर प्रक्रिया के तहत मतदाताओं का भौतिक सत्यापन किया गया, जिसमें बूथ स्तर के अधिकारी खुद जाकर मतदाता नामावली फॉर्म वितरित और संग्रहित करते रहे। इससे मृतक, स्थायी रूप से बाहर गए मतदाता और डुप्लीकेट नाम को हटाने में मदद मिली। संशोधन प्रक्रिया से पहले 27 अक्टूबर 2025 तक पश्चिम बंगाल में कुल 7,66,37,529 मतदाता थे, जिनमें पुरुष 3,89,03,865, महिला 3,77,31,887 और थर्ड जेंडर के 1,777 मतदाता शामिल थे। हालांकि एसआईआर की प्रक्रिया में 58,20,899 फॉर्म प्राप्त नहीं हुए, जिनमें मृतक 24,16,852, अनुपस्थित 12,20,039 समेत अन्य शामिल हैं।16 दिसंबर 2025 के ड्राफ्ट प्रकाशन के अनुसार, मतदाताओं की संख्या घटकर 7,08,16,630 हो गई। इसमें पुरुष मतदाता 3,61,99,391, महिला

3,46,15,837 और तीसरे लिंग के 1,402 मतदाता शामिल हैं। साथ ही 85 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाता 4,09,462, विदेश में रहने वाले मतदाता 85 और दिव्यांग मतदाता 4,60,479 हैं।

इस दौरान फॉर्म-6 और फॉर्म-6ए (नए मतदाता और विदेश में रहने वाले मतदाताओं के लिए) के माध्यम से कुल 1,82,036 मतदाताओं को जोड़ा गया, जिसमें पुरुष 89,445, महिला 92,583 और थर्ड जेंडर के 8 मतदाता शामिल थे। वहीं, फॉर्म-8 (राज्य के भीतर स्थानांतरण के लिए) से 6,671 मतदाता जोड़े गए। फॉर्म-7 (हटाने के लिए) के माध्यम से कुल 5,46,053 मतदाता सूची से हटाए गए, जिसमें पुरुष 2,68,147, महिला 2,77,877 और थर्ड जेंडर के 29 मतदाता शामिल थे।

इसके बाद 28 फरवरी 2026 को प्रकाशित अंतिम सूची में कुल मतदाता 7,04,59,284 हैं, जिनमें पुरुष 3,60,22,642, महिला 3,44,35,260 और तीसरे लिंग के 1,382 मतदाता शामिल हैं।

सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त न्यायिक अधिकारियों द्वारा लगभग 60 लाख मतदाताओं के पहचान दस्तावेजों की न्यायिक जांच चल रही है, जबकि 61,78,245 लोगों के नाम हटाए गए हैं।

गुप्त वृन्दावन धाम में श्री श्री कृष्ण बलराम खेलेंगे गौर पूर्णिमा पर फूलों की होली

एजेंसी

जयपुर। गुप्त वृन्दावन धाम में 4 मार्च को होने वाले गौर पूर्णिमा के भव्य आयोजन की तैयारी पूरे चरम पर है क्योंकि धाम में इस विशेष अवसर पर श्री श्री कृष्ण बलराम भक्तों के साथ फूलों की होली खेलेंगे। भक्त भगवान् के साथ होली खेलने को लेकर बहुत ही उत्साहित हैं क्योंकि फूलों की होली के माध्यम से श्री श्री कृष्ण बलराम उन पर असीम कृपा और आशीर्वाद की बौछार करेंगे।

गौर पूर्णिमा श्री चैतन्य महाप्रभु (जो भगवान् कृष्ण के अवतार हैं) के आविर्भाव दिवस के रूप में मनाया जाता है, उनकी कृपा से कोई भी व्यक्ति जीवन की सर्वोच्च सिद्धि प्राप्त कर सकता है। इस पावन पर गुप्त वृन्दावन में श्री श्री गौर निताई का पंचामृत, विभिन्न फलों के रस से एवं 108 कलशों के पवित्र जल के साथ महा अभिषेकम होगा, भगवान् को 56 भोग लगाया गया। हरिनाम संकीर्तन से पूरा धाम गूँज उठेगा, दर्शन के लिए सुबह से ही लम्बी कतारें लग जाएँगी।

ईरान में चल रहे 'बड़े सैन्य अभियानों' के बीच एयर इंडिया ने मध्य पूर्व जाने वाली सभी उड़ानें कीं निलंबित

● यह घोषणा ऐसे समय में की गई जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान में 'बड़े सैन्य अभियान' शुरू किए।

एजेंसी

नई दिल्ली। एयर इंडिया ने शनिवार को कहा कि मध्य पूर्व के कुछ हिस्सों में बिगड़ते हालात को देखते हुए उसने मध्य पूर्व के सभी गंतव्यों के लिए अपनी सभी उड़ानें निलंबित कर दी हैं। यह घोषणा ऐसे समय में की गई जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान में 'बड़े सैन्य अभियान' शुरू किए। एयर इंडिया ने एक बयान में कहा, 'मध्य पूर्व के कुछ हिस्सों में उत्पन्न हो रही स्थिति को देखते हुए मध्य पूर्व के सभी गंतव्यों के लिए एयर इंडिया की सभी उड़ानें निलंबित की जाती हैं।'

एयरलाइन ने कहा, 'हम अपने यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम उड़ानों के संचालन के लिए सुरक्षा स्थिति का लगातार आकलन करते रहेंगे और जरूरत पड़ने पर संचालन में बदलाव करेंगे। हमारी टीमें यात्रियों को हर संभव सहायता प्रदान करेंगी।' एयर इंडिया ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे अपनी उड़ान की स्थिति ऑनलाइन जांचें या उसके 24म7 कॉल सेंटर नंबर +91 1169329333 और +91 1169329999 पर संपर्क करें।

एयरलाइन ने कहा, 'आपसे अनुरोध है कि हमारी वेबसाइट भी देखें। आपके धैर्य और सहयोग के लिए धन्यवाद।' शनिवार को अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर समन्वित हमले शुरू किए, जिससे मध्य पूर्व में तनाव काफी बढ़ गया है। इस घटनाक्रम से व्यापक टकराव की आशंका पैदा हो गई है, जिसके दूरगामी भू-राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव हो सकते हैं।

एनसीआर में 1 मार्च से तेज सतही हवाएं चलेंगी, बढ़ेगा तापमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनसीआर में मौसम स्थिर बना हुआ है। मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले दिनों में मौसम में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा, हालांकि 1 मार्च से दिन के समय तेज सतही हवाएं चलने का पूर्वानुमान है। इससे तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी और दिन में गर्मी का अहसास होने लगेगा। आईएमडी की वेबसाइट पर जारी रिपोर्ट के मुताबिक शनिवार को अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 14 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। सुबह वातावरण में हल्की धुंध छाई रही। वहीं 1 मार्च को भी अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम 15 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। हल्की धुंध रहने की संभावना है। आर्द्रता का स्तर अधिकतम 80 फीसदी और न्यूनतम 30 फीसदी रह सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक 2 मार्च को भी अधिकतम तापमान 31 डिग्री और न्यूनतम 15 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रहेगा, लेकिन दिन में तेज सतही हवाएं चलेंगी। इधर, एनसीआर में एक्यूआई में भी बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। नोएडा के सेक्टर-125 में एक्यूआई 255, सेक्टर-1 में 205, सेक्टर-62 में 182 और सेक्टर-116 में 304 दर्ज किया गया। गाजियाबाद के लोनी क्षेत्र में एक्यूआई 315, इंदिरापुरम में 276, वसुंधरा में 233 और संजय नगर में 200 रहा। दिल्ली के आनंद विहार में 332, चांदनी चौक में 276, बवाना में 244, अशोक विहार में 237 और अलीपुर में 219 दर्ज किया गया। कई क्षेत्रों में यह 'खराब' से 'बहुत खराब' श्रेणी में बना रहा। मौसम विभाग के मुताबिक दिन में तेज धूप के कारण लोगों को अब हल्की गर्मी का अहसास होने लगा है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान में आगामी दिनों में क्रमिक बढ़ोतरी की संभावना है। हालांकि 1 मार्च से चलने वाली तेज हवाएं प्रदूषण के स्तर को कुछ हद तक नियंत्रित कर सकती हैं।

कुरुक्षेत्र जिले के सरकारी स्कूल डेस्क की भारी कमी... जमीन पर बैठकर पढ़ रहे बच्चे

कुरुक्षेत्र (एजेंसी)। हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले के सरकारी स्कूल इन दिनों डेस्क की भारी कमी से जूझ रहे हैं। बालवाटिका से लेकर बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को पर्याप्त डेस्क न मिलने के कारण फर्श पर बैठना पड़ रहा है। कई स्कूलों में 10 से 12 वर्ष पुराने डेस्क ही उपयोग में हैं, जिन्हें बार-बार मरम्मत कर चलाया जा रहा है। शिक्षा विभाग हर दो माह में स्कूलों से डेस्क की मांग संबंधी रिपोर्ट तो मांग लेता है, लेकिन आपूर्ति समय पर नहीं हो पा रही है। हाल ही में शिक्षा निदेशालय ने एमआईएस पोर्टल पर गूगल फॉर्म के माध्यम से फिर डिमांड मांगी है। आंकड़ों के अनुसार जिले के करीब 779 स्कूलों में कुल 5594 डेस्क की आवश्यकता है। इसमें बालवाटिका से पांचवीं तक 2269, छठी से आठवीं तक 1726, नौवीं से बारहवीं तक 767 तथा ग्यारहवीं-बारहवीं के लिए 832 डेस्क की जरूरत बताई गई है। सबसे अधिक समस्या प्राथमिक विद्यालयों में है, जहां करीब 50 प्रतिशत स्कूलों में डेस्क का अभाव है। छोटे बच्चों को टाट-दरी पर बैठकर पढ़ाई करनी पड़ रही है। गांव थाना के राजकीय प्राइमरी स्कूल में 184 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं और वहां 80 डेस्क की मांग भेजी गई है। उपलब्ध डेस्क को मरम्मत कर उपयोग किया जा रहा है। हरियाणा प्राइमरी हेड टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि हरियाणा सरकार सरकारी स्कूलों को निजी स्कूलों के बराबर लाने की बात करती है, लेकिन मूलभूत सुविधाओं की कमी बनी हुई है। जिला शिक्षा अधिकारी विनोद कौशिक के अनुसार स्कूलों से ड्यूल डेस्क का डाटा प्राप्त हो चुका है और टीमें सत्यापन के लिए निरीक्षण करेंगी।

अविमुक्तेश्वरानंद को अंतरित राहत, खुश होकर बोले बटुक... हम अपने गुरु पर पूरा भरोसा

वाराणसी(एजेंसी)। अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ दो बटुकों से कथित यौन शोषण के आरोप में दर्ज एफआईआर के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई कर गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगा दी है। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई मार्च के तीसरे सप्ताह में तय की है। इस आदेश के बाद फिलहाल उनकी गिरफ्तारी पर रोक बनी रहेगी। इलाहाबाद हाईकोर्ट से राहत मिलने के बाद वाराणसी स्थित श्री विद्या मठ में उत्साह का माहौल देखा गया। मठ में अध्ययनरत करीब 400 बटुक वेद, धर्म और आध्यात्म की शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। कई बटुकों ने अदालत के फैसले पर संतोष जताकर अपने गुरु के प्रति विश्वास व्यक्त किया। उनका कहना है कि उन्हें अपने गुरु पर पूरा भरोसा है और उन्हें फंसाने की साजिश रची गई है। उन्होंने न्यायपालिका पर आस्था जताकर कहा कि सत्य अंततः सामने आएगा। गौरतलब है कि दो बटुकों की शिकायत के आधार पर शंकराचार्य के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था, जिसके बाद यह प्रकरण चर्चा में आया। हालांकि, अदालत द्वारा अंतरिम राहत दिए जाने के बाद मठ प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शैक्षणिक और धार्मिक गतिविधियां पूर्ववत जारी हैं। परिसर में सुरक्षा व्यवस्था सामान्य बताई जा रही है और किसी प्रकार की अव्यवस्था की स्थिति नहीं है। कानूनी जानकारों के अनुसार, अग्रिम जमानत पर अंतिम निर्णय अगली सुनवाई में होगा। तब तक सभी पक्ष अदालत के आदेश की प्रतीक्षा कर रहे हैं और काशी के धार्मिक व सामाजिक हलकों में इस मामले को लेकर चर्चा जारी है।

उत्तरप्रदेश में मोदी-योगी छाप पिचकारियां की धूम

लखनऊ (एजेंसी)। 2027 के उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव से करीब 1 साल पहले होली से माहौल बन रहा है। लखनऊ की दुकानों में पिचकारियां आ गई हैं। इसमें मोदी-योगी छाप और धनुष-बाण छाप पिचकारी की धूम है। गुलाल वाले पटाखे भी आ गए हैं। बच्चों को ये सभी पिचकारियां भा रही हैं। होली की पिचकारी पर पीएम मोदी की तस्वीर के साथ 'हिंदुस्तान की बोली-घर-घर होली' जैसे स्लोगन प्रिंट हैं। पिचकारी में पीएम मोदी, ब्रह्मोस, कुल्हाड़ी, हथौड़ा और म्यूजिकल ट्रेंड में हैं। इसके अलावा ऐसी सफेद टीशर्ट आई है जो पानी पड़ते ही रंगीन हो जाएगी। होली के इस खास मौके पर सर्राफा मार्केट भी चहक रहा है। चांदी से बनी पिचकारी, बाल्टी, लड्डू गोपाल, काजू कतली और लड्डू खूब चर्चा में हैं। इस होली पर दिवाली का फील देने के लिए कलर पटाखे लोगों को खूब पसंद आ रहे हैं। रंगीन विग के साथ अलग-अलग डिजाइन के फेस मास्क मार्केट में आए हैं। कुल्हड़ अनार, 5 से लेकर 16 शॉट वाला स्मोक पटाखा मिल रहा है। इसके साथ ही तीन फ्लेवर वाला आइसक्रीम पटाखा लोगों को खूब भा रहा है, जिसमें से वैनिला, स्ट्रॉबेरी और चॉकलेट के तीन रंगों के साथ खुशबू भी फूटती है।

अब ईरान-अमेरिका जंग पर कांग्रेस का पीएम मोदी से सवाल... क्या वे इस युद्ध का समर्थन करते हैं?

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच कई दिनों से जारी तनाव के बाद आखिरकार इजरायल के साथ मिलकर अमेरिका ने ईरान पर हमला कर दिया है। तेहरान के साथ-साथ इजरायल में भी कई जगह पर विस्फोट होने की खबर है। मध्य-पूर्व में चल रहे संघर्ष का असर भारत की राजनीति पर भी देखने को मिल रहा है। हाल ही में इजरायल की यात्रा करके लौटे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कांग्रेस ने हमला बोलकर पूछा है कि क्या पीएम मोदी इजरायल और ईरान के बीच में जारी युद्ध का समर्थन करते हैं?

कांग्रेस पार्टी के मीडिया प्रमुख पवन खेड़ा ने पोस्ट कर पीएम मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा, प्रधानमंत्री मोदी के दोस्त बेंजामिन नेतन्याहू ने अब भारत के पुराने दोस्त ईरान पर हमला बोल दिया है। यह प्रधानमंत्री मोदी के दौरे से

लौटने के बमुश्किल दो दिन के बाद हुआ है। रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने के बारे में तमाम दिखावे के बाद, पीएम मोदी ने अपनी इजराइल यात्रा का उपयोग इजराइल और ईरान के बीच तनाव कम करने के लिए क्यों नहीं किया? क्या वे इस युद्ध का समर्थन करते हैं?

गौरलतब है कि प्रधानमंत्री मोदी दो दिन के इजरायल के दौरे पर थे। इस दौरे पर भारत और इजरायल के बीच में कई अहम समझौते हुए और पीएम मोदी ने इजरायली संसद को संबोधित किया था। हालांकि, पीएम मोदी के इस दौरे से ईरान पर किए जा रहे हमले को कोई लेना-देना नहीं था। क्योंकि अमेरिका और इजरायल के बीच पीएम के दौरे के बहुत पहले से ही ईरान के खिलाफ मोर्चाबंदी की थी। जिनेवा में चल रही बातचीत के बीच जब ईरान, अमेरिकी की शर्तों पर खड़ा नहीं उतरा, इसके बाद इजरायल और यूएस ने मिलकर तेहरान के ऊपर हमला बोल दिया। मध्य-पूर्व में इस संकट के बादल पिछले कई महीनों से मंडरा रहे थे।

कश्मीर के बड़गाम में शिया मुस्लिमों ने ईरान के समर्थन में और अमेरिका-इजरायल के विरोध में प्रदर्शन किया

नई दिल्ली। ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमले को लेकर भारत में मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। भारत में शिया मुस्लिम संगठनों ने इस हमले की निंदा की है। कश्मीर के बड़गाम में शिया मुस्लिमों ने खामेनेई के बड़े-बड़े पोस्टरों के साथ ईरान के समर्थन में और अमेरिका-इजरायल के विरोध में प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने अमेरिका मुर्दाबाद और इजरायल मुर्दाबाद के नारे भी लगाए। शिया धर्मगुरुओं ने भी इस हमले की निंदा की है। ऑल इंडिया शिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव मौलाना यासूब अब्बास ने कहा कि जिस तरीके से इजरायल ने ईरान पर हमला किया है वो अफसोसजनक है। रमजान का महीना चल रहा है। जिस महीने में जंगें रोक दी जाती हैं, उस महीने में ये काफीर और शातिर इजरायल ने जिस तरीके से हमला किया है, अब इजरायल और अमेरिका को ईरान के पलटवार के लिए तैयार रहना चाहिए। खाड़ी के अंदर अमेरिका के जितने भी अड्डे हैं, उन्हें तबाह कर देगा। पहले भी खामेनेई साब ने अमेरिका और इजरायल को घुटनों पर लाकर खड़ा कर दिया था और ट्रंप को सीजफायर करना पड़ा था।

एआई समिट मामला : यूथ कांग्रेस के चीफ चिब को कोर्ट ने दी सशर्त जमानत

-पुलिस नहीं बता पाई पर्याप्त ठोस कारण, कांग्रेस ने ली राहत की सांस

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब को पटियाला हाउस कोर्ट के ड्यूटी मजिस्ट्रेट ने शनिवार को जमानत दे दी। यह मामला 20 फरवरी को भारत एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान भारत मंडपम में हुए शर्टलेस विरोध प्रदर्शन से जुड़ा है। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच की सात दिन की पुलिस रिमांड बढ़ाने की अर्जी खारिज कर दी, क्योंकि पुलिस पर्याप्त ठोस कारण नहीं बता पाई। रिपोर्ट के मुताबिक जमानत पर चिब को 50,000 रुपए का पर्सनल बॉन्ड भरना होगा। साथ ही अपना पासपोर्ट और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स कोर्ट में सरेंडर करने होंगे। उनके वकील ने बताया कि कोर्ट ने पुलिस की अर्जी पर सख्त टिप्पणी की और कहा कि रिमांड बढ़ाने के लिए कोई मजबूत आधार नहीं है। पुलिस का आरोप है कि चिब इस प्रदर्शन के मुख्य साजिशकर्ता थे। 20 फरवरी को एआई समिट के आखिरी दिन युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शर्टलेस होकर पीएम मोदी और सरकार के खिलाफ नारे लगाए थे। इनमें पीएम मोदी के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तस्वीरें और भारत-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ स्लोगन शामिल थे। पुलिस का कहना है कि चिब ने कृष्णा हरि, कुंदन यादव, नरसिम्हा यादव, अजय कुमार यादव समेत अन्य के साथ मिलकर गैरकानूनी जमावड़ा किया, पुलिस अधिकारियों को ड्यूटी में बाधा डाली और हमला किया। साथ ही पूछताछ में सहयोग नहीं किया और फरार आरोपियों व टी-शर्ट छपवाने के स्रोत की जानकारी नहीं दी। चिब को 24 फरवरी को तिलक मार्ग पुलिस स्टेशन पर 15 घंटे से ज्यादा पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया था। क्राइम ब्रांच ने शुक्रवार रात देर से कोर्ट में रिमांड एक्सटेंशन मांगी, लेकिन कोर्ट ने इसे खारिज कर दी। इस घटना ने बड़ा राजनीतिक बवाल खड़ा किया। बीजेपी ने इसे भारत की ग्लोबल इमेज खराब करने की साजिश बताया, जबकि कांग्रेस ने इसे युवाओं की बेरोजगारी और एआई से नौकरियां छिनने जैसी चिंताओं को दिखाने वाला शांतिपूर्ण विरोध बताया। खास बात यह है कि इंडिया गठबंधन के कुछ सहयोगी दलों ने भी 'शर्टलेस' तरीके की आलोचना की। अब जांच जारी है, लेकिन चिब की जमानत से कांग्रेस को बड़ी राहत मिली है।

अगर फैसला गलत लिया जाता है तो सही करने ऊपरी अदालतें होती हैं

-केजरीवाल-सिसोदिया के शराब घोटाले में बरी होने पर रिजिजू ने दी प्रतिक्रिया

धर्मशाला (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने दिल्ली के तथाकथित शराब घोटाले से जुड़े सीबीआई मामले में आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया को बरी किए जाने पर कहा कि अगर फैसला गलत लिया जाता है तो उसको सही करने के लिए ऊपरी अदालतें होती हैं। रिजिजू शनिवार को हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला पहुंचे। यहां केजरीवाल और सिसोदिया को लेकर उन्होंने कहा कि यह एक सामान्य प्रक्रिया है। निचली अदालत के फैसले में अगर कोई गलती रह जाती है तो उसके सुधार के लिए ऊपरी अदालत में मामले को ले जाया जाता है। गलत फैसला दिया गया या अगर तथ्यों की ठीक से जांच नहीं की गई, तो ऊपरी अदालत में अपील फाइल की जा सकती है, जहां से

सही फैसला लिया जाता है। इसी बीच किरेन रिजिजू ने एआई समिट में यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन पर कहा कि मुझे मामले की ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन मुझे बताया गया है कि इसके पीछे कोई षड्यंत्र रचा गया है और जिसमें कुछ तार जुड़े हुए हैं। हालांकि, मैं अभी गृह मंत्रालय नहीं संभाल रहा हूं, इसलिए मुझे इस मामले की पूरी जानकारी नहीं दी गई है। उन्होंने यह भी कहा कि जो भी मामला है, उसे सुलझा लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिमाचल एक पहाड़ी राज्य है और मुझे तो बहुत अच्छा लगता है। मैं तो यहां आता रहता हूं। इस बार चंबा साइट के क्षेत्र में कुछ प्रोजेक्ट हैं, जो उनके मंत्रालय से जुड़े हुए हैं। उन प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने का कार्य जारी है। उन्होंने आगे कहा कि पिछले समय मैंने लाहौल-स्पीति का दौरा किया था। वहां भी मंत्रालय की ओर से कई प्रोजेक्ट चल रहे हैं। फिलहाल, वे चंबा का दौरा करेंगे और उसके बाद वापस दिल्ली लौटेंगे।

राज्यसभा चुनाव: टीएमसी ने चार उम्मीदवारों के नामों का किया एलान, बाबुल सुप्रियो को मौका

कोलकाता (एजेंसी)। आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने पश्चिम बंगाल से उच्च सदन के लिए अपने चार उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है। पार्टी ने इस बार अपने चयन में राजनीतिक अनुभव, प्रशासनिक कुशलता, कानूनी विशेषज्ञता और सांस्कृतिक लोकप्रियता का एक अनूठा संतुलन बनाने का प्रयास किया है।

पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस सूची को साझा करते हुए विश्वास जताया कि ये उम्मीदवार पार्टी की विरासत को आगे बढ़ाएंगे और हर भारतीय के अधिकारों व सम्मान की रक्षा के लिए संसद में आवाज उठाएंगे।पार्टी द्वारा घोषित नामों में सबसे प्रमुख नाम पूर्व केंद्रीय मंत्री बाबुल सुप्रियो का है, जो पहले भाजपा में थे और नरेंद्र मोदी सरकार में मंत्री रह चुके हैं।

सितंबर 2021 में भाजपा छोड़कर टीएमसी में शामिल होने के बाद पार्टी ने अब

उन्हें राज्यसभा भेजने का निर्णय लिया है। इनके साथ ही पश्चिम बंगाल पुलिस के पूर्व महानिदेशक राजीव कुमार को भी उम्मीदवार बनाया गया है। प्रशासनिक गलियारों में अपनी धाक रखने वाले राजीव कुमार के अनुभव से पार्टी को मजबूती मिलने की उम्मीद है। कानूनी मोर्चे पर अपनी बात मजबूती से रखने के लिए टीएमसी ने सुप्रीम कोर्ट की वरिष्ठ अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी पर भरोसा जताया है, जो देश के कई महत्वपूर्ण कानूनी मामलों में अपनी विशेषज्ञता के लिए जानी जाती हैं। वहीं, ग्लैमर और बंगाल की सांस्कृतिक पहचान को जोड़ते हुए टॉलीवुड की लोकप्रिय अभिनेत्री कोएल मलिक को भी राज्यसभा का टिकट दिया गया है। कोएल मलिक की जमीनी लोकप्रियता पार्टी के लिए नई ऊर्जा का संचार कर सकती है।

हालांकि, इस घोषणा के साथ ही पार्टी के भीतर बड़े बदलाव भी देखने को मिले हैं। टीएमसी ने अपने उन चार सांसदों को दोबारा नामांकित नहीं किया है जो सेवानिवृत्त हो रहे हैं। इनमें महासचिव सुब्रत बख्शी, रितब्रत बनर्जी और साकेत गोखले शामिल हैं, जबकि मौसम नूर पहले ही कांग्रेस का दामन थाम चुकी हैं। इस बीच, विपक्षी दल भाजपा ने इन उम्मीदवारों के चयन पर तीखा हमला बोला है। भाजपा की बंगाल इकाई ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी की बंगाल पहले वाली नीति महज एक दिखावा है, क्योंकि घोषित उम्मीदवारों में से आधे गैर-बंगाली हैं। भाजपा का दावा है कि टीएमसी केवल चुनावी लाभ के लिए बंगाली अस्मिता का इस्तेमाल करती है और असल में बंगालियों को नजरअंदाज कर रही है। चुनाव आयोग की अधिसूचना के अनुसार, पश्चिम बंगाल सहित 10 राज्यों की 37 राज्यसभा सीटों के लिए 16 मार्च को मतदान होना है। यह चुनाव परिणाम राज्य की भविष्य की राजनीतिक दिशा तय करने में बेहद महत्वपूर्ण साबित होंगे।

अब यातायात नियमों का उल्लंघन किया तो कटेंगे अंक, रद्द होगा लाइसेंस

-सरकार ग्रेड-आधारित ड्राइविंग लाइसेंस प्रणाली लागू करने की बना रही योजना

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार अब ग्रेड-आधारित ड्राइविंग लाइसेंस प्रणाली लागू करने की योजना बना रही है। इसके तहत यातायात नियमों के उल्लंघन पर अंक काटे जाएंगे और गंभीर या बार-बार उल्लंघन की स्थिति में लाइसेंस निलंबित या रद्द किया जा सकता है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि देश में हर साल करीब 1.8 लाख लोगों की मौत मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हुए वाहन चलाने, तेज रफ्तार, गलत दिशा में जाने या नशे में गाड़ी चलाने जैसे कारणों से होती है।

दिल्ली में भारतीय उद्योग परिसंघ की ओर से आयोजित राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सम्मेलन में गडकरी ने गुरुवार को कहा कि लोगों का जीवन अत्यंत अहम है और सरकार सड़क सुरक्षा के लिए कई कदम उठा रही है। गडकरी ने बताया कि सरकार पहले ही यातायात नियमों के उल्लंघन पर जुर्माना बढ़ा चुकी है, लेकिन सबसे बड़ी चुनौती नियमों का प्रभावी क्रियान्वयन है। उन्होंने कहा कि हम ड्राइविंग लाइसेंस में 'ग्रेडेड अंक प्रणाली'

ला रहे हैं। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत में हर साल करीब पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं होती हैं और 1.8 लाख लोगों की जान जाती है।

उन्होंने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले लोगों में से 72 फीसदी 18 से 45 साल आयु वर्ग के लोग हैं। 18 वर्ष से कम आयु के 10,119 लोगों की दुर्घटनाओं में जान गई। हेलमेटय नहीं पहनने से 54,122, सीट बेल्ट नहीं लगाने से 14,466 जबकि तेज रफ्तार के कारण 1.2 लाख लोगों की जान गई। अन्य प्रमुख कारणों में गलत दिशा में व नशे में वाहन चलाना और मोबाइल फोन पर बात करना शामिल है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नितिन गडकरी ने लोगों से अपील की है कि वे दुर्घटना पीड़ितों की मदद करें और उपचार खर्च या कानूनी औपचारिकताओं की चिंता न करें। पीएम राहत योजना के तहत सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए आपातकालीन सहायता प्रणाली उपलब्ध है। योजना के तहत किसी भी श्रेणी की सड़क पर दुर्घटना के शिकार को हादसे की तारीख से सात दिन तक 1.5 लाख तक का कैशलेस इलाज मुहैया कराया जाएगा।

ग्रेड-आधारित ड्राइविंग लाइसेंस प्रणाली में तेज गति, लापरवाही से गाड़ी चलाना, सिग्नल तोड़ना और शराब पीकर गाड़ी चलाना जैसे अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन पर कुछ अंक काटे जाएंगे। यदि सभी अंक समाप्त हो जाते हैं तो दोषी का लाइसेंस छह महीने के लिए निलंबित किया जा सकता है या अपराध दोहराने पर रद्द भी किया जा सकता है।

ओडिशा में युवती के साथ रेप के बाद चौथी मंजिल से फेंका, प्रेमी और मुख्य आरोपी गिरफ्तार

जगतसिंहपुर (एजेंसी)। ओडिशा के जगतसिंहपुर जिले में एक 23 वर्षीय युवती के साथ दरिंदगी और हत्या का एक ऐसा दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है जिसने मानवीय संवेदनाओं को झकझोर कर रख दिया है। पुलिस ने इस जघन्य अपराध के सिलसिले में युवती के प्रेमी समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है जिन पर युवती को धोखा देने, उसके साथ बलात्कार करने और साक्ष्य मिटाने के लिए उसे एक इमारत की चौथी मंजिल से नीचे फेंकने का गंभीर आरोप है। जगतसिंहपुर के पुलिस अधीक्षक अंकित कुमार वर्मा ने शुक्रवार को घटना का खुलासा करते हुए बताया कि गिरफ्तार किए गए प्रेमी की उम्र 31 साल है, जबकि दूसरा मुख्य आरोपी 24 वर्षीय युवक है जो मूल रूप से झारखंड के धनबाद का निवासी है और पारादीप की एक निजी कंपनी में कार्यरत है।

पुलिस जांच के अनुसार इस दुखद घटनाक्रम की शुरुआत पिछले रविवार को हुई थी जब पीड़िता अपने प्रेमी के साथ विवाह करने के उद्देश्य से तिरतोल

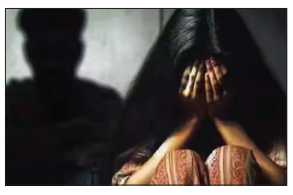

स्थित एक मंदिर गई थी, लेकिन वहां उसके प्रेमी ने उसे शादी का झांसा देकर धोखा दे दिया और सुनसान जगह का फायदा उठाते हुए युवती के साथ मारपीट की तथा उसे एक बस स्टैंड पर असहाय स्थिति में अकेला छोड़कर वहां से फरार हो गया। रविवार की शाम जब पीड़िता बस स्टैंड पर अकेली और परेशान खड़ी थी, तभी नशे में धुत झारखंड निवासी दूसरे आरोपी ने उसे अपनी मोटरसाइकिल पर लिफ्ट देने का झांसा दिया। अनजान शहर में खुद को असुरक्षित पाकर युवती ने उस पर भरोसा कर लिया लेकिन आरोपी उसे सहायता देने के बजाय अपने किराए के मकान पर ले गया और वहां उसके साथ कथित तौर पर बलात्कार किया। जब पीड़िता ने इस हैवानियत के खिलाफ पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराने की हिम्मत दिखाई और आरोपी को कानूनी कार्रवाई की धमकी दी, तो वह घबरा गया और पकड़े जाने के डर से उसने युवती को इमारत की चौथी मंजिल से नीचे धक्का दे दिया। सिर में गंभीर चोटें आने और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण युवती की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई और सोमवार तड़के उसका शव बरामद किया गया जिस पर चोट के कई गहरे निशान मौजूद थे। इस ब्लाइंड मर्डर केस की गुत्थी सुलझाने में सीसीटीवी फुटेज ने अहम भूमिका निभाई जिसमें युवती को रविवार रात संदिग्ध आरोपी की इमारत में जाते हुए देखा गया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी युवती के साथ यौन उत्पीड़न की पुष्टि हुई है जिसके बाद पुलिस ने झारखंड निवासी आरोपी की मोटरसाइकिल और दो मोबाइल फोन जब्त कर लिए हैं। मृतका के भाई द्वारा दर्ज कराई गई गुमशुदगी की रिपोर्ट और शव की शिनाख्त के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को सलाखों के पीछे भेज दिया है और मामले की गहनता से जांच जारी है।

अमेरिका-ईरान जंग में अगर बंद हुआ होर्मुज जलडमरूमध्य... तब तेल सप्लाई पर क्या करेगा भारत

-भारत के कुल कच्चे तेल आयात का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा गुजरता

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में चिंता पैदा कर दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की ओर से कड़े संकेतों के बाद आशंका है कि यदि सैन्य टकराव होता हैं तब ईरान रणनीतिक रूप से बेहद अहम होर्मुज जलडमरूमध्य को बाधित कर सकता है।

यह वहीं समुद्री मार्ग है, जिससे होकर भारत के कुल कच्चे तेल आयात का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है। ओमान और ईरान के बीच स्थित यह जलडमरूमध्य दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण ÷ऑयल चोक पॉइंट÷ माना जाता है। वैश्विक समुद्री तेल व्यापार का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा यहीं से गुजरता है। एशियाई देशों खासकर इंडिया और चीन के लिए यह जीवनरेखा है। अमेरिका की अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन (ईआईए) के अनुसार, 2024-25 में प्रतिदिन करीब 20 मिलियन बैरल तेल और पेट्रोलियम उत्पाद इस मार्ग से गुजरे है।

बात दें कि भारत अपनी जरूरत का लगभग 85-90 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है। खाड़ी देशों से आने वाला तेल मुख्य रूप से इसी मार्ग से गुजरता है। हालांकि रूस से आने वाला तेल होर्मुज से नहीं गुजरता, लेकिन खाड़ी सप्लाई रुकने से वैश्विक कीमतें उछल सकती हैं, जिसका सीधा असर भारत के आयात बिल और महंगाई पर पड़ेगा।

अगर होर्मुज बंद होता हैं तब क्या होगा

इसके बाद कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आ सकता है। भले ही भारत को वैकल्पिक स्रोत मिल जाएं, लेकिन वैश्विक कीमतों में तेज उछाल तय माना जाता है। ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर जा सकता है। इससे रुपये पर दबाव बढ़ेगा, चालू खाता घाटा (सीएडी) बढ़ सकता है। इसके बाद ईंधन, परिवहन और लॉजिस्टिक्स महंगे होगा, जिससे मंहगाई बढ़ेगी और आम जनता पर इसका सीधा असर होगा। युद्ध क्षेत्र घोषित होने पर जहाजों के बीमा प्रीमियम कई गुना बढ़ जाते हैं।

क्या विकल्प हैं भारत के पास?

सऊदी अमराको पूर्व-पश्चिम पाइपलाइन (5 मिलियन बैरल/दिन क्षमता) चलाता है, जो लाल सागर तक जाती है। यूएई की 1.8 मिलियन बैरल/दिन क्षमता वाली पाइपलाइन फुजैराह तक तेल पहुंचाती है, जो होर्मुज को बाईपास करती है। लेकिन इनकी क्षमता सीमित है पूरी खाड़ी सप्लाई को प्रतिस्थापित नहीं कर सकती। भारत के पास आपातकालीन भंडार मौजूद हैं, जो कुछ हफ्तों की जरूरत पूरी कर सकते हैं। भारत ने रूस, अमेरिका, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका से आयात बढ़ाकर जोखिम कम करने की कोशिश की है। यदि होर्मुज बाधित होता है, तब इसका असर केवल भारत तक सीमित नहीं रहेगा। चीन, जापान, दक्षिण कोरिया जैसे बड़े आयातक भी प्रभावित होगा। वैश्विक ऊर्जा बाजार में अस्थिरता बढ़ेगी।

पशु चोरी करने वालों ने की थी कारोबारी से छिनैती की वारदात

कौशांबी। सीमांत विहार निवासी बेकरी कारोबारी राजेश को पिस्टल व चाकू दिखाकर चेन छिनैती करने वाले कार सवार आरोपियों को पुलिस ने रविवार सुबह मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया मामले का खुलासा किया। आरोपी दिल्ली के राजपार्क स्थित मंगोलपुरी निवासी सुजल, बेगमपुरी के कैलाश विहार का रहने वाले संदीप और विशाल हैं। मुठभेड़ में आरोपी सुजल के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। पूछताछ में तीनों आरोपियों ने 25 अगस्त की सुबह बेकरी कारोबारी से छिनैती करने की बात स्वीकार की है। तीनों के पास से वारदात में इस्तेमाल हुई कार, चाकू, तमंचा व कुछ नकदी बरामद हुई है। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि सात सितंबर की सुबह 2/5 की पुलिया पर पुलिस चेकिंग कर रही थी। इस दौरान एक कार को चेकिंग के लिए रोकने का प्रयास किया था। कार चालक ने गाड़ी रोकने की जगह दूसरे रास्ते पर दौड़ा दिया लेकिन कुछ दूरी पर ही कार टकराने की वजह से रुक गई। तीनों आरोपी गाड़ी से निकलकर फायरिंग करते हुए भागे। जवाबी कार्रवाई में एक गोली आरोपी सुजल के पैर में लगी। इसके बाद पुलिस ने तीनों को दबोच लिया। पुलिस की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि तीनों मिलकर गाजियाबाद व दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में लूट, छिनैती और चोरी की वारदातों को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। एसीपी ने बताया कि तीनों आरोपी मुख्यरूप से पशु चोर हैं। अधिकतर घरों के बाहर बंधे पशुओं को चुराकर उन्हें बेचने का काम करते हैं। पशु चोरी के कई मामले तीनों के खिलाफ दर्ज हैं। जिस कार में आरोपी सुजल को थी, जिस पर नकली नंबर प्लेट लगाकर वारदातों को अंजाम देते थे। बताया कि सुजल के खिलाफ लूट, छिनैती व चोरी का माल बरामद होने व आर्म्स एक्ट में एक दर्जन मामले दर्ज हैं। आरोपी संदीप के खिलाफ आधा दर्जन और विशाल पर भी इन अपराधों में आधा दर्जन मुकदमे हैं।

हिसाब गलत बताकर होटल कारोबारी को धमकाया

इंदिरापुरम। वसुंधरा सेक्टर तीन स्थित होटल हवेली पैलेस के मालिक विकास जैन ने पेंटर के भाई पर अकरम नाम के व्यक्ति पर धमकी देने और दबाव बनाकर ज्यादा रुपये मांगने का आरोप लगाया है। आरोप है कि तीन सितंबर को आरोपी ने उनके कार्यालय पहुंचकर उनके कर्मचारी को भी धमकी दी। छह सितंबर को पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। दर्ज मुकदमे में होटल कारोबारी विकास जैन ने बताया कि उनका पेंटर के साथ रुपयों का हिसाब-किताब चल रहा है। बताया कि वह सही हिसाब मानने से इन्कार करते हुए ज्यादा रुपयों की मांग कर रहा है।

गंगा-ब्रह्मपुत्र बेसिन में दिखीं जीवन की लहरें, डॉल्फिन की संख्या पहुंची 6324

नई दिल्ली। गंगा और ब्रह्मपुत्र नदी की धाराओं में एक बार फिर जीवन की लहरें दिखाई दी हैं। इन दोनों प्रमुख नदियों में कुल 6,324 गंगा डॉल्फिन दर्ज की गई हैं। इसका खुलासा वन्यजीव संस्थान ऑफ इंडिया (डब्ल्यूआईआई) ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) को सौंपी अपनी रिपोर्ट में किया है। डॉल्फिन का यह आंकड़ा केवल एक संख्या नहीं, बल्कि वर्षों से जारी जल संरक्षण और जैव विविधता की रक्षा के प्रयासों का प्रमाण है। गंगा डॉल्फिन को भारत का राष्ट्रीय जलीय जीव माना गया है। ये डॉल्फिन केवल स्वच्छ, बहती और प्रदूषण-मुक्त जलधाराओं में ही जीवित रह सकती हैं, इसलिए इनकी मौजूदगी को नदी की सेहत का सबसे विश्वसनीय संकेतक माना जाता है। एक समय ऐसा भी था जब इनकी संख्या तेजी से गिर रही थी, लेकिन हाल के वर्षों में सरकारी योजनाओं, पर्यावरण संगठनों और स्थानीय समुदायों के समन्वित प्रयासों ने डॉल्फिनों के लिए आशा की किरण जगाई। यह सर्वेक्षण पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के सहयोग से 2020 से 2023 के बीच किया गया, जिसमें 7,680 किलोमीटर नदी तटों का अध्ययन शामिल था। यह अध्ययन एनजीटी के निर्देश पर किया गया, जिसने 20 जनवरी, 2025 को डब्ल्यूआईआई को गंगा बेसिन में डॉल्फिन की संख्या और उनके संरक्षण की स्थिति पर जानकारी देने का आदेश दिया था। वन्यजीव संस्थान की तरफ से किए गए इस सर्वेक्षण में गंगा, ब्रह्मपुत्र और उनकी सहायक नदियों को शामिल किया गया था। इस सर्वेक्षण का उद्देश्य गंगा और ब्रह्मपुत्र नदी घाटियों में जैव विविधता का मूल्यांकन करना और नदियों के पारिस्थितिकी तंत्र की सेहत की जांच करना था। खास तौर पर, गंगा डॉल्फिन, जो भारत का राष्ट्रीय जलीय जीव है, उनकी आबादी और उनके आवास की स्थिति को समझना इस अध्ययन का प्रमुख लक्ष्य था। सर्वेक्षण में गंगा की मुख्य धारा के साथ-साथ इसकी 22 सहायक नदियों को शामिल किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, गंगा नदी घाटी में 3,936 डॉल्फिन पाई गईं, जबकि ब्रह्मपुत्र और इसकी सहायक नदियों में शेष आबादी दर्ज की गई। यह सर्वेक्षण राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) की तरफ से वित्तपोषित था। गंगा-ब्रह्मपुत्र बेसिन में डॉल्फिन की गिनती के लिए प्रशिक्षित विशेषज्ञों की टीम नाव से सर्वेक्षण इस अध्ययन का प्रमुख लक्ष्य था। सर्वेक्षण में गंगा की मुख्य धारा के साथ-साथ इसकी 22 सहायक नदियों को शामिल किया गया। रिपोर्ट के अनुसार, गंगा नदी घाटी में 3,936 डॉल्फिन पाई गईं, जबकि ब्रह्मपुत्र और इसकी सहायक नदियों में शेष आबादीमें जुटी रही। दूरबीन से लैस टीम ने न केवल डॉल्फिनों की संख्या दर्ज की, बल्कि उनके रहने के स्थानों से जुड़ी पर्यावरणीय जानकारियां भी इकट्ठा कीं। सर्वे में नदी की गहराई, चौड़ाई, प्रवाह, मछली पकड़ने और रेत खनन जैसी मानवीय गतिविधियां भी दर्ज की गईं। आमतौर पर हर 90-120 सेकंड में दिखने वाली डॉल्फिन को अलग-अलग माना गया, जिससे दोबारा गिनती की संभावना कम हुई। गंगा डॉल्फिन की आबादी का अनुमान लगाने के लिए वैज्ञानिकों ने एन-मिश्रण मॉडल का इस्तेमाल किया, जिसमें एक ही डॉल्फिन की दोबारा गिनती से बचा गया। 7,680 किमी लंबे सर्वे क्षेत्र को छोटे खंडों में बांटकर विश्लेषण किया गया, जिससे अनुमानित 763 की मानक त्रुटि के साथ 3,936 गंगा डॉल्फिन रही। सर्वे के दौरान दिखाई न देने वाली डॉल्फिनों को भी ध्यान में रखते हुए सुधार कारक जोड़ा गया।

हस्तिनापुर में नहीं थम रहा कटान

मेरठ। हस्तिनापुर में गंगा के कटान ने हस्तिनापुर क्षेत्र के गांवों में हड़कंप मचा दिया है। बाढ़ के बाद नदी की तेज धारा लगातार गांवों और खेतों को अपनी चपेट में ले रही है। अब तक करीब पांच हजार हेक्टेयर फसल पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है और दो हजार हेक्टेयर से अधिक भूमि गंगा में समा चुकी है। गंगा की धारा इन दिनों बस्तोरा नारंग, मखदुमपुर, किशोरपुर और जलालपुर जोरा गांव की ओर बढ़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि हालात दिन-प्रतिदिन बिगड़ते जा रहे हैं। कटान से करीब दस हजार किसान प्रभावित हो चुके हैं, जिनकी जमीन और खेत नदी में समा गए हैं।

फुटपाथ पर बनी दरगाह तोड़ने पर फिर विचार के निर्देश, अदालत ने केस धार्मिक समिति को वापस किया

नई दिल्ली। हाईकोर्ट ने प्राचीन दरगाह हजरत भूरे शाह को ध्वस्त करने के मामले को दिल्ली सरकार की रिलिजियस कमेटी को वापस भेज दिया है। कोर्ट ने कमेटी को निर्देश दिया कि वह मामले की नए घटनाक्रमों को देखते हुए पुनः जांच करे। यह दरगाह मथुरा रोड पर नीला गुम्बद के पास अमीर खुसरो पार्क में स्थित है, जहां फुटपाथ पर कब्रों के कारण पैदल यात्रियों को असुविधा का मुद्दा है। याचिकाकर्ता यूसुफ बैग, जो खुद को दरगाह का केयरटेकर बताते हैं, ने अप्रैल 2023 में दिल्ली सरकार और अन्य अधिकारियों के खिलाफ याचिका दायर की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि था कि 1 अप्रैल 2023 को बिना नोटिस के दरगाह की संरचना को तोड़ दिया गया, जिससे उन्हें 10 लाख रुपये का मुआवजा मांगा। कोर्ट ने 19 अप्रैल 2023 को यथा स्थिति बनाए रखने का आदेश दिया और विभिन्न विभागों- पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट (पीडब्ल्यूडी), म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन ऑफ दिल्ली (एमसीडी), डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट साउथ-ईस्ट, लैंड एंड डेवलपमेंट ऑफिस (एलएंडडीओ), दिल्ली वक्फ बोर्ड और याचिकाकर्ता के प्रतिनिधि से साइट का निरीक्षण कर रिपोर्ट मांगी। दिल्ली वक्फ बोर्ड की शुरुआती रिपोर्ट में इसे 1976 की गजट अधिसूचना में सूचीबद्ध वक्फ संपत्ति बताया गया। इसमें 1000 वर्ग गज क्षेत्र का उल्लेख है, लेकिन बाद में दाखिल लिखित सबमिशन में बोर्ड ने अपना रुख बदलते हुए कहा कि कोई अधिकृत संरचना का रिकॉर्ड नहीं है और कब्रों की स्थानांतरण की सिफारिश का विरोध नहीं करता। बोर्ड ने यह भी माना कि फुटपाथ पर कब्रें पैदल यात्रियों के लिए असुविधाजनक हैं और उन्हें पास की उपयुक्त जगह पर स्थानांतरित किया जा सकता है। कोर्ट ने रिलिजियस कमेटी की 17 जुलाई 2023 की बैठक के मिनट्स का हवाला दिया, जिसमें कमेटी ने कब्रों को फुटपाथ से हटाने और दूसरी जगह स्थानांतरित करने की सिफारिश की थी। कमेटी ने नोट किया कि एक व्यक्ति (सैयद भूरे शाह) के नाम पर कई मजार होने से सवाल उठते हैं और यह पैदल यात्रियों के लिए बाधा हैं। निरीक्षण रिपोर्ट में पीडब्ल्यूडी, एसडीएम और एलएंडडीओ ने स्पष्ट किया कि दरगाह मथुरा रोड के राइट ऑफ वे में आती है और यह सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण है। रिपोर्ट के अनुसार, फुटपाथ पर 7 कब्रें या मजार हैं, जो लगभग 15 मीटर क्षेत्र को कवर करती हैं और पैदल यात्रियों के लिए बाधा हैं। एलएंडडीओ ने कहा कि यह भूमि पीडब्ल्यूडी के रखरखाव में है और कोई आवंटन दरगाह के नाम पर नहीं किया गया।

जंगल में मिली बच्चे की खोपड़ी व अवशेष, लापता रिहान के होने की आशंका

मेरठ। सरधना थाना क्षेत्र के नंगला रोड के जंगल में शुक्रवार को बच्चे की खोपड़ी व अवशेष मिलने से सनसनी फैल गई। ग्रामीण ये अवशेष सात माह पहले तांत्रिक क्रिया में मारे गए 11 वर्षीय रिहान पुत्र इमरान के होने की आशंका जता रहे हैं। पुलिस ने अवशेष डीएनए टेस्ट के लिए भेज दिए हैं। करीब सात माह पहले नवाबगढ़ी निवासी 11 वर्षीय रिहान का अपहरण हो गया था। इसके एक माह बाद ही गली के ही 15 वर्षीय उवेश पुत्र शकील की तंत्र क्रिया के लिए तांत्रिक असद ने अपहरण कर हत्या कर दी थी। पुलिस ने आरोपी असद को गिरफ्तार किया तो उसने तंत्र क्रिया व हत्या की बात को स्वीकार किया था। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर उवेश का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। आरोपी ने उवेश के परिजनों से पांच लाख की फिरौती भी मांगी थी। उसने बताया कि रिहान के भी उसने मारा था। हालांकि आरोपी की निशानदेही पर पुलिस रिहान का शव बरामद नहीं कर पाई। शुक्रवार को जंगल में ग्रामीण पशुओं के लिए घास काट रहे थे। तभी उन्हें वहां पर खोपड़ी व अन्य अवशेष मिले। रिहान के परिजनों ने आशंका जताई है कि ये अवशेष उनके बच्चे के हो सकते हैं। इस संबंध में सीओ सरधना आशुतोष कुमार का कहना है कि देखने में अवशेष किसी बच्चे के लग रहे हैं। जिस स्थान पर खोपड़ी मिली, उसके पास ही रिहान की पैंट मिली थी। डीएनए रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। इसके बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल तांत्रिक असद जेल में बंद है। वह सिद्धि पाने के लिए बच्चों की बलि देता था।

मोहल्ला क्लीनिक स्वास्थ्यकर्मियों के रोजगार पर संकट

नई दिल्ली। मोहल्ला क्लीनिकों के बंद होने की प्रक्रिया के कारण स्वास्थ्यकर्मियों के रोजगार पर संकट गहराने लगा है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने कर्मियों की बर्खास्तगी को लेकर नोटिस जारी करना शुरू कर दिया है। कुछ दिन पहले 121 मोहल्ला क्लीनिक बंद करने के निर्देश जारी हुए थे। इससे पहले सितंबर में 31 मोहल्ला क्लीनिक बंद किए गए थे। आम आदमी मोहल्ला क्लीनिक यूनियन के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार ने कहा कि एक मोहल्ला क्लीनिक में चार लोगों का स्टाफ काम करता है। कुल मिलाकर 201 मोहल्ला क्लीनिक बंद कर दिए गए। इससे 814 कर्मियों के रोजगार पर संकट आ गया है। कर्मियों की बर्खास्तगी की प्रक्रिया शुरू हो गई है। दो हफ्ते का नोटिस दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 16 मई को जनता दरबार में वादा किया था कि सभी स्वास्थ्यकर्मियों को आयुष्मान आरोग्य मंदिर में समायोजित किया जाएगा। अभी तक उस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया गया है। सरकार से गुहार है कि कर्मियों की समस्या को दूर करें

प्रतिबंधित पॉलिथीन की जगह कपड़े के थैले का करे इस्तेमाल

यमुनानगर। हरियाणा शहर स्वच्छता अभियान को लेकर अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार ने वीरवार को सब्जी मंडी एसोसिएशन व मंडी आढ़तियों व विक्रेताओं की बैठक ली। उन्होंने सभी को स्वच्छता अभियान में सहयोग देने की अपील की और प्रतिबंधित पॉलिथीन का इस्तेमाल न करने, खुले में गंदगी न फैलाने, सड़कों पर सामान रखकर अतिक्रमण करने के बारे में समझाया। उन्होंने सभी को निर्देश दिए कि वे कचरा रखने के लिए कूड़ेदान का प्रयोग करें। प्रतिबंधित पॉलिथीन की जगह 120 माइक्रोन, पोटैटो स्टार्च कम्पोस्टेबल, कॉर्नस्टार्च कम्पोस्टेबल पॉलिथीन या कपड़े के थैलों का इस्तेमाल करें। उन्होंने सभी को समझाया कि अभी नगर निगम हाथ जोड़कर सभी से प्रतिबंधित पॉलिथीन का इस्तेमाल न करने और खुले में कचरा न फैलाने की अपील कर रहा है। फिर भी जो नहीं मानेगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बैठक के दौरान अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार ने प्रतिबंधित पॉलिथीन के नुकसान बताते हुए सभी को इसका इस्तेमाल न करने के बारे में समझाया। उन्होंने बताया कि पॉलिथीन के इस्तेमाल से जहां कैंसर जैसी घातक बीमारी होती है, वहीं, इसे खाने से पशुओं की भी मौत हो सकती है। क्योंकि कुछ लोग खाने समेत पॉलिथीन को फेंक देते है। सब्जी विक्रेता भी सड़ी हुई सब्जी या उसके अवशेष पॉलिथीन में डालकर फेंक देते है। जिससे पशु खा लेते है। यह पॉलिथीन उसके पेट में पचती नहीं। जिससे पशु बीमार होते है। नाले व नालियां जाम होने का सबसे बड़ा कारण भी पॉलिथीन है। उन्होंने सभी सब्जी व फल विक्रेताओं, मंडी आढ़तियों व पॉलिथीन विक्रेताओं को पॉलिथीन बंद करने में अपना योगदान देने की अपील की।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर संदीपा विर्क की न्यायिक हिरासत बढ़ी

नई दिल्ली। तीस हजारी कोर्ट ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर संदीपा विर्क की न्यायिक हिरासत अवधि को 15 सितंबर तक बढ़ा दिया है। उनकी पिछली न्यायिक हिरासत खत्म होने पर उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। उसके बाद अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विजय शंकर की अदालत ने 14 दिन और न्यायिक हिरासत बढ़ाने का आदेश दिया। संदीपा को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 12 अगस्त को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया था। ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक ने कहा कि मामले की जांच अभी जारी है और आवश्यकता पड़ने पर आगे भी हिरासत की मांग की जा सकती है। ईडी की जांच के अनुसार, संदीपा ने धोखाधड़ी और झूठे वादों के जरिए अपने नाम पर अचल संपत्ति खरीदी। वह खुद को हाइबूकेयर डॉट कॉम नामक वेबसाइट की मालिक बताती हैं जो कथित तौर पर एफडीए-स्वीकृत ब्यूटी प्रोडक्ट्स बेचने का दावा करती हैं।

रंजिश में युवक पर चलाई गोली, बाल बाल बचा

नई दिल्ली। महेंद्र पार्क में बृहस्पतिवार रात रंजिश में एक युवक पर स्कूटी सवार नाबालिगों ने गोली चला दी। गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी। पीड़ित की पहचान निखिल सक्सेना (22) के रूप में हुई है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने हत्या का प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ित ने तीन नाबालिग लड़कों पर आरोप लगाया है जिनकी तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार रात पुलिस को महेंद्र पार्क स्थित हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान पर गोली चलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को वहां शिकायतकर्ता संजय नगर निवासी निखिल सक्सेना मिला। उसने पुलिस को बताया कि वह अपने दोस्त माणिक के साथ हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान आया था। दोनों दुकान के पास खड़े थे तभी तीन लोग स्कूटी पर आए और उनपर हमला कर दिया। आरोपियों ने उनपर गोली भी चलाई। गनीमत रही कि गोली किसी को भी नहीं लगी। पीड़ित ने तीनों आरोपियों को पहचानने का दावा करते हुए बताया कि सभी उसके घर के पास ही रहते हैं और उससे रंजिश रखते हैं। पुलिस ने मौके पर क्राइम और फोरेंसिक टीम को बुलाया। टीम ने वहां से कुछ साक्ष्य हासिल किए। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि पीड़ित दसवीं तक पढ़ा है और फिलहाल कोई काम नहीं करता है। वहीं, गोलीबारी करने वाले सभी आरोपी नाबालिग हैं। जिस जगह पर घटना हुई है वहां कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं है। घटना के बाद से नामजद सभी आरोपी अपने घर से गायब हैं। पुलिस आरोपियों को पकड़ने के लिए इनके ठिकानों पर दबिश दे रही है।

महिला को सम्मोहित कर नाबालिगों ने गहने उड़ाए, पुलिस ने दो को दबोचा

दिल्ली। सुल्तानपुरी इलाके में नाबालिगों ने एक महिला को सम्मोहित कर उसके गहने ठग लिए। शिकायत के बाद पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की जांच कर दोनों आरोपी की पहचान कर उन्हें घर से पकड़ लिया। इनके कब्जे से पुलिस ने सोने का लॉकेट बरामद किया है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 3 अगस्त को एक महिला ने ठगी की शिकायत की। उन्होंने बताया कि वह सेक्टर 24 रोहिणी में ब्यूटी पार्लर चलाती है। रात में घर जाने के लिए बस स्टैंड पर खड़ी थी। इसी दौरान एक युवक आया और आनंद विहार जाने का रास्ता पूछा। फिर उसने बताया कि उसके ठेकेदार ने नौकरी से निकाल दिया है। उसके पास पैसे नहीं हैं। उसे भूख लगी है और खाना खिलाने के लिए कहा। इसी दौरान एक और युवक आ गया और वह लड़के की मदद करने के लिए कहा। फिर दोनों पीड़िता को लेकर होटल की तलाश करने लगे। इसी दौरान दूसरे युवक ने महिला से कहा कि इलाका ठीक नहीं है। वह रुमाल निकालकर दिखाया कि वह अपने पैसे रुमाल में रखता है। फिर उसने महिला से सारे गहने को एक रुमाल में डालने के लिए कहा। उसके बाद पीड़िता कान के दोनों टॉप्स, मोती का माला और एक सोने का लॉकेट रुमाल में रख दिया। युवक ने उसमें गांठ लगाकर पीड़िता को सौंप दिया। उसके बाद दोनों युवक वहां से भाग गए। जांच करने पर रुमाल से गहने गायब पाया। महिला ने पुलिस से इसकी शिकायत की। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने फुटेज के जरिए आरोपियों की पहचान कर ली। दोनों आरोपी के बी और सी ब्लॉक में मौजूद होने की जानकारी पर पुलिस ने वहां दबिश देकर दोनों को पकड़ लिया।

युवक को गोली लगने के मामले में दोस्त गिरफ्तार

नई दिल्ली। जहांगीपुरी इलाके में रविवार को युवक की गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने उसके ही दोस्त पंकज उर्फ पंखा को गिरफ्तार किया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया है कि उसने रोहित को गोली मारी नहीं थी, बल्कि गलती से उसको लग गई थी। दरअसल सारे दोस्त मिलकर तमंचे को देख रहे थे, इसी दौरान गोली चल गई और रोहित घायल हो गया। सारे दोस्त उसे अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन उसकी मौत हो गई। सभी उसे अस्पताल छोड़कर भाग खड़े हुए। वहीं, पुलिस पंकज की बात पर यकीन करने को तैयार नहीं है। पुलिस का कहना है कि फरार चल रहे आलम और आकाश के पकड़े जाने के बाद हकीकत सामने आएगी। वारदात में इस्तेमाल तमंचा भी बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस पता लगा रही है कि तमंचा कहां से लाया गया था।

NAME CHANGE
I Kapil Kumar Yadav S/o Dinesh Yadav R/o House No-523 P, Sector-14,Gurgaon,Haryana-122001, Have Changed My Name To Kapil Yadav For All Purpose

NAME CHANGE
I, Pradeep Kumar S/o Prem Chand R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed the name of my minor son from Arjun to Arjun Vaidwan.

NAME CHANGE
I, Anupama D/o Pradeep Kumar R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed my name to Anupama Chaudhary.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Manoj Ram S/o Ram Bilash Ram R/o Flat No-6, Tower-8,Hamelia Street,IRIS,Vatika City, Sector-49, Gurgaon, Haryana-122018, Have Changed My Name To Manoj Kumar For All Purpose

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, DEEPAK KUMAR VERMA S/O PARTAP SINGH resident of H.No.16, Tara Nagar Main Kakrola Road, Kakrola, South West Delhi, Delhi-110078 have changed the name of my minor daughter SHREYA ALIAS SHREYA VERMA aged 13 years, and she shall hereafter be known as SHREYA VERMA.

NAME CHANGE
I hitherto known as SAMEERA SINGH D/O SUDHIR KUMAR SINGH residing at Flat No.E-1058, River Heights, Raj Nagar, Extension, Tower-15, Ghaziabad, U.P.-201001, have changed my name and shall hereafter be known as SAMEERA SINGH AMETHIA.

NAME CHANGE
I, Sushma D/O Shambu Prasad Dharmana W/O Vinod Kumar R/O B-6 Police Colony Mandir Marg New Delhi 110001 Have changed my name to Sushma Badola for all future purposes.

NAME CHANGE
I Swaran Kaur Sawhney W/o Prith Pal Singh R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Changed My Name to Swaran Kaur for all purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Rahul Vishwakarma S/o H.P. Vishvakarma R/o J-4, Ground Floor Gandhi Market, Mir Dard Road, Minto Road, Indraprastha, Central Delhi, Delhi-110002 declare that name of mine has been wrongly written as Rahul Kumar Vishvakarma in my minor daughter namely Anika Vishvakarma aged 5 years in his School Records. The actual name of mine is Rahul Vishwakarma.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that 1 INDU CHAUHAN W/O NARENDER SINGH CHAUHAN R/O N-129/1, T-HUTS, KHILONA BAGH DIST NORTH WEST DELHI-110009 declare that name of mine has been wrongly written as INDU KANWAR in my minor son namely HARSH VARDHAN SINGH CHAUHAN aged 13 years in his school record and birth certificate No. MCDOLIR - 2211-005020356. The actual name of mine is INDU CHAUHAN which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that CHANDER VEER S/O RAM JI LAL R/O Q-157 Vikas Vihar Uttam Nagar West Delhi Delhi-110059 declare that name of mine has been wrongly written as CHANDER PAL in my minor daughter namely KIRTI aged 15 years in her birth certificate No.MCDOLIR-0110-004425168. The actual name of mine is CHANDER VEER which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, MOGHAL FATHIMA BAIG Wife of JC-335017L Rank-NB/SUB Name-MOGHAL MOHAMMAD BAIG Presently residing at 9-5-5, ANDHRA RATNA NAGAR, PERALA HIGH SCHOOL, PERALA, CHIRALA PRAKASAM DISTRICT, ANDHRA PRADESH-523157, have changed my name from MOGHAL FATHIMA BAIG to FATHIMA SHAIK for all future purposes vide Affidavit dated 16/07/2025 before First Class Magistrate, Shillong, Meghalaya.

NAME CHANGE
I Jugal Kishor S/o Lila Dhar R/o H.No-196 S/F, Kh.No-619/21, Chattar Pur, South Delhi, Delhi-110074 have changed the name of my minor daughter namely Krishna Devi aged 16 years and she shall hereafter be known as Priya.

NAME CHANGE
I hitherto known as Farman S/o Akeel Ahmed R/o B 272/27, Gali No 4, Subhash Mohalla North Ghonda, Garhi Mendu, Bhajan Pura, North East, Delhi-110053 have changed my name and shall hereafter be known as Farman Ahmed.

NAME CHANGE
I hitherto known as Atif S/o Manzoor Khan R/o 1/99-C, 4F/F, Gali No-5, Guru Harkrishan School Wali Gali, Kabir Nagar, Gokal Pur, North East Delhi, Delhi-110094 have changed my name and shall hereafter be known as Atif Khan.

NAME CHANGE
I hitherto known as Aakash S/o Makan Singh Rawat R/o 2087/5, Gali No.20, Prem Nagar Patel Nagar, Patel Nagar S.O, Central Delhi, Delhi-110008 have changed my name and shall hereafter be known as Akash Rawat.

NAME CHANGE
I hitherto known as Sanam Kumari W/o Samarjeet Gupta R/o E-400-D, Block-E, Ashok Nagar, Vasundhra Enclave, East Delhi, Delhi, Delhi-110096 have changed my name and shall hereafter be known as Sonam Sav.

NAME CHANGE
I hitherto known as Laxman Yadav alias Bhavikshan Yadav S/O Bechan Yadav R/O Gram Debra, Post Bela, Thana Babubarhi, Ward No-02, Bela, PO Bela, Dist Madhubani, Bihar-847224 have changed my name and shall hereafter be known as Bhavikshna Yadav.

NAME CHANGE
I Tajinder Kaur W/o Jaspreet Singh Baweja R/o 52/43 Ramjas Road Karol Bagh Delhi -110005 Have Changed My Name To Tajinder Kaur Baweja For All Purpose.

NAME CHANGE
I, Sansare Amrut Narayan father of No.4580889H Rank-Hav Name Sansare Ravindra Amrut residing at Vill. Deolali Pravara, Tehsil - Rahuri, District.Ahilyanagar, Maharashtra - 413716 have changed my name from Sansare Amrut Narayan to Amrut Narayan Sansare vide affidavit dated 15.07.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
I Jyoti pal W/O Sunil Kumar R/O WZ-125, Village Begumpur, North West Delhi , -110086.declare that name of mine has been wrongly written as Jyoti in my minor Daughter Yashika aged 14 years in her school cords and birth certificate no MCDOLR09368299 .The actual my name is Jyoti Pal.

NAME CHANGE
I, hitherto known as ASHISH KUMAR RATHOR S/O PURAN LAL R/O Q-48, RAJEEV NAGAR BEGUM PUR, NORTH WEST DELHI, DELHI-110086, have changed my name and shall hereafter be known as RAZA AHMED.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SANTOSH KUMAR S/O VISHVA NATH PRASAD residing at PLOT NO-58&59, FLAT NO-B-2, STREET NO-5, HAVENS GARDEN MATIALA, DELHI-110059 have changed my name to SANTOSH KUMAR GUPTA for all future purposes

NAME CHANGE
I, PUNNAM DEVI Wife of No-14913053K Rank-HAV Name-NARENDER SINGH R/O C-7, LAXMI GARDEN, NAJAFGARH, NEW DELHI-110043 have changed my name from PUNNAM DEVI to POONAM DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, Anil Balakrishna Panicker s/o Angakattil Narayan Balakrishna Panicker R/o A-6/334-A, Janta Flats, Paschim Vihar, Delhi-110063, have changed my name to Anil Bala Panicker permanently.

NAME CHANGE
I, S VANITHA W/o No. 14838283N Rank-HAV/MT Name-RAMESH P R/o VILL-SEDRAMPUTTU, PO-SEDRAMPUTTU, TEH-POLUR, DIST-THRUVANNAMALAI, TAMIL NADU-632315, have changed my name from S VANITHA to VANITHA R for all future purposes vide Affidavit dated 15/07/2025 before Notary Public, Kupwara.

NAME CHANGE
I, SH AUTAR SINGH Father of JC-413677X Rank-SUB MAJ Name-BHAGAT SINGH presently residing at VILL-BILTIYA SUKOLI TALLI, PO-DHAUNTIYAL, DIST-PAURI GARHWAL, UTTARAKHAND-246155 have changed my name from SH AUTAR SINGH to AVTAR SINGH for all future purposes vide affidavit dated 12/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Kulsum w/o Rozuddin R/o B-17, Gali No.3A, Near Mohalla Dilshad Masjid, Old Mustafabad, Delhi-110094, have changed my name to Kulsoom for all future purposes.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्‌घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी / 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **नरगिश उर्फ लैला, पत्नी स्वर्गीय शाकिर निवासी मकान संख्या 294, अशोक विहार, लोनी देहात, लोनी उत्तर प्रदेश** दूसरा पता **प्रेम नगर, हनुमान मंदिर के पास, लोनी, उत्तर प्रदेश** ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 165/2016 भा.द.सं. की धारा 323/341 के तहत, थाना वेलकम, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **नरगिश उर्फ लैला** मिल नहीं रही है और समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **नरगिश उर्फ लैला** फरार हो गई है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रही है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्‌घोषणा की जाती है **कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 165/2016 भा.द.सं. की धारा 323/341 के तहत, थाना वेलकम, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **नरगिश उर्फ लैला** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **02.04.2026** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
दीपाक्षी राणा
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-03, कमरा नं.19, प्रथम तल
शाहदरा जिला, कड़कड़डूमा कोर्ट्स, दिल्ली

DP/2527/NE/2026

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

एचपीएससी-एचएसएससी 'रिजेक्शन कमीशन', युवाओं के सपनों का 'संस्थागत कत्ल' : आदित्य सुरजेवाला

एजेंसी

कैथल। हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र में कैथल से कांग्रेस के विधायक आदित्य सुरजेवाला ने प्रदेश की भर्ती व्यवस्था को लेकर भाजपा सरकार पर हमला बोला। उन्होंने हरियाणा लोक सेवा आयोग और हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग को 'रिजेक्शन कमीशन' करार देते हुए आरोप लगाया कि इन संस्थाओं के माध्यम से प्रदेश के युवाओं के साथ 'संस्थागत धोखाधड़ी' की जा रही है। विधानसभा में लाए गए स्थगन प्रस्ताव पर बोलते हुए सुरजेवाला ने कहा कि हरियाणा का नौजवान दिन-रात मेहनत करता है। अभिभावक जमीन गिरवी रखकर कोचिंग की फीस भरते हैं और बच्चे बड़े सपने लेकर तैयारी करते हैं, लेकिन बदले में उन्हें पेपर लीक, परीक्षा रद्द होने, अदालती चक्कर और सरकार की खामोशी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने इसे केवल प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि संवैधानिक संकट बताया। सुरजेवाला ने कहा कि हरियाणा लोक सेवा आयोग द्वारा पीजीटी कंप्यूटर साइंस के 1711 पदों में से केवल 39 उम्मीदवारों का चयन किया गया, यानी 97 प्रतिशत से अधिक पद खाली छोड़ दिए गए। मेवात कैडर में एक भी चयन नहीं हुआ। इसी प्रकार असिस्टेंट प्रोफेसर अंग्रेजी के 613 पदों में से केवल 151 उम्मीदवारों को योग्य घोषित किया गया, जबकि 462 पद रिक्त रह गए।

होडल-नूंह-बिलासपुर फोरलेन को 616 करोड़ की मंजूरी

चंडीगढ़। दक्षिण हरियाणा की कनेक्टिविटी को नई गति देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए राज्य सरकार ने होडल-नूंह-बिलासपुर मार्ग को फोरलेन बनाने के लिए 616.01 करोड़ रुपये की प्रशासनिक मंजूरी दे दी है। 71 किलोमीटर लंबे इस मार्ग का निर्माण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड (एनसीआरपीबी) की ऋण सहायता से किया जाएगा। स्थायी वित्त समिति से भी परियोजना को हरी झंडी मिल चुकी है। लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान हथीन से कांग्रेस विधायक मोहम्मद इजराइल के सवाल के जवाब में यह जानकारी दी। यह परियोजना क्षेत्रीय यातायात दबाव को कम करने और दिल्ली-एनसीआर से सटे इलाकों को बेहतर सड़क नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में अहम मानी जा रही है। फोरलेन निर्माण के दौरान कई स्थानों पर पेड़ों की कटाई आवश्यक होगी। इसके बदले करीब 80 हेक्टेयर भूमि पर वनीकरण किया जाएगा। वन विभाग ने जमीन हस्तांतरण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मंत्री के अनुसार, वन मंजूरी और एनसीआरपीबी से ऋण की अंतिम स्वीकृति मिलते ही टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। परियोजना पूरी होने पर होडल, नूंह और बिलासपुर के बीच यातायात सुगम होगा और औद्योगिक व कृषि गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

डबवाली स्टेडियम का जल्द शुरू होगा निर्माण,एक करोड़ का एस्टीमेट तैयार

चंडीगढ़। सिरसा जिले के डबवाली के गुरु गोबिंद सिंह खेल परिसर को लेकर विधानसभा में उठे सवालों के बाद सरकार ने स्पष्ट किया है कि स्टेडियम से जुड़ी कोई जांच लंबित नहीं है और इसके सुधारीकरण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। डबवाली के विधायक आदित्य देवीलाल ने सदन में कहा कि स्टेडियम के सिंथेटिक ट्रैक को लेकर दो बार मुख्यमंत्री घोषणा कर चुके हैं, लेकिन पिछले 12 वर्षों में एक रुपया भी खर्च नहीं हुआ। उन्होंने क्षेत्र में बढ़ते नशे की समस्या का जिक्र करते हुए कहा कि यदि युवाओं को बेहतर खेल सुविधाएं नहीं मिलेंगी तो उन्हें सकारात्मक दिशा कैसे मिलेगी। उन्होंने याद दिलाया कि मुख्यमंत्री स्वयं डबवाली में दौड़ लगाकर गए थे, इसलिए घोषणाओं को धरातल पर उतारा जाना जरूरी है। खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने जवाब देते हुए कहा कि स्टेडियम से संबंधित कोई जांच लंबित नहीं है। जिला खेल अधिकारी ने एक करोड़ रुपये का अनुमान तैयार कर भेजा है, जिसे हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) को अग्रेषित कर दिया गया है। मंजूरी मिलते ही काम शुरू होगा। मंत्री ने बताया कि सिरसा जिले में शहीद भगत सिंह खेल परिसर, चौधरी दलबीर सिंह इंडोर स्टेडियम सहित डबवाली और चौटाला में उपमंडल स्तरीय स्टेडियम संचालित हैं। जिले में 50 खेल नर्सरियां और 21 प्रशिक्षक कार्यरत हैं। सरकार का दावा है कि युवाओं को खेलों से जोड़ने के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत किया जा रहा है।

रोहतक में कच्चा बेरी रोड पर रेलवे अंडरपास मंजूर

चंडीगढ़। रोहतक शहर में रेलवे क्रॉसिंग पर लगने वाले जाम से राहत की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। कच्चा बेरी रोड स्थित रेलवे क्रॉसिंग पर अंडरपास निर्माण को रेलवे विभाग से मंजूरी मिल गई है और 13 करोड़ 46 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति भी जारी कर दी गई है। लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा ने विधानसभा में रोहतक विधायक भारत भूषण बत्तरा के सवाल के जवाब में बताया कि इस परियोजना का सामान्य रेखाचित्र रेलवे द्वारा अनुमोदित किया जा चुका है। निर्माण कार्य राज्य सरकार के जमा कार्य के रूप में रेलवे विभाग द्वारा किया जाएगा। परियोजना के लिए हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड की एक कनाल 17 मरला भूमि भी शामिल है। इस भूमि को पीडब्ल्यूडी (बीएंडआर) के नाम हस्तांतरित करने की प्रक्रिया जारी है। भूमि उपलब्ध होते ही टेंडर आमंत्रित किए जाएंगे और निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। विधायक भारत भूषण बत्तरा ने कहा कि रेलवे की मंजूरी चार साल पहले मिल चुकी है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि छह से आठ महीने का समय लेकर स्पष्ट समय-सीमा तय की जाए, ताकि लोगों को जल्द राहत मिल सके।

विश्वविद्यालयों में तैनात संविदा एवं अंशकालिक प्राध्यापकों को मिलेगी जॉब सिक्योरिटी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार द्वारा राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों में कार्यरत संविदात्मक एवं अंशकालिक प्राध्यापकों को भी जॉब सिक्योरिटी प्रदान की जाएगी। विधानसभा में सोनीपत के विधायक निखिल मदान तथा रोहतक के विधायक भारत भूषण बत्रा ने यह मुद्दा उठाया। मदान ने पूछा कि क्या सरकार अन्य विभागों की तरह विश्वविद्यालयों में कार्यरत संविदात्मक प्राध्यापकों के लिए सेवा सुरक्षा विधेयक का प्रारूप तैयार कर रही है। इसके अलावा उन्होंने राजकीय महाविद्यालयों में कार्यरत विस्तार प्राध्यापकों की तर्ज पर विवि के प्राध्यापकों को जॉब सिक्योरिटी प्रदान करने पर सरकार से जवाब मांगा। उच्च शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा ने कहा कि यह मामला सरकार के विचाराधीन है। इस संबंध में कमेटी द्वारा ड्राफ्ट पॉलिसी तैयार की जा रही है। शिक्षा मंत्री ने बताया कि विभाग को हरियाणा यूनिवर्सिटीज

कॉन्ट्रैक्चुअल टीचर्स एसोसिएशन और हरियाणा यूनिवर्सिटीज पार्ट-टाइम टीचर्स एसोसिएशन से रिप्रजेंटेशन प्राप्त हुआ था। इन संगठनों ने वर्ष 2024 के सेवा सुरक्षा अध्यादेश की तर्ज पर कानून बनाने की मांग की है। इस प्रस्ताव में शिक्षकों को 60 वर्ष की आयु तक सेवा सुरक्षा प्रदान करने की बात कही गई। ढांडा ने बताया कि प्रदेश सरकार ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री की स्वीकृति से समिति का गठन का गठन किया गया, जिसमें महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के कुलपति को अध्यक्ष, इसी विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार को गुरुग्राम विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार तथा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के डीन अकादमिक अफेयर्स को सदस्य के तौर पर नामित किया गया।

उन्होंने बताया कि इस समिति को उक्त शिक्षकों की सेवा सुरक्षा से जुड़े सभी पहलुओं पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने का दायित्व दिया गया। रिपोर्ट मिलने के बाद मामला दोबारा मुख्यमंत्री के पास निर्णय हेतु भेजा गया। इसके बाद 29 जुलाई 2025 को इस विषय पर मुख्यमंत्री के ओएसडी की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में गहन चर्चा हुई। इसके परिणामस्वरूप निर्णय लिया गया कि राज्य विश्वविद्यालयों में कार्यरत पूरे शैक्षणिक स्टॉफ का विस्तृत डाटा एक निर्धारित प्रारूप में एकत्र किया जाए। उच्च शिक्षा निदेशालय ने 30 जुलाई 2025 को सभी राज्य विश्वविद्यालयों को पत्र जारी किया। इस पत्र के माध्यम से आवश्यक जानकारी मांगी गई। विश्वविद्यालयों से प्राप्त आंकड़ों को संकलित किया गया। इसके बाद यह संपूर्ण रिपोर्ट मुख्यमंत्री को आगे की कार्रवाई के लिए भेज दी गई। इसके बाद मुख्यमंत्री की ओर से यह सुझाव दिया गया कि समिति की सिफारिशों पर अन्य संबंधित विभागों की भी राय ली जाए जिसके तहत 9 दिसंबर 2025 को विभिन्न विभागों चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग, आयुष विभाग, युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता विभाग, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, खेल विभाग से सुझाव और टिप्पणियां मांगी गईं।

सेवानिवृत्त दो कर्मियों को भावभीनी विदाई समारोह

एजेंसी

सोनीपत। जिला सोनीपत को आयोजित एक समारोह में पुलिस उपायुक्त मुख्यालय प्रबीना पी ने सेवानिवृत्त उप निरीक्षक कर्मबीर और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी रामेहर को भावभीनी विदाई दी। दोनों कर्मचारियों ने पुलिस विभाग में दीर्घकाल तक सेवाएं प्रदान कीं और अपनी जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन किया।

समारोह में कल्याण शाखा में तैनात निरीक्षक जसमेर सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने कहा कि कर्मबीर और रामेहर ने अपने कार्यकाल के दौरान अनुशासन, ईमानदारी और समर्पण का परिचय दिया। विभाग के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सराहनीय रही है। पुलिस उपायुक्त प्रबीना पी ने दोनों को सम्मान चिन्ह और उपहार भेंट कर उनके योगदान को स्मरण किया। उन्होंने उनके उत्तम स्वास्थ्य और सुखमय जीवन की कामना की। साथ ही आशा व्यक्त की कि वे आगे भीसमाज और परिवार के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। समारोह के अंत मेंउपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने दोनों सेवानिवृत्त कर्मियों के साथ अपने अनुभव साझा किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की प्रार्थना की। वातावरण भावुक किन्तु सम्मानपूर्ण रहा।

पुलिस ने दो नशा कारोबारियों के घर तोड़े, सरकारी जमीन पर था अवैध कब्जा

एजेंसी

हिसार। नारनौंद पुलिस ने अवैध नशे के कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गांव राजथल में नशे के व्यापार में संलिप्त आरोपी शमशेर और सोनू उर्फ बिट्टू के मकान को ध्वस्त कर दिया गया। यह मकान सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा करके बनाया गया था।प्रशासन की यह कार्रवाई ड्यूटी मजिस्ट्रेटएवं खंड कृषि अधिकारी नारनौंद पवन भारद्वाज के नेतृत्व में की गई। स्थिति से निपटनेके लिए मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। नारनौंद थाना इंचार्ज रमेश कुमार ने खुद निगरानी कर रहे थे। बताया जा रहा है कि आरोपी शमशेर और सोनू उर्फ बिट्टू पर लंबे समय से अवैध नशे के कारोबार में शामिल होने के आरोप थे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नशे के कारोबार में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वह कितनाभी प्रभावशाली क्यों न

हो। कार्रवाई के दौरान, जेसीबी मशीन की सहायता से अवैध निर्माण को ध्वस्त किया गया। राजस्व विभाग और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने पूरे क्षेत्र को सुरक्षा घेरे में लेकर कब्जा हटाने की प्रक्रिया पूरी की। मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा थी, लेकिन स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में रही।

विधानसभा में कांग्रेस विधायक की मांग, लागू हो 'जिसका खेत, उसकी रेत'

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा में मुलाना की विधायक पूजा चौधरी ने 'जिसका खेत-उसकी रेत' मॉडल लागू करने की मांग उठाते हुए कहा कि वर्तमान व्यवस्था में खुदाई केवल पंचायती भूमि पर हो रही है, जबकि नदियां कई जगह निजी जमीन से होकर गुजरती हैं। इससे किसानों और सरकार दोनों को अरबों रुपये का नुकसान हो रहा है।

उन्होंने कहा कि अंबाला जिला हर साल बाढ़ और कटाव से प्रभावित होता है। यदि निजी भूमि पर बह रही नदी की रेत का अधिकार संबंधित किसान को दिया जाए तो नुकसान कम होगा और पारदर्शिता भी बढ़ेगी। उनके अनुसार, मौजूदा नीति में बदलाव कर व्यावहारिक समाधान तलाशना जरूरी है। सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी ने स्पष्ट

किया कि राज्य में हर वर्ष मानसून से पहले नदियों की डी-सिल्टिंग की कोई तय परंपरा नहीं है।

हालांकि, हाल के वर्षों में भारी बारिश और बाढ़ की स्थिति को देखते हुए विशेष अभियान चलाए गए हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 में टांगरी और मारकंडा नदियों की जलधारण क्षमता बढ़ाने के लिए बड़े स्तर पर गाद निकाली गई। 30 जून 2025 से पहले टांगरी नदी से लगभग 5.50 लाख घन मीटर और मारकंडा से करीब 37,500 घन मीटर मिट्टी हटाई गई। सरकार ने आगामी मानसून से पहले और व्यापक डी-सिल्टिंग की योजना बनाई है।

प्रस्ताव के अनुसार टांगरी नदी से 53.85 लाख घन मीटर, मारकंडा से 10.94 लाख घन मीटर और बेगना नदी से 0.60 लाख घन मीटर गाद निकाली जाएगी। इन कार्यों के लिए टेंडर प्रक्रिया जारी है और 30 जून तक काम पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। मंत्री ने कहा कि सरकार बाढ़ के खतरे को कम करने के लिए सतर्कता के साथ कार्य कर रही है और किसी प्रकार की दिक्कत नहीं आने दी जाएगी।

हरियाणा विधानसभा में वंदे मातरम पर हंगामा,कांग्रेस ने किया वाकआउट

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा में राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान वंदेमातरम् पर खूब हंगामा हुआ। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि मुस्लिम लीग के विरोध के कारण 1937 में जवाहर लाल नेहरू ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को पत्र लिखा था कि यह मुस्लिमों की भावनाओं के खिलाफ है, तब कांग्रेस ने वंदेमातरम् पर समझौता कर लिया था और इसके टुकड़े कर दिए थे। कांग्रेस ने उस समय मुस्लिम लीग के सामने घुटने टेक दिए थे।

मुख्यमंत्री के यह कहते ही सदन में कांग्रेस विधायकों ने हंगामा कर दिया। स्पीकर हरविन्द्र कल्याण ने विधायकों को शांत कराने की कोशिश की। इसके बाद कांग्रेस ने सदन से वाकआउट कर दिया। इस पर नायब सैनी ने कहा कि विपक्ष के विधायक सवाल करते हैं, सरकार से जवाब मांगते हैं, लेकिन जब सरकार इन्हें जवाब देती है तो सुनने की

बजाय वाकआउट कर चले जाते हैं। वाकआउट करने के थोड़ी देर बाद कांग्रेस विधायक सदन में लौट आए थे। नायब सैनी ने कहा कि राजनीति बापू की भावनाओं पर भारी पड़ गई।

मुस्लिम लीग के विरोध के कारण 1937 में जिन्ना ने इसका विरोध किया। फिर कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष ने वंदेमातरम् की जांच-पड़ताल शुरू कर दी। मुस्लिम लीग के विरोध के कारण 1937 में नेहरू ने नेताजी को जो पत्र लिखा, उसमें कहा गया कि मैंने वंदेमातरम् गीत का बैकग्राउंड पढ़ा है, और इससे मुस्लिम भड़क जाएंगे। नायब सैनी ने सवाल पूछा कि यह किस प्रकार का कांग्रेस का चेहरा था।

सीएम ने कहा कि कांग्रेस विधायकों ने राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान वंदेमातरम् पर कटाक्ष किया था। हमारे लिए यह बड़े गर्व और गौरव की बात है कि इस बार के अधिवेशन की शुरूआत वंदेमातरम् से हुई है। विपक्ष के लोगों ने इसी पर कटाक्ष किया है। हम वंदेमातरम् के 150 वर्ष पूरे होने के साक्षी बने हैं। नायब सैनी ने कहा कि वंदेमातरम् हमारे राष्ट्र की आत्मा और हमारी सांस्कृतिक चेतना है। हजारों-लाखों युवाओं के मन में ऊर्जा भरने का काम करता है।

ओबीसी के लिए क्रीमीलेयर की आय सीमा पर सदन में हंगामा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) के लिए प्रदान की गई क्रीमीलेयर की आय सीमा को लेकर विधानसभा में बहस हुई। विधानसभा में यह मुद्दा पूर्व आईएएस एवं आदमपुर के कांग्रेस विधायक चंद्रप्रकाश ने उठाया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने क्रीमीलेयर की आय सीमा 2017 में छह लाख से बढ़ाकर आठ लाख रुपये वार्षिक कर दी थी, जबकि हरियाणा सरकार ने इस व्यवस्था को अपने राज्य में 16 जुलाई 2024 से लागू किया है। इस अवधि से पहले क्रीमीलेयर की आय सीमा छह लाख रुपये थी और राज्य सरकार भी छह लाख रुपये वार्षिक मानकर लाभ प्रदान कर रही थी।कांग्रेस विधायक चंद्र प्रकाश ने विधानसभा में सवाल उठाया कि जब केंद्र सरकार ने 2017 में क्रीमीलेयर की आय सीमा छह लाख से बढ़ाकर आठ लाख रुपये कर दी थी, फिर हरियाणा सरकार ने इसे 2024 से क्यों लागू किया। चंद्र प्रकाश ने आरोप लगाया कि इन आठ सालों में ओबीसी वर्ग के लोगों को छह लाख रुपये वार्षिक क्रीमीलेयर सीमा के हिसाब से लाभ मिले, जबकि मिलने आठ लाख रुपये की आय सीमा के हिसाब से चाहिए थे। आठ सालों में हजारों-लाखों लोग ऐसे होंगे, जिन्हें क्रीमीलेयर की बढ़ी हुई आय सीमा आठ लाख रुपये का लाभ नहीं मिला। इस पर सरकार को जवाब देना चाहिए। समाज कल्याण मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने चंद्रप्रकाश के आरोपों को नकारते हुए कहा कि क्रीमीलेयर की आय सीमा नहीं बढ़ाने से किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ है। सरकार की प्राथमिकता वंचित लोगों को लाभान्वित करने की है। इसीलिए इस आय वर्ग में तीन लाख रुपये तक की सालाना आय वाले लोगों को पहले तरजीह दी गई। मोर्चा संभालते हुए सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि अगर विधायक के पास कोई एक नाम भी ऐसा हो।

फसलों के मुआवजे पर आमने-सामने हुए सरकार और विपक्ष

एजेंसी

चंडीगढ़। किसानों को फसल खराब होने पर मुआवजा राशि न मिलने के मामले में विधानसभा में सरकार तथा विपक्ष आमने-सामने हो गए। राजस्व मंत्री विपुल गोयल ने सदन में बताया कि कुछ किसानों के बैंक खाते सही नहीं है, इस कारण राशि खातों में नहीं डल रही। ऐसे सभी किसानों के खातों की जांच कराने के लिए निर्देश दिए गए हैं, पटवारी इस मामले में जांच कर रहे हैंकिसी भी किसान का एक पैसा भी शेष नहीं रहेगा। जिस किसान की फसल खराब हुई है उसे नियमों के हिसाब से मुआवजा राशि दी जाएगी। इस संदर्भ में कांग्रेस विधायक आफताब अहमद ने सदन में सवाल किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों को कम मुआवजा दिया जा रहा है। वर्ष 2022 से 2026 तक किसानों की फसल मुआजवा राशि पैंडिंग है, किसान मुआवजे के लिए मारे-मारे फिर रहे हैं, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही। जिसके जवाब में मंत्री ने कहा कि कहीं अकाउंट में दिक्कत है, तो कहीं क्लेरेकल दिक्कत है।

अब हम ऐसे किसानों के खाते ठीक कर रहे हैं, जिन्होंने मुआवजा राशि के लिए आवेदन किया था, लेकिन उनको राशि नहीं मिल पाई। क्योंकि चंडीगढ़ से राशि जारी की जा

चुकी है, चार-चार बार भेजने के बावजूद खातों में राशि नहीं पहुंच पा रही, इसी कारण हमने खाते चेक कराने का निर्णय लिया है, इस मामले में री एग्जामिन होने के बाद राशि तुरंत जारी कर दी जाएगी। मंत्री ने कहा कि सरकार ने रबी 2025 में 116 करोड़ से ज्यादा की राशि किसानों के खातों में डाली है। रबी 2025 में 52 करोड़ रुपए, रबी 2024 में 127 करोड़, खरीफ 2023 में 210 करोड़, रबी 2023 में 180 करोड़ रुपए की राशि स्वीकार की गई। खरीफ 2024 में यमुनानगर में नुकसान हुआ था, इस अवधि में यमुनानगर को 34.35 लाख रुपए की राशि दी गई थी, लेकिन इसमें से 24.09 लाख रुपये दिए गए, जबकि 10 लाख किसानों के खाते उपलब्ध न कराने, कुछ किसानों द्वारा राशि लेने से मना करने, कुछ किसानों की मृत्यु होने या अन्य कारणों से नहीं दिए जा सके। रबी 2023 में पांच प्रयास करने के बावजूद भी 13.91 लाख रुपये की राशि किसानों को नहीं दी जा सकी। खरीफ 2023 में तीन प्रयासों के बावजूद भी किसानों के खातों में त्रुटियों के चलते 19.08 लाख रुपये नहीं पहुंचे। इसी तरह रबी 2024 में 34.61 लाख रुपये, रबी 2025 में 92.04 लाख रुपये खातों में नहीं जा पाए। खरीफ 2025 में 2.68 करोड़ से ज्यादा राशि नहीं पहुंच सकी।

गुरुग्राम में शीतला माता मंदिर बोर्ड का पुर्नगठन करेगी सरकार

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार गुरुग्राम स्थित ऐतिहासिक शीतला माता मंदिर बोर्ड का जल्द पुर्नगठन करने जा रही है। बादली के विधायक कुलदीप वत्स द्वारा उठाए गए सवाल के जवाब में हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल ने बताया कि जनवरी 2025 में पूर्व बोर्ड का कार्यकाल पूरा हो चुका है। कुलदीप वत्स आज सदन में नहीं थे, जिसके चलते स्पीकर की मंजूरी के बाद उनके स्थान पर यह सवाल गीता भुक्कल ने उठाया। सक्षम प्राधिकारियों से नई अनुशंसा अथवा नामांकन प्राप्त नहीं होने के कारण बोर्ड सदस्यों की नियुक्ति अटक गई है। बोर्ड के गठन का मामला सरकार के पास विचाराधीन है। इस संबंध में जल्द ही कोई ठोस फैसला लिया जाएगा।

विपुल गोयल ने मंदिर में चल रहे विकास कार्यों पर सदन में रिपोर्ट पेश करते हुए कहा कि वर्ष 2021 में फेज एक का कार्य मेसर्स गोरालाल बिल्डर को 69.98 करोड़ रुपये की मूल राशि पर आबंटित किया गया था। बाद में जिसे बढ़ाकर 89.51 करोड़ रुपये कर दिया गया था। अब तक इस एजेंसी को 78.77 करोड़ का भुगतान किया जा चुका है। इसके अलावा पत्थर, नक्काशी, व्हाइट फ्लोरिंग, स्तंभों तथा शिखरों की क्लैडिंग का कार्य एल.एन.ए. इंफ्रा प्रोजेक्टस को 13.39 करोड़ में आबंटित किया गया है। अभी

तक इस एजेंसी को 84 लाख का भुगतान किया जा चुका है। सार्वजनिक स्वास्य सेवाएं, बिजली सेवाएं तथा फायर सेफ्टी सिस्टम के लिए 21 फरवरी 2026 को ऋद्धि कंस्ट्रक्शन को 16.49 करोड़ में कार्य आबंटित किया गया है। सिविल वर्क 69.98 करोड़ से बढ़कर 89.51 करोड़ तक पहुंच गया है। यह बढ़ोतरी कीमतों में बदलाव तथा कार्य के विस्तार के चलते हुई है।

धान खरीद गड़बड़ी पर 12 एफआईआर, 75 अधिकारी चार्जशीट, 28 निलंबित

एजेंसी

चंडीगढ़।मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राज्य में धान खरीद में हुई गड़बड़ियों को घोटाला मानने से साफ इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कोई धान घोटाला नहीं हुआ। विधानसभा के बजट सत्र के दौरान विपक्षी कांग्रेस एवं इनेलो विधायकों द्वारा पेश किए गए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के जवाब में मुख्यमंत्री ने इस संबंध में रिपोर्ट पेश की।

कांग्रेस विधायक अशोक अरोड़ा, गीता भुक्कल, बीबी बत्रा, आदित्य देवीलाल, आदित्य सुरजेवाला और शैली चौधरी ने स्पीकर को चर्चा के लिए यह ध्यानाकर्षण प्रस्ताव दिया था। उन्होंने कहा कि विपक्ष द्वारा उसे पांच हजार करोड़ रुपये के घोटाले के रूप में पेश करना निंदनीय है। नायब सैनी ने कहा कि अनियमितताएं सामने आने के बाद सरकार ने दोषी आढ़तियों, अधिकारियों व चावल मिल मालिकों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में जानकारी दी कि धान खरीद की अनियमितताएं सामने आने के बाद 12 एफआईआर दर्ज कराई गई हैं, जिसके बाद खाद्य एवं आपूर्ति, हैफेड तथा मार्केटिंग बोर्ड के 75 अधिकारियों व कर्मचारियों को चार्जशीट किया गया। इनमें से राज्य सरकार ने 28 अधिकारियों व कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। चावल मिल मालिकों से 6 करोड़ 37 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी अनियमितताएं बरतने वाले अधिकारी व कर्मचारी सरकार के रडार पर रहेंगे। उन्हें किसी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा।

अशोक अरोड़ा और आदित्य देवीलाल ने आरोप लगाया था कि पूरे राज्य में करीब पांच हजार करोड़ रुपये का धान घोटाला हुआ है। किसानों ने कम फसल का उत्पादन किया और खरीद ज्यादा हुआ है। राज्य की मंडियों में उत्तर प्रदेश और बिहार से सस्ता धान लाकर महंगा बेचा गया है। खाद्य एवं आपूर्ति राज्य मंत्री राजेश नागर द्वारा प्रारंभिक जवाब देने के बाद मुख्यमंत्री नायब सैनी ने स्वयं मोर्चा संभाल लिया।

मुख्यमंत्री द्वारा जवाब दिए जाने के दौरान अशोक अरोड़ा, गीता भुक्कल, बीबी बत्रा, आफताब अहमद, रघुवीर सिंह तेवतियां ने बार-बार हस्तक्षेप किया, जिस पर स्पीकर हरविन्द्र कल्याण ने नाराजगी जताई।

रघुवीर तेवतिया, जस्सी पेटवाल, बलराम दांगी, विकास सहारण और इंदुराज नरवाल ने कहा कि हमारे पास इस बात के प्रमाण हैं, जिससे यह साबित हो कि धान खरीद में घोटाला हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बात स्वीकार करने में हमें कोई हर्ज नहीं है कि जब कोई व्यवस्था बनाई जाती है तो उसमें अनियमितताएं हो जाती हैं, लेकिन इन अनियमितताओं के साामने आने पर हमारी सरकार ने तुरंत कड़ी से कड़ी कार्रवाई की है। विपक्ष द्वारा इन अनियमितताओं को धान घोटाले के रूप में पेश करना उचित नहीं है।

पानीपत में तिहरे हत्याकांड के दोषी को आजीवन कारावास की सजा

एजेंसी

पानीपत। पानीपत के बहुचर्चित तिहरे हत्याकांड मामले में कोर्ट ने पांच साल बाद अपना फैसला सुनाया है। न्यायाधीश आरके मेहता की कोर्ट ने पत्नी, साली और सास की बेरहमी से हत्या करने वाले दोषी नूरहसन को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने इसे जघन्य अपराध मानते हुए दोषी पर जुर्माना भी लगाया है। न्यायालय ने धारा 302 के तहत आजीवन कारावास और 20 हजार रुपए जुर्माना लगाया है। जुर्माना न भरने पर छह माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। साथ ही साक्ष्य मिटाने की धारा के तहत तीन साल की कैद और पांच हजार रुपए जुर्माना की सजा सुनाई है। जुर्माना न भरने पर तीन माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। मामला पांच साल पहले का है। पुलिस पूछताछ और अदालती कार्रवाई के दौरान यह सामने आया कि नूरहसन अपनी पत्नी मधु के चरित्र पर शक करता था। चार सितंबर 2020 को पत्नी के साथ विवाद और साली मनीषा द्वारा पुलिस में शिकायत करने की धमकी के बाद नूरहसन ने बदला लेने की साजिश रची थी। पांच सितंबर 2020 की रात नूरहसन ने अपनी पत्नी मधु और साली मनीषा को पेप्सी में नींद की गोलियां मिलाकर पिला दीं। जब वह बेसुध हो गईं, तो आरोपी ने कुल्हाड़ी से वार कर दोनों की हत्या कर दी। साक्ष्य मिटाने के लिए उसने पत्नी के शव को रेलवे लाइन के पास जला दिया और साली के शव के साथ रेप करने के बाद उसे गंदे नाले में फेंक दिया। हत्या का सिलसिला यहीं नहीं रुका। जब आरोपी की सास जमीला ने अपनी बेटियों के बारे में पूछताछ की, तो आठ सितंबर 2020 की रात नूरहसन उसे भी समझाने के बहाने बाइक पर ले गया और रास्ते में गला दबाकर उनकी हत्या कर दी। उसने अपनी सास के शव के साथ भी दरिंदगी की और पहचान छुपाने के लिए उसे पेट्रोल डालकर आग लगा दी थी।

भारत, यूरोपीय संघ के व्यापार समझौते में मध्यस्थता से जुड़ा परिशिष्ट शामिल

- समझौते पर विधिक परीक्षण के बाद हस्ताक्षर होने की संभावना

नई दिल्ली।

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) ने हाल ही में बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के निष्कर्ष की घोषणा की। समझौते पर विधिक परीक्षण के बाद हस्ताक्षर होने की संभावना है और इसे अगले वर्ष लागू किया जा सकता है। एफटीए में मॉडल मध्यस्थता प्रक्रिया पर एक अलग परिशिष्ट शामिल है, जिसका उद्देश्य विवादों का त्वरित और आपसी सहमति से समाधान करना है। समझौते के अनुसार भारत या ईयू कोई भी पक्ष ऐसे उपाय के खिलाफ मध्यस्थता की मांग कर सकता है, जो द्विपक्षीय व्यापार पर प्रतिकूल प्रभाव डालता हो।

हालांकि प्रक्रिया केवल दोनों पक्षों की आपसी सहमति से ही शुरू होगी। यदि निर्धारित समय-सीमा के भीतर मध्यस्थ की नियुक्ति पर सहमति नहीं बनती, तो मध्यस्थता का अनुरोध स्वतः निरस्त माना जाएगा। मध्यस्थता आम तौर पर उस पक्ष के क्षेत्र में होगी, जिसके पास अनुरोध भेजा गया है, या आपसी सहमति से किसी अन्य स्थान या माध्यम से भी इसे आयोजित किया जा सकता है।

मध्यस्थ की नियुक्ति के 60 दिनों के भीतर समाधान तक पहुंचने का प्रयास किया जाएगा। करीब दो दशक चली वार्ताओं के बाद संपन्न एफटीए के तहत भारत के 93 प्रतिशत निर्यात को 27 देशों में शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी, जबकि ईयू से लक्जरी कार और वाइन का आयात सस्ता होगा। दोनों पक्ष वैश्विक जीडीपी का लगभग 25 प्रतिशत और अंतरराष्ट्रीय व्यापार का एक-तिहाई हिस्सा नियंत्रित करते हैं।

समझौते में कुल 20 अध्याय शामिल हैं, जिनमें डिजिटल व्यापार पर अलग अध्याय भी है। यह कागज-रहित व्यापार, नियामकीय सहयोग और तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देता है।

इसके अलावा विवाद निपटान पर अलग अध्याय विवादों के शीघ्र और प्रभावी समाधान की व्यवस्था करता है।

फरवरी में सीमेंट की औसत कीमत 342 रुपये प्रति बोरी पहुंची

- कुछ राज्यों में मार्च में फिर बढ़ोतरी की तैयारी

नई दिल्ली ।

फरवरी में सीमेंट बाजार ने मिलीजुली तस्वीर पेश की। जनवरी में बढ़ी कीमतों के बाद उम्मीद थी कि रुझान और मजबूत होगा, लेकिन स्थिति न तो बहुत तेज रही और न ही पूरी तरह सुस्त। पूरे देश में औसत ट्रेड कीमत 2 रुपये बढ़कर 342 रुपये प्रति बोरी हो गई। क्षेत्रीय तौर पर हालात अलग रहे। पश्चिम भारत में दाम 7 रुपये प्रति बोरी तक बढ़कर सबसे मजबूत प्रदर्शन किया। पूर्व में 4 रुपये और उत्तर में 3 रुपये की तेजी रही। मध्य भारत में कीमतें लगभग स्थिर रहीं, जबकि दक्षिण भारत में औसतन 2 रुपये प्रति बोरी की गिरावट दर्ज की गई। कुछ बाजारों में महीने की शुरुआत में बढ़ी कीमतें बाद में सामान्य हो गईं। जनवरी और फरवरी मिलाकर चालू तिमाही में औसत दाम पिछली तिमाही से करीब 1 प्रतिशत अधिक रहे। इससे कंपनियों को थोड़ी राहत मिली। बाजार को इस बार बड़े निर्माण और सरकारी प्रोजेक्ट्स का सहारा मिला। खुदरा बाजार में दाम 0 से 15 रुपये प्रति बोरी ऊपर-नीचे रहे, जबकि बड़े ऑर्डर वाले सौदों में 0 से 20 रुपये तक बढ़त दर्ज हुई। ज्यादातर जगहों पर मांग जनवरी की तुलना में बेहतर रही, लेकिन खुदरा खरीदार अभी पूरी ताकत से नहीं उतरे। मार्च के पहले 10 दिन होली के कारण कामकाज धीमा रह सकता है। मार्च में बड़ी बढ़ोतरी की संभावना ज्यादातर इलाकों में कम है। हालांकि बिहार, पश्चिम बंगाल और दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में 10-15 रुपये प्रति बोरी तक दाम बढ़ाने की तैयारी चल रही है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल मांग ठीक है, इसलिए अचानक बड़ी गिरावट की संभावना कम है। असली परीक्षा यह होगी कि कंपनियां बढ़े हुए दाम को कितने समय तक संभाल पाती हैं।

क्रेडिट कार्ड नियमों में संभावित बदलाव 1 अप्रैल से

क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट को पहचान और पते के प्रमाण के रूप में स्वीकार करने पर विचार

नई दिल्ली। क्रेडिट कार्ड अब आम लोगों की रोजमर्रा की जरूरत बन चुके हैं। खरीदारी, यात्रा, ऑनलाइन बिल और टैक्स भुगतान में उनका उपयोग तेजी से बढ़ा है। 1 अप्रैल से इन कार्डों से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण नियमों में बदलाव हो सकते हैं, जो सीधे उपयोगकर्ताओं को प्रभावित करेंगे। नए नियमों के तहत सालभर में किए गए बड़े भुगतान पर विशेष नजर रखी जा सकती है। यदि कोई निर्धारित सीमा से अधिक क्रेडिट कार्ड बिल जमा करता है, तो इसकी जानकारी संबंधित विभाग को दी जा सकती है। इसका उद्देश्य वित्तीय लेन-देन में पारदर्शिता और अनियमित गतिविधियों पर नियंत्रण रखना है। डिजिटल और नकद भुगतान के लिए अलग-अलग सीमा तय की जा सकती है। तय सीमा से अधिक नकद जमा करने पर इसकी रिपोर्टिंग अनिवार्य हो सकती है। इससे बड़ी रकम को बिना रिकॉर्ड के चुकाना मुश्किल होगा और नकद भुगतान करने वालों को पहले से योजना बनानी होगी। क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट को पहचान और पते के प्रमाण के रूप में स्वीकार करने पर विचार किया जा रहा है। यह नए कार्ड आवेदन या अपडेट के समय लोगों को अतिरिक्त विकल्प देगा, खासकर उनके लिए जिनके पास सीमित दस्तावेज हैं। सरकार कार्ड को टैक्स और जीएसटी भुगतान के लिए आधिकारिक इलेक्ट्रॉनिक माध्यम बनाने की तैयारी कर रही है। हालांकि प्रोसेसिंग शुल्क लग सकता है। कंपनियों द्वारा दिए गए कॉर्पोरेट कार्ड पर भी खर्च का पूरा रिकॉर्ड रखना और निजी व ऑफिस खर्च अलग दिखाना अनिवार्य हो सकता है। नए कार्ड के लिए पैन नंबर अनिवार्य हो सकता है। कार्डधारकों को बड़े लेन-देन की सीमा, नकद भुगतान नियम, प्रोसेसिंग फीस और खर्च का रिकॉर्ड ध्यान से रखना चाहिए।

तेल की कीमतें भू-राजनीतिक तनाव में मारती हैं उछाल

नई दिल्ली ।

पिछले 50 वर्षों में बड़े युद्ध और भू-राजनीतिक संकट अक्सर कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल लाते रहे हैं। 1970 के दशक में अरब देशों द्वारा निर्यात रोकने से तेल 3 से 12 डॉलर- तक बढ़ा। 1990 में इराक-कुवैत युद्ध और 2003 में दूसरे इराक युद्ध में भी कीमतें 40 फीसदी तक बढ़ीं, लेकिन सप्लाई बढ़ने पर जल्द सामान्य हुईं। 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान तेल 80 से डालर 120 प्रति बैरल तक गया, फिर वैकल्पिक खरीदारों के आने से छह महीनों में दाम सामान्य हुए। विशेषज्ञों के अनुसार, ईरान का उत्पादन वैश्विक तेल सप्लाई का केवल 3 फीसदी है, लेकिन इसका भू-राजनीतिक महत्व बड़ा है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते दुनिया की लगभग 20 फीसदी तेल और गैस सप्लाई गुजरती है। इस मार्ग

में कोई बाधा आने पर सऊदी अरब, इराक, कुवैत और यूएई की सप्लाई सीधे प्रभावित हो सकती है। हाल के तनाव के कारण कीमतों में लगभग 10 फीसदी की तेजी देखी गई। विश्लेषकों का कहना है कि हर 1 फीसदी सप्लाई झटके से तेल की कीमत 3-5 फीसदी बढ़ती है। अगर ईरान का 3.3 मिलियन बैरल प्रति दिन उत्पादन रुकता है, तो 70 डॉलर के बेस प्राइस पर दाम 76-81 डॉलर तक जा सकते हैं। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर गंभीर खतरे के मामले में अतिरिक्त जोखिम प्रीमियम 20-40 डॉलर जुड़ सकता है, जिससे कीमत 95-110 डॉलर या उससे ऊपर पहुंच सकती है। इतिहास और विशेषज्ञों की राय यही दर्शाती है कि तेल की कीमतें भू-राजनीतिक तनाव में तेजी दिखा सकती हैं, लेकिन वास्तविक सप्लाई बाधा अक्सर अस्थायी होती है। बाजार में भय और अनिश्चितता ही दामों को अस्थायी रूप से ऊंचा करती है, जबकि संतुलन बहाल होने पर कीमतें सामान्य स्तर पर लौट आती हैं।

पीपीएफ में एक व्य क्ति अपने नाम पर खोल सकता है केवल एक खाता

- संयुक्त खाते की अनुमति भी नहीं

नई दिल्ली ।

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) भारत में सबसे भरोसेमंद बचत योजनाओं में से एक है। वित्त मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय बचत संस्थान के नियमों के अनुसार एक व्यक्ति अपने नाम पर केवल एक ही पीपीएफ खाता खोल सकता है। यह खाता बैंक में हो या डाकघर में, फर्क नहीं पड़ता। संयुक्त खाते की अनुमति भी नहीं है। अगर किसी के नाम पर एक से अधिक खाते पाए जाते हैं, तो अतिरिक्त खाते को अनियमित माना जा सकता है और उसमें जमा राशि बिना ब्याज के वापस की जा सकती है। पीपीएफ खाते व्यक्ति के पैन नंबर से लिंक होते हैं। इसलिए अलग-अलग बैंक या डाकघर में खाते खोलकर अधिक टैक्स फायदा लेने की कोशिश सिस्टम में पकड़ी जा सकती है। अभिभावक अपने नाबालिग बच्चे या मानसिक रूप से अक्षम व्यक्ति के लिए पीपीएफ खाता खोल सकता है। लेकिन नियम स्पष्ट करते हैं कि एक बच्चे पर सिर्फ एक खाता ही खोला जा सकता है और दूसरे अभिभावक को उसी बच्चे के नाम पर खाता खोलने की अनुमति नहीं है। पीपीएफ में न्यूनतम जमा 500 और अधिकतम 1.5 लाख रुपए प्रति वित्त वर्ष है। यह सीमा कुल मिलाकर लागू होती है, यानी अभिभावक अपने खाते और नाबालिग बच्चों के खातों में मिलाकर भी 1.5 लाख रुपए से अधिक नहीं जमा कर सकता। नाबालिग खाते खोलने से कुल टैक्स लाभ की सीमा बढ़ती नहीं है। पीएफ योजना लंबी अवधि के लिए डिज़ाइन की गई है। एक से अधिक खाते खोलकर अधिक टैक्स लाभ लेने की कोशिश नियमों के खिलाफ है। अगर निवेशक 1.5 लाख रुपये से अधिक बचत करना चाहता है, तो उसे अन्य वित्तीय साधनों में निवेश करना होगा।

टाटा संस में चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल पर फैसला टला

- प्रस्ताव को लेकर समूह में मतभेद की अटकलें बढ़ीं

नई दिल्ली । टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल को लेकर निदेशक मंडल ने फैसला टाल दिया। यह बैठक ऐसे समय हुई जब टाटा ट्रस्ट, जो टाटा संस में 66 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है, ने पिछले साल सर्वसम्मति से उन्हें तीसरा कार्यकाल देने की सिफारिश की थी। सूत्रों के अनुसार टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा ने पुनर्नियुक्ति को लेकर कुछ शर्तें रखी थीं, जो इस प्रकार हैं- एयर इंडिया का अधिग्रहण और कंपनी के घाटे को लेकर चिंता, सेमीकंडक्टर और बैटरी उत्पादन जैसे नए क्षेत्रों में भारी पूंजीगत जोखिम, नियामकीय बाध्यता और टाटा संस को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने संबंधी स्पष्ट आश्वासन की मांग। इन शर्तों और चिंताओं के कारण बोर्ड ने निर्णय को स्थगित कर दिया। टाटा ट्रस्ट का सर्वसम्मत प्रस्ताव अभी भी कायम है लेकिन पर्यवेक्षकों ने सवाल उठाया कि क्या ट्रस्ट के नामित निदेशक निदेशक मंडल में अलग रुख अपना सकते हैं। यह स्थिति समूह के उच्चस्तरीय मतभेद और रणनीतिक चिंताओं का संकेत देती है।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने किया होली ऑफर्स का ऐलान; शॉपिंग और ट्रैवल पर मिलेगी भारी छूट

क्रेडिट और डेबिट कार्ड ग्राहकों के लिए फेस्टिव सीजन में बचत का अवसर; 31 मार्च तक वैध रहेंगे ऑफर्स

मुंबई/इंदौर । भारत के सबसे बड़े स्मॉल फाइनेंस बैंक, एयू एसएफबी ने रंगों के त्योहार होली के उपलक्ष्य में अपने ग्राहकों के लिए विशेष फेस्टिव ऑफर्स की घोषणा की है। बैंक ने ग्रोसरी, फैशन शॉपिंग और ट्रैवल जैसी प्रमुख श्रेणियों में कैशबैक और डिस्काउंट के माध्यम से बचत के अवसर प्रदान किए हैं। यह पहल उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर की गई है जो त्योहार के दौरान डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के जरिए खरीदारी और यात्रा की योजना बना रहे हैं। बैंक द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, ग्रोसरी श्रेणी में स्विगी इंस्टामार्ट पर 111 रू. तक की छूट और ब्लिंकिट, जेप्टो व जियोमार्ट पर एयू क्रेडिट कार्ड के जरिए 5त्न की बचत की जा सकती है। फैशन शॉपिंग के लिए एजीओ (AJIO) पर 10त्न की विशेष छूट उपलब्ध है। वहीं, घर जाने या पर्यटन की योजना बना रहे ग्राहकों को रेडबस और अभिबस पर एयू क्रेडिट कार्ड के माध्यम से 10त्न तक की राहत मिलेगी। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, जिसे हाल ही में यूनिवर्सल बैंक में बदलने की सैद्धांतिक मंजूरी मिली है, अपने इन ऑफर्स के जरिए ग्राहकों के त्योहारी खर्च को किफायती बनाना चाहता है। ये सभी विशेष लाभ लाइव हो चुके हैं और ग्राहक इनका फायदा 31 मार्च 2026 तक उठा सकते हैं। बैंक का उद्देश्य उत्सव के इस माहौल में अपने कार्ड धारकों को वित्तीय लचीलापन और बेहतर बैंकिंग अनुभव प्रदान करना है।

सोने की बढ़ती कीमतों से गोल्ड लोन बाजार में रिकॉर्ड उछाल

- जनवरी में गोल्ड लोन में 128 फीसदी की जोरदार बढ़ोतरी दर्ज की गई

नईदिल्ली ।

सोने की कीमतों में तेज बढ़ोतरी का सीधा असर बैंकिंग सेक्टर में दिखाई दे रहा है। जनवरी में गोल्ड लोन में 128 फीसदी की जोरदार बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो पिछले साल जनवरी (91 फीसदी) से काफी अधिक है। रिजर्व बैंक आफ इं डिया (आरबीआई) के आंकड़ों के अनुसार, गोल्ड जूलरी के बदले बैंकों का आउटस्टैंडिंग लोन पहली बार 4,00,517 करोड़ रुपए के पार पहुंच गया। सोने की कीमतों में 152 फीसदी की बढ़ोतरी ने इस लोन की मांग को मजबूत आधार दिया है। बैंक क्रेडिट में गोल्ड लोन की हिस्सेदारी 9 फीसदी रही। जनवरी में कुल बैंक क्रेडिट ग्रोथ 14.4 फीसदी रही। पर्सनल लोन बैंक क्रेडिट का सबसे बड़ा सेगमेंट बना, जिसमें हिस्सेदारी 34.5 फीसदी रही। रिटेल लोन में 15 फीसदी की तेजी आई, जबकि एजुकेशन लोन दूसरे सबसे तेज बढ़ने वाले सेगमेंट के रूप में सामने आया, जिसमें 14 फीसदी वृद्धि हुई। सेक्टरवार आंकड़ों में रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र में 62 फीसदी की उछाल दर्ज हुई, जिसे आरबीआई ने अनिवार्य कर्ज श्रेणी में शामिल किया है। इसके अलावा, जेम्स एंड जूलरी तथा इंजीनियरिंग सेक्टर में 36 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई, जो इन्हें सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में शामिल करता है। कॉरपोरेट सेक्टर में कर्ज वृद्धि 12 फीसदी रही, जबकि नॉन-फूड क्रेडिट 14 फीसदी बढ़ा। अमेरिकी टैरिफ में बदलाव के कारण जनवरी में एक्सपोर्ट क्रेडिट 17.2 फीसदी घट गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में इसमें 7 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई थी। यह वैश्विक आर्थिक बदलाव का असर भारतीय क्रेडिट मार्केट पर भी दिखाई दे रहा है।

भारतीय शेयर बाजार में इस सप्ताह मिलाजुला रुझान देखा गया

सेंसेक्स और निफ्टी में साप्ता हिक आधार पर एक फीसदी से अ धिक तेजी रही

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार ने इस सप्ताह मिश्रित रुझान दिखाया, जिसमें शुरुआती मजबूती के बाद मध्य और अंत में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। बाजार के जानकारों का कहना है कि वैश्विक बाजार के कमजोर संकेतों और बढ़ते भू-राजनीतिक जोखिमों के बीच भारतीय बाजारों में स्थिरता बनी रही, निवेशकों का नजरिया तेजी से सतर्क हो गया। पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच जारी संघर्ष ने भी बाजार में अनिश्चितता पैदा कर दी है। इस तनाव की वजह से निवेशकों का भरोसा डगमगाया है। जिससे सप्ताह के ओ खिर में शेयर बाजार में एक फीसदी से अे धिक की गिरावट देखी गई। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को हरे निशान से हुई, जब वैश्विक बाजारों में तेजी और बैंक एवं सेवा क्षेत्र में खरीदारी के चलते प्रमुख सूचकांक बढ़त के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स ने 621.78 अंकों की बढ़त के साथ 83,436.49 पर, जबकि एनएसई निफ्टी 180.05 अंकों की तेजी के साथ 25,751.30 पर कारोबार शुरू किया। दिन के अंत तक सेंसेक्स 479.95 अंक और निफ्टी 141.75 अंक ऊपर बंद हुए। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने वैश्विक व्यापार की धाराओं को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया, जिससे निवेशकों का मनोबल बढ़ा। मंगलवार को बाजार में अचानक गिरावट देखने को मिली। एआई से जुड़े संभावित व्यवधानों और आईटी शेयरों में भारी बिकवाली के चलते सेंसेक्स 525.29 अंक गिरकर 82,769.37 पर और निफ्टी 145.85 अंक घटकर 25,567.15 पर खुला। दिन के अंत में सेंसेक्स 1,068.74 अंक और निफ्टी 288.35 अंक गिरकर सप्ताह के शुरुआती उत्साह को झटका लगा। बुधवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में थोड़ी बढ़त देखी गई, लेकिन दिन के अंत में सूचकांक केवल मामूली बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए। गुरुवार को आईटी शेयरों में खरीदारी और विदेशी फंड प्रवाह ने शुरुआती कारोबार में बाजार को बढ़त दिलाई। हालांकि, दिनभर उतार-चढ़ाव के बाद सेंसेक्स 27.46 अंक गिरकर और निफ्टी 14.05 अंक बढ़कर सपाट बंद हुए। शुक्रवार को वैश्विक बाजारों में कमजोरी और विदेशी फंडों की नई निकासी के

चलते दोनों प्रमुख सूचकांकों में गिरावट रही। सेंसेक्स 961.42 अंक गिरकर 81,287.19 पर और निफ्टी 317.90 अंक घटकर 25,178.65 पर बंद हुआ। भारतीय शेयर बाजार ने इस सप्ताह अत्यधिक अस्थिरता दिखाई। शुरुआती उत्साह के बाद मध्य सप्ताह में आईटी शेयरों और वैश्विक जोखिमों के कारण गिरावट देखी गई, जबकि सप्ताह के अंत में विदेशी फंड निकासी और वैश्विक दबाव ने बाजार को लाल निशान में बंद करवाया। निवेशकों के लिए यह सप्ताह सीखने और सतर्क रहने का रहा।

विशाल मेगा मार्ट की प्रवर्तक इकाई ने 13.96 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली । समायत सर्विसेज एलएलपी ने खुले बाजार में दो किस्तों में 65.25 करोड़ शेयर बेचे, जो कंपनी की कुल 13.96 फीसदी हिस्सेदारी के बराबर हैं। शेयरों का मूल्य 117-117.03 रुपए प्रति शेयर रहा, जिससे कुल लेनदेन मूल्य 7,635.55 करोड़ रुपए हुआ। इस बिक्री के बाद समायत सर्विसेज की विशाल मेगा मार्ट में हिस्सेदारी 54.09 फीसदी से घटकर 40.13 फीसदी रह गई। अभी भी यह सबसे बड़ा शेयरधारक है, लेकिन नियंत्रण पहले की तुलना में कम हुआ। समायत सर्विसेज एलएलपी एक विशेष-प्रयोजन इकाई है, जिसका स्वामित्व केदारा कैपिटल और पार्टनर्स ग्रुप, स्विट्जरलैंड के पास है। इस लेनदेन से निवेशकों के लिए नए अवसर पैदा हुए हैं, और बाजार में स्थिर प्रतिक्रिया देखने को मिली।

सरकार ने फोर्टिफाइड चावल वितरण अस्थायी रूप से रोका

लंबे समय तक गोदाम में रखने पर आ रही पोषक तत्वों में कमी

नई दिल्ली। सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाय) और अन्य योजनाओं के तहत मिलने वाले फोर्टिफाइड चावल में पोषक तत्व मिलाने की प्रक्रिया अस्थायी रूप से रोक दी है। खाद्य मंत्रालय के अनुसार लंबे समय तक गोदामों में रखने से चावल में जो विटामिन और मिनरल्स मिलाए जाते हैं, उनमें कमी आ रही थी। सरकार ने आईआईटी खड़गपुर को यह अध्ययन करने का काम सौंपा था कि अलग-अलग मौसम और वातावरण में चावल कितने समय तक सुरक्षित रहता है। रिपोर्ट में पाया गया कि चावल रखने का स्थान, तापमान, हवा में नमी और पैकिंग सामग्री फोर्टिफाइड चावल की गुणवत्ता पर बड़ा असर डालते हैं। लंबे समय तक भंडारण और बार-बार परिवहन से पोषक तत्व जल्दी घट जाते हैं और चावल जल्दी खराब होने लगता है। राशन का चावल अक्सर 2-3 साल तक सरकारी गोदामों में रखा जाता है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना और अन्य सरकारी योजनाओं के लिए सालाना 372 लाख टन चावल की जरूरत होती है। जबकि सरकारी भंडार में कुल उपलब्धता लगभग 674 लाख टन है, जिसमें 2025-26 की खरीफ फसल भी शामिल है। खाद्य मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि पोषक तत्व मिलाने की प्रक्रिया रोकने से राशन की मात्रा या स्कूलों और आंगनवाड़ी में मिलने वाले मध्याह्न भोजन पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

अमेरिका और ईरान में जंग.....सोना 170000 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 300000 लाख रुपये

मुंबई ।

इजरायल ने फिर ईरान पर हमला कर दिया है। इजरायली रक्षामंत्री ने इसकी पुष्टि कर दी है। रिपोर्ट के अनुसार इजरायल ने ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। हमले पर ईरान की कड़ी प्रतिक्रिया सामने आ गई है। ईरान की प्रतिक्रिया जिस तरह से सामने आई है उससे साफ है कि यह तनाव शायद ही जल्द समाप्त हो। अगर अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच तनाव बढ़ता है, तब इसका सीधा असर सोने और चांदी की कीमतों पर होगा। आने वाले समय में गोल्ड और सिल्वर के दाम इजाफा देखने को मिल सकता है। जानकारों का मानना है कि घरेलू बाजार में सोने का भाव 170000 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी फिर से 300000 लाख रुपये के स्तर तक पहुंच सकती है। सेबी रजिस्टर्ड मार्केट एक्सपर्ट बताते हैं, ÷अमेरिका-ईरान तनाव की वजह से अनिश्चितता के दौर में इजाफा होगा। निवेशक ऐसी परस्थिति में सुरक्षित निवेश की तलाश करेगा। हम सोने और चांदी की कीमतों में तेजी की उम्मीद कर रहे हैं। एक्सपर्ट कहते हैं, ÷सीओएमईएक्स गोल्ड रेट 5300 डॉलर प्रति आउंस के स्तर पर चुनौतियों का सामना कर रहा है। इसके ऊपर जाने पर भारत में सोने का भाव 168000 रुपये प्रति 10 ग्राम से 170000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर तक जा सकता है।÷

शुक्रवार को सीओएमईएक्स सिल्वर रेट 93 डॉलर प्रति आउंस के स्तर पर बंद हुआ था। चांदी की कीमतें 95 डॉलर प्रति आउंस के स्तर पर चुनौतियों का सामना कर रही हैं। एक्सपर्ट मानते हैं, ÷अगर सीओएमईएक्स सिल्वर रेट 95 डॉलर प्रति आउंस के स्तर को क्रॉस करने

में सफल रही तब यह फिर से 100 डॉलर प्रति आउंस के स्तर तक पहुंच सकती है। भारत में चांदी की कीमतें फिर से 300000 लाख रुपये के स्तर तक जा सकता है।÷ हालिया समय में सोने और चांदी की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिली है। हालांकि, उस हिसाब से फरवरी का महीना नहीं बीता है।

गोल्ड और सिल्वर एटीएफ का एनएवी अब भारतीय बाजार की कीमत पर

-अब ईटीएफ का एनएवी ज्यादा पारदर्शी और भारतीय बाजार के अनुकूल होगा

नई दिल्ली । अभी तक गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ अपने पास रखे सोने और चांदी की कीमत तय करने के लिए एलबीएमए (लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन) की एएम फिक्सिंग का इस्तेमाल करते थे। इसके बाद कई चरणों में बदलाव किया जाता था, जैसे डॉलर से रुपये में बदलना, आयात शुल्क, कस्टम ड्यूटी, ढुलाई खर्च और अन्य टैक्स या फीस। इस वजह से निवेशकों के लिए ईटीएफ का एनएवी वास्तविक भारतीय बाजार की कीमत से थोड़ा अलग दिखाई देता था। 1 अप्रैल 2026 से यह प्रक्रिया बदल जाएगी। अब ईटीएफ ,को अपने बुलियन होल्डिंग की कीमत तय करने के लिए भारतीय एक्सचेंजों द्वारा जारी डॉमेस्टिक स्पॉट प्राइस का उपयोग करना होगा। ये वही कीमतें हैं जिन पर एमसीएक्स और एनएसई पर फिजिकल सोना-चांदी के सौदे होते हैं। इसका मतलब एनएवी सीधे भारत के बाजार की वास्तविक कीमत को दिखाएगा। इस बदलाव से ईटीएफ का एनएवी ज्यादा पारदर्शी और भारतीय बाजार के अनुकूल होगा। डॉलर-रुपये के बदलाव या अतिरिक्त शुल्क जोड़ने की जरूरत खत्म हो जाएगी। निवेशकों के लिए सुरक्षा में कोई फर्क नहीं पड़ेगा, बस रोज़ाना की कीमतें अब भारत के फिजिकल मार्केट के हिसाब से तय होंगी।

आबकारी नीति मामले में आप नेताओं का बरी होना बड़ी संजीवनी

ललित गर्ग

लोकतंत्र की शक्ति उसके संस्थानों की विश्वसनीयता में निहित होती है। जब न्यायालय निर्भीक होकर जांच की कमियों को इंगित करता है, तो वह व्यवस्था को कमजोर नहीं, बल्कि मजबूत करता है। आवश्यकता इस बात की है कि इस निर्णय को किसी दलगत लाभ-हानि के चश्मे से देखने के बजाय संस्थागत सुधार के अवसर के रूप में देखा जाए।

दिल्ली की एक ट्रायल कोर्ट द्वारा कथित आबकारी नीति प्रकरण में आम आदमी पार्टी के संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया तथा अन्य आरोपितों को दोषमुक्त किए जाने का निर्णय समकालीन राजनीतिक और विधिक परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो, अर्थात सीबीआई द्वारा पंजीकृत किया गया था और लंबे समय से सार्वजनिक बहस के केंद्र में था। न्यायालय ने अपने निर्णय में स्पष्ट कहा कि अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत आरोप ठोस साक्ष्यों और विश्वसनीय गवाहियों पर आधारित नहीं हैं तथा आरोपपत्र में वर्णित दावे न्यायिक परीक्षण की कसौटी पर खरे नहीं उतरते। न्यायालय की यह टिप्पणी कि अनुमानों और अटकलों को विधिसम्मत प्रमाण के रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता, न केवल इस विशेष प्रकरण बल्कि समग्र अन्वेषण प्रक्रिया के लिए भी गंभीर संकेत देती है। आबकारी नीति मामले यह फैसला आप के लिए एक बड़ी संजीवनी या ह्यप्राणवायुह्लके समान है। यह फैसला आप को ह्यकट्टर ईमानदारह्ल की छवि वापस पाने और आगामी चुनावों के लिए एक आक्रामक रुख अपनाने में मदद करेगा, जिससे विपक्षी दलों का मनोबल भी बढ़ा है। कोर्ट से मिली क्लीन चिट ने आप नेताओं की साख बहाल की है जिससे पार्टी कार्यकर्ता उत्साहित हैं। यह निर्णय ह्याराजनीतिक प्रतिशोधह्ल के नैरेटिव को बल देता है जिससे आप अपनी छवि को बेदाग साबित कर पा रही है। विपक्षी दल इस घटना को केंद्रीय एजेंसियों सीबीआई एवं ईडी के कथित दुरुपयोग के खिलाफ एक जीत के रूप में देख रहे हैं जिससे उन्हें केंद्र के खिलाफ एक बड़ा मुद्दा मिल गया है। इस फैसले से दिल्ली और पंजाब में आप को मजबूती मिलेगी और वह आगामी चुनावों के लिए आक्रामक प्रचार कर सकती है।

विवाद का मूल वर्ष 2021 में लागू की गई नई आबकारी नीति से जुड़ा था। उस समय दिल्ली सरकार ने तर्क दिया था कि शराब व्यापार में निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने से राजस्व में वृद्धि होगी, भ्रष्टाचार कम होगा और व्यवस्था अधिक पारदर्शी बनेगी। किंतु नीति के क्रियान्वयन के बाद उस पर अनियमितताओं तथा कथित पक्षपात के आरोप लगाए गए। यही आरोप आगे चलकर आपराधिक प्रकरण का आधार बने। जुलाई 2022 से यह मुद्दा राजनीतिक विमर्श का प्रमुख विषय बन गया और चुनावी सभाओं में इसे व्यापक रूप से उठाया गया। अब जबकि ट्रायल कोर्ट ने अभियोजन के तर्कों

को अपर्याप्त पाया है, तो स्वाभाविक है कि इसका राजनीतिक प्रभाव भी पड़ेगा। हालांकि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने इस निर्णय को दिल्ली उच्च न्यायालय, में चुनौती देने की घोषणा की है। अतः अंतिम विधिक स्थिति अभी स्पष्ट नहीं मानी जा सकती। साथ ही प्रवर्तन निदेशालय, अर्थात ईडी ने यह कहा है कि उससे संबंधित धनशोधन प्रकरण की जांच स्वतंत्र आधारों पर चल रही है। यदि उच्च न्यायालय भी निचली अदालत के निर्णय को बरकरार रखता है, तो यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठेगा कि समान घटनाक्रम से जुड़े विभिन्न अन्वेषणों की विधिक संगति किस प्रकार सुनिश्चित की जाएगी।

इस पूरे प्रकरण का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष संस्थागत विश्वसनीयता से जुड़ा है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में अन्वेषण एजेंसियों की भूमिका अत्यंत संवेदनशील होती है। वे केवल अपराध की जांच ही नहीं करतीं, बल्कि न्याय व्यवस्था के प्रारंभिक चरण का प्रतिनिधित्व भी करती हैं। यदि न्यायालय यह टिप्पणी करता है कि जांच पूर्वनिर्धारित दिशा में चलती प्रतीत होती है या पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए गए, तो यह केवल एक तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि संस्थागत शुचिता पर प्रश्नचिह्न बन जाता है। न्याय का मूल सिद्धांत है कि अभियुक्त तब तक निर्दोष माना जाता है जब तक कि उसका दोष विधिसम्मत प्रमाणों के आधार पर सिद्ध न हो जाए। यह भी ध्यान देने योग्य है कि भ्रष्टाचार जैसे गंभीर आरोपों का प्रभाव केवल व्यक्तियों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि शासन की समग्र विश्वसनीयता को प्रभावित करता है। यदि आरोप सिद्ध होते हैं, तो कठोर दंड आवश्यक है; किंतु यदि आरोप पर्याप्त प्रमाणों के अभाव में टिक नहीं पाते, तो इससे राजनीतिक विमर्श की विश्वसनीयता पर भी आघात पहुँचता है। लोकतंत्र में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है, किंतु आरोपों का उपयोग यदि मुख्यतः चुनावी रणनीति के रूप में किया जाता है और वे न्यायालय में प्रमाणित नहीं हो पाते, तो इससे जनता के मन में संदेह की स्थिति उत्पन्न होती है।

इस निर्णय के बाद स्वाभाविक रूप से आम आदमी पार्टी को नैतिक बल प्राप्त हुआ है। किंतु इस तथ्य को केवल किसी एक दल की विजय या पराजय के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। इससे व्यापक स्तर पर यह संदेश भी जाता है कि न्यायिक प्रक्रिया स्वतंत्र है और वह अभियोजन की कमजोरी को रेखांकित करने से संकोच नहीं करती। न्यायालय की कठोर टिप्पणियाँ यह संकेत देती हैं कि केवल आरोपों की गंभीरता पर्याप्त नहीं है; उन्हें प्रमाणों की दृढ़ता से पुष्ट करना भी अनिवार्य है। दूसरी ओर, यह प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि यदि वास्तव में किसी नीति में अनियमितता हुई थी, तो उसके समर्थन में ठोस साक्ष्य क्यों प्रस्तुत नहीं किए जा सके। क्या अन्वेषण प्रक्रिया में तकनीकी कमियाँ रहीं? क्या साक्ष्य-संग्रह में सावधानी का अभाव था? या फिर आरोपों का प्रारूपण ही पर्याप्त स्पष्ट नहीं था? ये प्रश्न केवल इस प्रकरण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि भविष्य की जांच प्रक्रियाओं के लिए मार्गदर्शक सिद्ध हो सकते हैं।

भ्रष्टाचार-निरोध की दिशा में प्रभावी कदम तभी संभव हैं जब अन्वेषण निष्पक्ष, पारदर्शी और विधिसम्मत हो। राजनीतिक दलों को भी यह समझना होगा कि भ्रष्टाचार-विरोध का नैतिक आग्रह तभी प्रभावी है जब वह स्वयं प्रमाण-आधारित हो। यदि आरोपों का आधार कमजोर होगा, तो वे न्यायिक समीक्षा में टिक नहीं पाएंगे और इससे वास्तविक भ्रष्टाचार के विरुद्ध संघर्ष भी कमजोर पड़ेगा। इस घटनाक्रम ने एक और महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया है-अन्वेषण एजेंसियों की स्वायत्तता और उत्तरदायित्व का संतुलन। लोकतंत्र में एजेंसियों को स्वतंत्रता आवश्यक है, किंतु वह स्वतंत्रता विधिक मानकों और न्यायिक नियंत्रण के अधीन रहती है। न्यायालय की टिप्पणियाँ यह संकेत देती हैं कि प्रक्रिया की शुचिता से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। यदि अभियोजन पक्ष पर्याप्त तैयारी के बिना आरोप प्रस्तुत करता है, तो उसका परिणाम यही होगा कि मामला प्रारंभिक चरण में ही कमजोर पड़ जाएगा।

निश्चित तौर पर यह प्रकरण हमें यह स्मरण कराता है कि कानून का शासन केवल दंड देने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि न्यायसंगत प्रक्रिया की गारंटी भी है। आरोप सिद्ध करने की जिम्मेदारी राज्य पर होती है और वह भी संदेह से परे प्रमाणों के आधार पर। यदि यह मानक पूरा नहीं होता, तो किसी भी व्यक्ति को केवल सार्वजनिक धारणा के आधार पर दोषी नहीं ठहराया जा सकता। इस निर्णय का अंतिम परिणाम चाहे जो भी हो-क्योंकि उच्च न्यायालय में चुनौती लंबित है फिर भी यह अवसर अवश्य प्रदान करता है कि हम भ्रष्टाचार-निरोध की अपनी कार्ययोजना को अधिक सुदृढ़ और प्रमाण-आधारित बनाएं। राजनीतिक विमर्श को आरोपों की तीव्रता से आगे बढ़कर प्रमाणों की गुणवत्ता पर केंद्रित करना होगा। अन्वेषण एजेंसियों को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि उनकी कार्रवाई निष्पक्षता और विधिक दृढ़ता का उदाहरण बने।

लोकतंत्र की शक्ति उसके संस्थानों की विश्वसनीयता में निहित होती है। जब न्यायालय निर्भीक होकर जांच की कमियों को इंगित करता है, तो वह व्यवस्था को कमजोर नहीं, बल्कि मजबूत करता है। आवश्यकता इस बात की है कि इस निर्णय को किसी दलगत लाभ-हानि के चश्मे से देखने के बजाय संस्थागत सुधार के अवसर के रूप में देखा जाए। यदि ऐसा किया जाता है, तो यह प्रकरण केवल एक राजनीतिक विवाद नहीं रहेगा, बल्कि शासन-प्रणाली की परिपक्वता का प्रमाण भी बनेगा।

संपादकीय

आफत से राहत

दिल्ली की एक ट्रायल कोर्ट ने शराब नीति से जुड़े कथित भ्रष्टाचार मामले में आम आदमी पार्टी के संयोजक व दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को आरोप मुक्त किया है। उल्लेखनीय है कि यह फैसला सीबीआई की तरफ से दायर मामले में आया है। अदालत ने सीबीआई की जांच में खामियों को उजागर करते हुए कहा कि आरोप गवाह या ठोस सबूतों पर आधारित नहीं हैं। अदालत का तर्क था कि चार्जशीट में उल्लेखित दावे तार्किक आधार नहीं रखते। उल्लेखनीय है कि अरविंद केजरीवाल के मुख्यमंत्री रहते हुए दिल्ली सरकार ने एक नई आबकारी नीति साल 2021 में लागू की थी। जिसके अंतर्गत शराब कारोबार निजी क्षेत्र को देने का निर्णय लिया गया था। तत्कालीन सरकार ने दलील दी थी कि नई नीति राज्य के राजस्व में आशातीत वृद्धि करेगी। बहरहाल, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल और उनके डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया फिलहाल नैतिक रूप से खुद को बेहतर स्थिति में होने का दावा कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि ट्रायल कोर्ट ने सीबीआई द्वारा दर्ज दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में केजरीवाल तथा 21 अन्य आरोपियों को बरी कर दिया है। निश्चय ही संकट से जूझ रही आम आदमी पार्टी के लिये यह फैसला प्राणवायु जैसा साबित हो सकता है। दरअसल, कोर्ट ने इस बाबत सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि जांच एजेंसी का मामला न्यायिक जांच की कसौटी पर खरा नहीं उतरता है। कोर्ट का कहना था कि अटकलों व अनुमानों को कानूनी रूप से मान्य सबूतों के रूप में पेश नहीं किया जा सकता। बहरहाल, इस फैसले के खिलाफ सीबीआई ने दिल्ली हाईकोर्ट में अपील दायर कर दी है। इसके बावजूद ट्रायल कोर्ट का यह फैसला केजरीवाल व उनकी टीम के लिये आधी लड़ाई जीतने जैसा है। जिससे वे खुद को आम आदमी पार्टी के कोर वोटरों को अपने पाक-साफ होने का विश्वास दिलाने का प्रयास कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि बीते साल दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा ने इस प्रकरण को अपना मुख्य मुद्दा बनाकर आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर तीखे हमले बोले थे। पार्टी ने दिल्ली के मतदाताओं को यह समझाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी कि केजरीवाल सरकार का भ्रष्टाचार विरोधी अभियान सिर्फ एक राजनीतिक प्रपंच है।

चिंतन-मनन

ईश्वर हमेशा भक्तों की सहायता करता है

ईश्वर को हम भले ही न देख पाएं लेकिन ईश्वर हर क्षण हमें देख रहा होता है। उसकी दृष्टि हमेशा अपने भक्तों एवं सद्व्यक्तियों पर रहती है। अगर आप गौर करेंगे तो पाएंगे कि जीवन में कभी न कभी कठिन समय में ईश्वर स्वयं आकर आपकी सहायता कर चुके हैं। उस कठिन समय में आपके अंदर भक्ति की भावना उमड़ रही होगी और आप ईश्वर को याद कर रहे होंगे। शास्त्रों कहता है कि ईश्वर के लिए संसार का हर जीव उसकी संतान के समान है। जो व्यक्ति उसके बनाये नियमों का पालन करते हुए जीवन यापन करता है ईश्वर उसकी सहायता अवश्य करते हैं।

गजराज की कहानी आपने जरूर सुनी या पढ़ी होगी। नदी में गजराज को मगरमच्छ ने पकड़ लिया। इस कठिन समय में गजराज ने भगवान को पुकारा और भगवान विष्णु प्रकट हो गये। भगवान ने अपने चक्र से मगरमच्छ का सिर काट दिया और गजराज के प्राण की रक्षा की। सूरदास जी के जीवन की भी एक ऐसी ही कथा है।

सूरदास जी देख नहीं सकते थे। एक बार गलती से एक गड्ढ़े में गिर गये। गड्ढ़े से निकलने का काफी प्रयास करने पर भी वह बाहर निकलने में असफल रहे। इस स्थिति में सूरदास जी ने गोपाल को पुकारा। भगवान श्री कृष्ण बालक रूप में पहुंच गये और सूरदास जी को गड्ढ़े से बाहर निकाला। मीरा के प्राण की रक्षा के लिए भगवान ने मीरा को मारने के लिए भेजे गये विष को प्रभावहीन कर दिया।

बघेलखण्ड के बान्धवगढ़ में रहने वाले सेन नामक नाई की भी भगवान ने सहायता की और बघेलखंड का राजा सेन नाई का भक्त बन गया। यह घटना पांच छ सौ साल पुरानी है। सेन नाई राजा की सेवा करता था। इसका काम प्रतिदिन राजा की हजामत बनाना और तेल मालिश करके स्नान कराना था। एक दिन सेन नाई जब राजमहल की ओर चला तब रास्ते में संतों की टोली मिल गयी। नाई उन्हें लेकर घर आ गया और उनकी खूब सेवा की। संतों के साथ बैठकर संत्संग में भाग लिया।

राजा के स्नान करने का समय बीता जा रहा था। नाई के नहीं आने से राजा क्रोधित हो रहे थे। इसी समय भगवान स्वयं सेन नाई का वेष धारणकर राजा की सेवा में पहुंच गये। नई बने भगवान की सेवा से राजा का क्रोध दूर हो गया और मन हर्षित हो गया। सत्संग समाप्त होने के बाद सेन नाई को याद आया कि राजा की सेवा में देरी हो गयी है। हजामत का सामान लेकर डरता हुआ सेन नाई राजमहल में पहुंचा।

इस क्षेत्रीय युद्ध को वैश्विक संकट में बदलते हुए देर नहीं लगेगी

नीरज कुमार दुबे

पश्चिम एशिया एक बार फिर बारूद के ढेर पर खड़ा है और इस बार चिंगारी किसी सीमा विवाद या छाया संघर्ष की नहीं, बल्कि खुली सैन्य कार्रवाई की है। अमेरिका और इजराइल ने जिस समन्वित अभियान के तहत ईरान पर प्रहार किया है, उसने केवल एक देश को नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्रीय संतुलन को झकझोर दिया है। सवाल यह है कि क्या यह कदम वास्तव में परमाणु खतरे को रोकने के लिए था, या फिर पश्चिम एशिया की राजनीति को अपने अनुकूल ढालने की एक सुनियोजित चाल है?

तेहरान पर सीधे हमले, सर्वोच्च नेतृत्व को निशाना बनाने की कोशिश और शासन परिवर्तन के संकेत, यह सब किसी सीमित सैन्य कार्रवाई की परिभाषा में नहीं आता। यह शक्ति प्रदर्शन है। यह संदेश है कि जो अमेरिकी रणनीति के खिलाफ खड़ा होगा, उसे सैन्य कीमत चुकानी पड़ेगी। लेकिन इतिहास गवाह है कि बाहरी हस्तक्षेप से पैदा हुई अस्थिरता अक्सर नियंत्रण

से बाहर हो जाती है। इराक और अफगानिस्तान के अनुभव अभी पुराने नहीं हुए हैं।

ईरान का जवाब भी उतना ही आक्रामक है। क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाना और खाड़ी देशों तक मिसाइलों की पहुंच दिखाना यह बताता है कि संघर्ष सीमित नहीं रहेगा। यदि खाड़ी के देश भी अपनी जमीन पर हुए हमले के विरोध में ईरान के खिलाफ सीधे युद्ध में उतरते हैं तो यह आग कई सीमाओं को लांघ सकती है। इससे समुद्री मार्गों, तेल आपूर्ति और सामरिक जलडमरूमध्य पर खतरा बढ़ेगा जिससे संकट केवल क्षेत्रीय स्तर पर नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर फैल जायेगा।

सबसे बड़ी चिंता होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर है। यदि वहां अवरोध पैदा होता है तो दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति की रीढ़ टूट सकती है। तेल की कीमतों में उछाल केवल बाजार का आंकड़ा नहीं होता, वह विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं को झकझोर देता है। भारत जैसे देश, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर हैं, वह सीधे प्रभावित होंगे। महंगाई बढ़ेगी, राजकोषीय दबाव बढ़ेगा और आम नागरिक की जेब पर बोझ पड़ेगा।

यह भी स्पष्ट है कि इस टकराव का असर केवल सैन्य या आर्थिक नहीं है। हवाई क्षेत्र बंद हो रहे हैं, उड़ानें रद्द हो रही हैं, प्रवासी समुदायों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। इसके साथ ही पश्चिम एशिया में बसे लाखों भारतीयों की सुरक्षा का प्रश्न हमारे लिए केवल कूटनीतिक मुद्दा नहीं, मानवीय दायित्व भी है।

सबसे खतरनाक पहलू यह है कि बड़ी शक्तियां अलग अलग खेमों में बंटती दिख रही हैं। यदि यह संघर्ष लंबा खिंचता है और अन्य शक्तियां भी खुलकर पक्ष लेने लगती हैं, तो यह टकराव बहुध्रुवीय युद्ध का रूप ले सकता है। विश्व युद्ध शब्द का प्रयोग भले अभी अतिशयोक्ति लगे, पर वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और सामरिक गठबंधनों पर पड़ने वाला प्रभाव इसे विश्वव्यापी संकट अवश्य बना सकता है।

बहरहाल, आज जरूरत है संयम की, संवाद की और कूटनीतिक साहस की। शक्ति प्रदर्शन से अस्थायी बढ़त मिल सकती है, स्थायी शांति नहीं। यदि पश्चिम एशिया को फिर से युद्धभूमि बनाया गया, तो उसकी कीमत केवल वहां के लोग नहीं, पूरी दुनिया चुकाएगी। भारत को संतुलित, दृढ़ और दूरदर्शी कूटनीति के साथ अपनी ऊर्जा सुरक्षा और नागरिकों की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। देखा जाये तो युद्ध की आंधी में विवेक ही सबसे बड़ा हथियार होता है।

वोट के लिए मुफ्त की रेवड़ी से कर्जे के अंधकूप में देश

योगेन्द्र योगी

चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक माओ त्से-तुंग ने कहा था कि किसी आदमी को एक मछली दो और तुम उसे एक दिन के लिए खिलाओगे। उसे मछली पकड़ना सिखाओ और तुम उसे ज़िंदगी भर खिलाओगे। आज के भारतीय शब्दों में यह है कि हर नेता जो मुफ्त चीजों का वादा करता है, असल में यह कह रहा है कि मैं तुम्हें एक अच्छी रोजी-रोटी और रेगुलर इनकम की इज्जत नहीं दे सकता। इसलिए अभी के लिए यह कुछ है, इसी से काम चला लो। चुनाव आते ही मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए राजनैतिक दलों में मुफ़्त की रेवड़ी बाँटने की होड़ लग जाती है। कोई मुफ़्त बिजली और पानी देने की बात करता है तो कोई स्मार्टफोन, लैपटॉप, साइकिल और टीवी की बात करता है।

सुप्रीम कोर्ट ने मुफ्त सुविधाएं देने की संस्कृति की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि देश के आर्थिक विकास में बाधा डालने वाली ऐसी नीतियों पर पुनर्विचार करने का समय आ गया है। तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने एक याचिका दायर कर उपभोक्ताओं की वित्तीय स्थिति पर गौर किए बिना हर किसी को निःशुल्क बिजली प्रदान करने का प्रस्ताव दिया था। हालांकि, कोर्ट ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) सरकार के नेतृत्व वाली बिजली वितरण कंपनी की मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखने वाली याचिका पर केंद्र और अन्य को नोटिस जारी किया है। बिजली वितरण कंपनी ने सुप्रीम कोर्ट में विद्युत संशोधन नियम, 2024 के एक नियम को चुनौती दी थी।

इस पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि मुफ्त की चीजें देकर राज्य सरकारें लोगों की आदतें खराब कर रही है। कोर्ट ने आगे कहा कि इन लोगों का रोजगार सृजन पर ध्यान देना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि कई राज्य सरकारें कर्ज और घाटे से दबी हुई हैं। इसके बावजूद वे मुफ्त योजनाएं बांट रही हैं। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की पीठ ने पूछा कि बिजली शुल्क अधिसूचित होने के बाद तमिलनाडु की कंपनी ने अचानक जेब ढीली करने का फैसला क्यों किया। प्रधान न्यायाधीश ने कहा राज्यों को रोजगार के रास्ते खोलने के लिए काम करना चाहिए। अगर आप सुबह से शाम तक मुफ्त भोजन देना शुरू कर देंगे, फिर मुफ्त साइकिल, मुफ्त बिजली देंगे, तो कौन काम करेगा और फिर कार्य संस्कृति का क्या होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार से कहा कि वैलफेयर के तौर पर आप उन लोगों को देना चाहते हैं जो बिजली का चार्ज नहीं दे सकते, लेकिन जो लोग खर्च उठा सकते हैं और जो नहीं उठा सकते, उनके बीच फर्क किए बिना, आप बांटना शुरू कर देते हैं। तमिलनाडु के वित्त मंत्री थंगम थेन्नारसु ने विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अंतरिम बजट पेश किया था। इसमें अनुमान के मुताबिक, राज्य का कुल बकाया कर्ज बढ़कर 10.71 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। इस बढ़ते कर्ज के लिए वित्त मंत्री थंगम थेन्नारसु ने केंद्र को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र तमिलनाडु में वित्तीय अस्थिरता पैदा करने की कोशिश कर रहा है। वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की मंजूरी नहीं दे रही है और केंद्र प्रायोजित योजनाओं का फंड रोक रही है। उन्होंने जीएसटी दरों में कटौती और 16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट पर भी निराशा जताई।

मंत्री थेन्नारसु के अनुसार संघीय ढांचे में राज्यों के साथ ऐसा अनुचित व्यवहार पहले कभी नहीं देखा गया। द्रमुक (डीएमके) सरकार ने अपनी फ्लैगशिप योजनाओं के लिए फंड की कमी नहीं होने दी। महिलाओं के लिए ह्यविदियाल पयानमह्ल योजना (मुफ्त बस यात्रा) के लिए 4,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। इसके अलावा, छात्रों के लिए बस किराए की योजना हेतु 1,782 करोड़ रुपये और डीजल सब्सिडी के लिए 1,857 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। कुल मिलाकर परिवहन विभाग को 13,062 करोड़ रुपये मिले। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए भी सरकार ने 5,463 करोड़ रुपये का बड़ा हिस्सा अलग रखा है। तमिलनाडु में पिछले 4 वर्षों में प्रति परिवार कर्ज तेजी से बढ़कर लगभग 3.7 लाख रुपए तक पहुंच गया है, जो राज्य की गंभीर वित्तीय स्थिति को दशार्ता है।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार तमिलनाडु पर देश में सर्वाधिक 8.34 लाख करोड़ रुपये कर्ज है। दूसरे नंबर पर उत्तर प्रदेश है। इस पर 7.69 लाख करोड़ रुपये कर्जा है। इसी तरह महाराष्ट्र पर 7.22 लाख करोड़, पश्चिम बंगाल पर 6.58 लाख करोड़ रुपये, कर्नाटक पर 5.97 लाख करोड़ रुपये, राजस्थान पर 5.62 लाख करोड़ रुपये, आंध्र प्रदेश पर 4.85 करोड़ रुपये का कर्जा है। गुजरात पर 4.67 लाख करोड़ रुपये, केरल पर 4.29 लाख करोड़ रुपये, मध्य प्रदेश पर 4.18 लाख करोड़ रुपये, तेलंगाना पर 3.89 लाख करोड़ रुपये, पंजाब पर 3.51 लाख करोड़ रुपये, हरियाणा पर 3.36 लाख करोड़ रुपये, बिहार पर 3.19 लाख करोड़ रुपये और असम पर 1.51 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। वर्ष 2016-17 के बाद कर्ज पर निर्भरता लगातार बढ़ती गई।

वोट बैंक की राजनीतिक के कारण ऐसी लोकलुभावन मुफ्त की योजनाओं के कारण छोटा पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश डेब्ट ट्रैप में फंस गया है। आलम यह है कि हिमाचल सरकार के पास लिए गए कर्ज की मूल रकम व उस पर लगने वाले ब्याज को चुकाने के लिए भी पर्याप्त पैसा नहीं है। वहीं, कर्ज लेने की लिमिट सिर्फ 10 हजार करोड़ रुपए है। अगले वित्तीय वर्ष में कर्ज व ब्याज चुकाने के लिए 13 हजार करोड़ चाहिए। अब लोन को चुकाने के लिए मार्केट से कर्ज लेकर भी बात नहीं बन रही और तीन हजार करोड़ रुपए अपने बजट से चुकाने होंगे। सोलहवें फाइनेंस कमीशन की रिपोर्ट में हिमाचल सहित अन्य कुछ राज्यों की रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट (आरडीजी) खत्म कर दी है। इससे हिमाचल सरकार के खजाने पर भारी चोट लगी है।

हिमाचल प्रदेश पर कुल देनदारियां 1 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गई हैं, जिससे यह पहाड़ी राज्य कर्ज लेने वाले भारतीय राज्यों में 5वें स्थान पर पहुंच गया है।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने 'स्टेट फाइनेंस' रिपोर्ट (2025-26) में कहा है कि मुफ्त की ऐसी योजनाओं के चलते राज्यों के बजट पर दबाव बढ़ रहा है। हरियाणा और पंजाब जैसे राज्यों में बुनियादी ढांचे (सड़क, स्कूल, अस्पताल) पर खर्च कुल बजट का 10% से भी कम रह गया है। मुफ्त की रेवड़ी बांटने में कोई पीछे नहीं है। केंद्र में बतौर विपक्षी पार्टी आलोचना करने वाली कांग्रेस अपनी सत्ता वाले राज्यों में खुल कर 'रेवड़ियां' बांटती रही है। उसी तरह केंद्र में खुल कर यह काम करने वाली भाजपा, राज्यों में कांग्रेस व अन्य पार्टियों का इसके लिए विरोध करती है। बीते नौ साल में प्रति व्यक्ति कर्ज तीन गुना बढ़ गया है। इसका एक बड़ा कारण केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा जनता को खुले आम 'रेवड़ियां' बांटना भी है। देश में प्रति व्यक्ति कर्ज 1,86,206 रुपए हो जाने का अनुमान है। अहम बात यह है कि राजनीतिक दलों को यह भी बताना चाहिए कि इन मुफ्त की योजनाओं के लिए धन कहां से आएगा। अब हमारी फाइनेंशियल पॉलिटिक्स में ईमानदारी और जवाबदेही वापस लाने का समय आ गया है।

संक्षिप्त समाचार

स्पेसएक्स क्रू-11 की समय से पहले वापसी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने स्पेसएक्स के क्रू-11 मिशन की समय से पहले वापसी को लेकर जानकारी दी है। अंतरिक्ष यात्री माइक फिंके ने बताया कि 7 जनवरी को अंतरिक्ष स्टेशन पर उन्हें स्वास्थ्य समस्या हुई, इसके बाद सभी चार सदस्यों को निर्धारित समय से पहले लौटाने का फैसला किया। नासा के अनुसार यह आपात स्थिति नहीं थी, बल्कि उन्नत मेडिकल जांच के लिए कदम था। क्रू-11 का कैप्सूल 15 जनवरी को सैन डिएगो तट के पास सुरक्षित उतरा और साढ़े पांच माह का मिशन पूरा हुआ।

पेंटागन ने ज्वाइंट स्टाफ निदेशक पद से वाइस एडमिरल को हटाया

पेंटागन, एजेंसी। पेंटागन ने अमेरिकी नौसेना के वाइस एडमिरल फ्रेड कैचर को ज्वाइंट स्टाफ के निदेशक पद से हटा दिया है। कैचर ने दिसंबर में ही यह पद संभाला था। प्रवक्ता ने पुष्टि की कि काचर अब अमेरिकी नौसेना में अपनी सेवाएं जारी रखेंगे, लेकिन हटाने का कारण नहीं बताया। सूत्रों के अनुसार वे इस पद के लिए उपयुक्त नहीं माने गए, हालांकि किसी विशेष वजह का खुलासा नहीं हुआ। डेन केन ने उनके योगदान की सराहना की। कैचर इससे पहले जापान स्थित अमेरिकी सातवें बेड़े के कमांडर और यूएस नेवल अकादमी के प्रमुख रह चुके हैं।

अमेरिका : रिटायर्ड पायलट ने चीन में दी ट्रेनिंग, गिरफ्तार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां पर पूर्व अमेरिकी वायु सेना के एलीट फाइटर पायलट और एफ-35 प्रशिक्षक गेराल्ड एडी ब्राउन जूनियर को चीनी सैन्य पायलटों को गुप्त रूप से लड़ाकू प्रशिक्षण देने के गंभीर आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सहायक अटॉर्नी जनरल जॉन ए आइजेनबर्ग ने कहा, अमेरिकी वायु सेना ने मेजर ब्राउन को एक विशिष्ट लड़ाकू पायलट के रूप में प्रशिक्षित किया था और राष्ट्र की रक्षा की जिम्मेदारी सौंपी थी। एजेंसी 2023 में ब्राउन ने चीन जाकर दिया प्रशिक्षण...ब्राउन के सैन्य करियर में संवेदनशील इकाइयों का नेतृत्व, युद्ध अभियानों का संचालन और एफ-4, एफ-15, एफ-16, ए-10 तथा एफ-35 जैसे विमानों पर लड़ाकू पायलट एवं सिम्युलेटर प्रशिक्षक के रूप में सेवा शामिल थी।

हांगकांग कोर्ट ने जिमी लाई की धोखाधड़ी में मिली सजा रद्द की

विक्टोरिया, एजेंसी। हागकांग की अपीलीय अदालत ने पूर्व मीडिया कारोबारी जिमी लाई को राहत देते हुए उनकी धोखाधड़ी मामले में सजा रद्द कर दी। 78 वर्षीय लाई ने बंद हो चुके अखबार एपल डेली की स्थापना की थी और वे चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के मुखर आलोचक रहे हैं। हालांकि, उन्हें हाल ही में चीन की ओर से लागू राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत एक अन्य मामले में 20 साल की सजा सुनाई गई है, इसलिए वे जेल में ही रहेंगे।

आईएमएफ ने कहा- अमेरिकी अर्थव्यवस्था बेहद मजबूत

वाशिंगटन, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय मॉन्ट्रियल फंड ने अमेरिकी अर्थव्यवस्था को मजबूत बताते हुए कहा कि 2026 में वृद्धि दर बढ़कर 2.4 फीसदी तक पहुंच सकती है, जो 2025 के 2.2 फीसदी से अधिक होगी। आईएमएफ प्रमुख क्रिस्टालिना जॉर्जिएवा ने कहा कि बेरोजगारी दर 4.5 फीसदी से घटकर 4.1 फीसदी हो सकती है और महंगाई 2027 तक फेडरल रिजर्व के दो फीसदी लक्ष्य तक आ सकती है।

सूडान के दारफुर में हिंसा

दारफुर , एजेंसी। सूडान के दारफुर क्षेत्र में अर्धसैनिक बलों के हमलों के बाद हालात और बिगड़ गए हैं। डॉक्टरों के एक समूह के अनुसार, हालिया हमलों में कम से कम 28 लोगों की मौत हुई और 39 घायल हुए। तीन हजार से ज्यादा लोग अपने घर छोड़कर भागने को मजबूर हुए हैं। ज्यादातर विस्थापित महिलाएं और गर्भवती महिलाएं हैं, जिनके पास न भोजन है न ही आश्रय।

कोलंबिया यूनिवर्सिटी की छात्रा की गिरफ्तारी

न्यूयॉर्क , एजेंसी। न्यूयॉर्क की कोलंबिया यूनिवर्सिटी की छात्रा एली आघायेवा को इमिग्रेशन अधिकारियों ने हिरासत में लिया। अधिकारियों ने अपार्टमेंट में प्रवेश के लिए 'लापता व्यक्ति' की तलाश का बहाना बनाया। छात्रा के वकीलों का दावा है कि बिना वारंट गिरफ्तारी की गई। बाद में न्यूयॉर्क के मेयर ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप से बात के बाद छात्रा को रिहा करने पर सहमति बनी। यह मामला अमेरिका में सख्त हो रही इमिग्रेशन नीति पर नई बहस छेड़ रहा है।

आरोप- बांग्लादेश सरकार ने डिफाल्टर को सेंट्रल बैंक गवर्नर बनाया

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में सेंट्रल बैंक के नए गवर्नर की नियुक्ति को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। विपक्ष का आरोप है कि तारिक रहमान की सरकार ने एक डिफाल्टर को कारोबारी को सेंट्रल बैंक गवर्नर बना दिया है, जो देश में भीड़तंत्र की शुरुआत जैसा है। बांग्लादेश बैंक के नए गवर्नर के रूप में मोस्ताकुर रहमान की नियुक्ति के बाद राजनीतिक घमासान तेज हो गया। जमात ए इस्लामी के प्रमुख और विपक्ष के नेता शफीकुर रहमान ने कहा कि यह फैसला पीएम की शह पर लिया गया है और इसे बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इससे पहले सरकार ने अहसान हबीब मंसूर का कार्यकाल अचानक खत्म कर दिया था, जिन्हें मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने नियुक्त किया था। मंसूर ने कहा कि उन्होंने न इस्तीफा दिया और न ही उन्हें हटाए जाने की कोई आधिकारिक सूचना मिली। उन्हें यह खबर मीडिया के जरिए पता चली।

गारमेंट कारोबारी रहे हैं मोस्ताकुर रहमान : मोस्ताकुर रहमान की नियुक्ति इसलिए अलग मानी जा रही है क्योंकि अब तक बांग्लादेश में केंद्रीय बैंक का गवर्नर आमतौर पर अनुभवी बैंकर, अर्थशास्त्री या वरिष्ठ सिविल सेवक होते रहे हैं। मोस्ताकुर एक कॉस्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंट और गारमेंट कारोबारी हैं। वे हेरा स्वेटर्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर हैं और

विपक्ष बोला- ये बर्दाश्त नहीं कर सकते, देश में भीड़तंत्र चल रहा

हालिया चुनाव में तारिक रहमान की बीएनपी पार्टी की केंद्रीय चुनाव संचालन समिति से भी जुड़े रहे थे। उनकी नियुक्ति को लेकर कर्ज चुकाने से जुड़े पुराने मामलों पर भी सवाल उठ रहे हैं। बीडी न्यूज24 की रिपोर्ट में कहा गया कि उनकी कंपनी 86 करोड़ टका का कर्ज समय पर नहीं चुका पाई थी। एक बैंक अधिकारी ने कहा कि जो इंसान अपनी ही कंपनी के लिए स्पेशल कंडीशन पर कर्ज का पुनर्गठन कराता है, वह देश के बैंकिंग सिस्टम के हितों की रक्षा कैसे करेगा। यूनिवर्सिटी ऑफ ढाका के पूर्व प्रोफेसर दीन इस्लाम ने भी कहा कि किसी एक्टिव कारोबारी को केंद्रीय बैंक का गवर्नर बनाना गलत संदेश देता है और इससे हितों के टकराव की आशंका बढ़ती है।

विपक्ष ने मोस्तकुर को गवर्नर बनाने पर विरोध जताया : मोस्ताकुर की नियुक्ति के बाद विपक्षी नेता शफीकुर रहमान ने फेसबुक पर लिखा कि बांग्लादेश बैंक में जो हो रहा है वह दुर्भाग्यपूर्ण और पूरी तरह अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि किसी को भी गवर्नर और उनके सलाहकारों जैसे सम्मानित लोगों को इस तरह अपमानित करने का अधिकार नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब देश की अर्थव्यवस्था पहले से कई समस्याओं से जूझ रही है, तब बांग्लादेश बैंक जैसी महत्वपूर्ण संस्था में इस तरह की कार्रवाई बची हुई अर्थव्यवस्था को भी बर्बाद कर देगी। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों और समाज के सभी वर्गों से विरोध करने की अपील की और कहा कि अगर सरकार सच में लोकतांत्रिक और भेदभाव-रहित बांग्लादेश बनाना चाहती है तो ऐसी गतिविधियां तुरंत बंद होनी चाहिए। जरूरी पदों पर नियुक्तियां योग्यता के आधार पर होनी चाहिए, न कि राजनीतिक निष्ठा के आधार पर।

अहसान हबीब को गवर्नर पद से हटाने का विरोध : विवाद की दूसरी बड़ी वजह उनकी नियुक्ति की परिस्थितियां हैं। अहसान हबीब मंसूर 2024 में चार साल के लिए गवर्नर बनाया गया था और उनका कार्यकाल अगस्त 2028 तक था, लेकिन 18 महीने से भी कम समय में ही उनका कार्यकाल खत्म कर दिया गया। मंसूर को हटाए जाने से पहले कुछ अधिकारियों ने उनके खिलाफ तानाशाही का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया था। हालांकि, मंसूर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इन आरोपों को साजिश बताया था।

अहसान हबीब मंसूर की बर्खास्तगी से देश में कई लोग हैरान हैं। उन्हें 27 साल का अनुभव है। वे आईएमएफ जैसी संस्थाओं में काम कर चुके हैं। 2024 में शेख हसीना और उनकी अवामी लीग सरकार के हटने के बाद जब देश में आर्थिक अस्थिरता थी, तब उन्हें जिम्मेदारी दी गई थी। जब उन्होंने पद संभाला था तब फॉरेन करेंसी रिजर्व 26 अरब डॉलर था। उनके पद छोड़ने तक यह बढ़कर 35 अरब डॉलर हो गया। उन्होंने टका को 122.20 प्रति डॉलर पर स्थिर किया और महंगाई दर को 2024 के 10.49% से घटाकर जनवरी 2026 में 8.58% तक लाने के लिए पॉलिसी अपनाई।

जिनेवा में यूएस-ईरान परमाणु वार्ता हुई पूरी, पश्चिम एशिया में सैन्य जमावड़े से युद्ध की आशंका

जिनेवा, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर एक बार फिर अप्रत्यक्ष वार्ता हुई। स्विट्जरलैंड के जिनेवा में हो रही इस बातचीत पर पूरी दुनिया की नजर टिकी थी, क्योंकि इसी के साथ पश्चिम एशिया में सैन्य हलचल भी तेज हो गई है। वार्ता का उद्देश्य ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर समझौता करना और संभावित युद्ध को टालना बताया गया है, जबकि अमेरिका पश्चिम एशिया में अपने विमान और युद्धपोतों का बड़ा बेड़ा तैनात कर रहा है।

युद्ध टालने की कोशिश, लेकिन खतरा बरकरार : ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने जिनेवा रवाना होने से पहले चेतावनी दी कि अगर अमेरिका हमला करता है तो क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकाने निशाने पर होंगे। उन्होंने कहा यह किसी के लिए जीत की स्थिति नहीं होगी। पूरा क्षेत्र एक विनाशकारी युद्ध की चपेट में आ सकता है। ईरान पहले ही संकेत दे चुका है कि वह इस्राइल को भी निशाना बना सकता है, जिससे पूरे मध्य पूर्व में बड़े संघर्ष की आशंका बढ़ गई है।

पिछले साल युद्ध से टूटी थी बातचीत : पिछले वर्ष कई दौर की वार्ता उस समय पटरी से उतर गई थी जब इस्राइल ने ईरान पर 12 दिन तक हमले किए और अमेरिका ने भी ईरान के परमाणु ठिकानों पर भारी बमबारी की। हालांकि नुकसान की पूरी तस्वीर अभी स्पष्ट नहीं है। अमेरिका का आरोप है कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को फिर से खड़ा करने की कोशिश कर रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि ईरान फिलहाल यूरेनियम संवर्धन नहीं कर रहा, लेकिन वह उस स्तर तक पहुंचने की कोशिश में है जहां से परमाणु हथियार बनाना संभव हो सके।

खाड़ी क्षेत्र में बढ़ी सैन्य हलचल : उधर, अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े के जहाजों की गतिविधियों में भी बदलाव देखा गया है। सैटेलाइट तस्वीरों से संकेत मिला है कि बहरीन स्थित अमेरिकी नौसैनिक अड्डे से कई पोत समुद्र में तैनात किए गए हैं। तेल बाजार भी इस तनाव से प्रभावित है। ब्रेंट क्रूड की कीमत करीब 70 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है। पिछली वार्ता के दौरान ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में आवाजाही अस्थायी रूप से रोकने का संकेत दिया था, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति पर असर पड़ा था।

किम जोंग-उन की साउथ कोरिया को चेतावनी, बोले- खतरा हुआ तो 'पूरी तरह तबाह' कर देंगे

प्योंगयांग, एजेंसी। नॉर्थ कोरिया के शासक किम जोंग-उन ने साउथ कोरिया को कड़ी चेतावनी दी है। किम ने कहा है कि उनके देश की सुरक्षा को खतरा हुआ तो वे साउथ कोरिया को 'पूरी तरह नष्ट' कर सकते हैं। प्योंगयांग में सात दिन चली वर्कर्स पार्टी कांग्रेस के समापन पर किम ने अगले पांच वर्षों के लिए परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम को तेज करने का खाका पेश किया। उन्होंने पानी के भीतर से दागे जा सकने वाले इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल, सामरिक परमाणु हथियारों के विस्तार, परमाणु-संचालित पनडुब्बी, एआई-युक्त ड्रोन और उन्नत उपग्रह विकसित करने की बात कही। किम ने साउथ कोरिया को 'स्थायी दुश्मन' बताते हुए कहा कि उससे बातचीत की कोई गुंजाइश नहीं है। वहीं, उन्होंने कहा कि अमेरिका यदि प्रतिबंध और दबाव की नीति छोड़े तो संवाद संभव है। कांग्रेस के बाद राजधानी में भव्य सैन्य परेड आयोजित की गई, जिसमें किम अपनी बेटी के साथ नजर आए। एक्सपर्ट्स का मानना है कि किम

एक ओर अपने परमाणु कार्यक्रम को मजबूती दे रहे हैं, वहीं दूसरी ओर अमेरिका के साथ भविष्य की संभावित बातचीत के लिए विकल्प भी खुले रख रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र की जांचकर्ता पर अमेरिकी प्रतिबंध : वाशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार जांचकर्ता फ्रांसेस्का अल्बानीज के परिवार ने ट्रंप प्रशासन के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। उनका कहना है कि इस्राइल की आलोचना करने पर लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंध अभिव्यक्ति की आजादी का उल्लंघन हैं। अल्बानीज ने गाजा में इजराइली कार्रवाई को 'जनसंहार' बताया था, जिसे अमेरिका और इस्राइल ने खारिज किया। परिवार का कहना है कि प्रतिबंधों से उनका निजी और पेशेवर जीवन प्रभावित हुआ है।

'जो होना है, वह हमने बता दिया', यूरेनियम संवर्धन पर ईरानी विदेश मंत्री अराघची की अमेरिका को दो टूक

जिनेवा, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के दौरान जिनेवा में दोनों देशों ने वार्ता की। कई घंटों की बैठक के बाद ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि यह गहरी चिंता भरी लंबी बातचीतों में से एक है। जिनेवा में अब तक हुई इन चर्चाओं के बाद कोई समझौता नहीं हो सका, जिससे पश्चिम एशिया में फिर से युद्ध की आशंका बनी हुई है। अब्बास अराघची ने गुरुवार को ईरानी सरकारी टीवी से बातचीत में कहा कि जो कुछ होना है, वह हमारी ओर से साफ कर दिया गया है। हालांकि उन्होंने बातचीत के विवरण साझा नहीं किए। अमेरिकी पक्ष की ओर से भी तत्काल कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं आई और व्हाइट हाउस ने भी प्रतिक्रिया नहीं दी।

अगले हफ्ते फिर होगी अमेरिका-ईरान के बीच बातचीत जिनेवा में हुई कई घंटों की अप्रत्यक्ष वार्ता के बावजूद दोनों पक्षों के बीच कोई समझौता नहीं हो सका। वार्ता में मध्यस्थ की भूमिका निभाने वाले ओमान के विदेश मंत्री बद्र अल-बुसैदी ने कहा कि बातचीत में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। हालांकि, उन्होंने भी विस्तार से जानकारी नहीं दी। आगे की वार्ता का दौर अगले सप्ताह वियना में होगा, जहां अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी का मुख्यालय स्थित है। वार्ता समाप्त होने से ठीक पहले ईरानी सरकारी टीवी ने बताया कि तेहरान यूरेनियम संवर्धन जारी रखने के अपने अधिकार पर अडिग है और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध हटाने की मांग कर रहा है। यह रुख अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मांगों से अलग माना जा रहा है। ट्रंप की मांग है कि ईरान यूरेनियम संवर्धन, लंबी दूरी की मिसाइल कार्यक्रम पूरी तरह रोके। इसके साथ ही हमास और हिजबुल्लाह जैसे समूहों को समर्थन देना बंद करे। वहीं, ईरान का कहना है कि वह केवल परमाणु मुद्दे पर बात करेगा। अराघची ने फिर दी चेतावनी अराघची ने एक साक्षात्कार में फिर से चेतावनी दी कि अगर अमेरिका हमला करता है तो क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकाने वैध लक्ष्य माने जाएंगे और इससे व्यापक क्षेत्रीय युद्ध छिड़ सकता है। उन्होंने इसे बहुत डरावना बताते हुए कहा कि ऐसी स्थिति में किसी की जीत नहीं होगी।

'अमेरिका के लिए बड़ी जीत', व्हाइट हाउस बॉलरूम प्रोजेक्ट पर कोर्ट की हरी झंडी के बाद गदगद ट्रंप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक संघीय जज के फैसले का स्वागत किया है। जज ने व्हाइट हाउस में बन रहे नए बॉलरूम (विशाल हॉल) के निर्माण पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। इस फैसले के बाद ट्रंप ने इसे 'अमेरिका के लिए शानदार खबर' बताया।

संरक्षण समूहों की मांग जज ने की खारिज : यह मामला तब शुरू हुआ जब कुछ संरक्षण समूहों ने अदालत में याचिका दायर की। उनका कहना था कि व्हाइट हाउस में इतना बड़ा निर्माण करने से पहले कांग्रेस की मंजूरी, स्वतंत्र समीक्षा और आम जनता से राय लेने जैसी कानूनी प्रक्रियाएं पूरी नहीं की गईं। उन्होंने अदालत से निर्माण

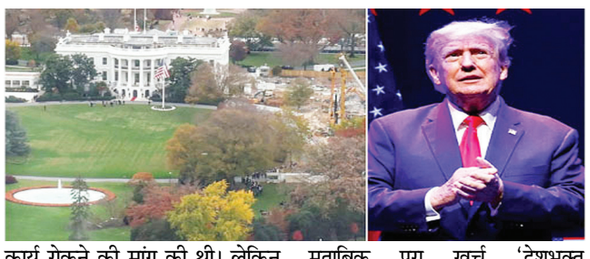

कार्य रोकने की मांग की थी। लेकिन जज ने उनकी मांग खारिज कर दी।

जज के फैसले के बाद गदगद दिखे ट्रंप : फैसले के बाद ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट लिखकर कहा कि यह दुनिया का सबसे सुंदर बॉलरूम होगा। उन्होंने साफ कहा कि इस प्रोजेक्ट में एक भी डॉलर टैक्सपेयर्स का पैसा नहीं लग रहा है। उनके मुताबिक पूरा खर्च 'देशभक्त दानदाताओं' और निजी योगदान से उठाया जा रहा है।

क्या है व्हाइट हाउस का बॉलरूम प्रोजेक्ट : यह बॉलरूम करीब 90,000 वर्ग फुट का होगा। इसका उपयोग भविष्य में शपथ ग्रहण समारोह, बड़े स्टेट विजिट, राजकीय भोज और बड़े कार्यक्रमों के लिए किया जाएगा। रिपोर्ट्स के अनुसार यह प्रोजेक्ट 2028 तक पूरा होने की उम्मीद है।

निजी दान से आ रहा पूरा पैसा- ट्रंप प्रशासन : इस निर्माण के लिए पहले अनुमानित लागत 200 मिलियन डॉलर (1,820 करोड़ रुपए) बताई गई थी, लेकिन अब यह बढ़कर लगभग 300 मिलियन डॉलर (2,730 करोड़ रुपए) हो गई है। प्रशासन का कहना है कि पूरा पैसा निजी दान से आ रहा है, जबकि आलोचकों का कहना है कि इतनी बड़ी संरचना व्हाइट हाउस की ऐतिहासिक पहचान को बदल देगी। अगर यह प्रोजेक्ट पूरा हो जाता है, तो यह ट्रंप के कार्यकाल में व्हाइट हाउस में किया गया सबसे बड़ा भौतिक बदलाव माना जाएगा।

अफगानिस्तान के नये कानून पर यूएन ने जताई गंभीर चिंता

एथेंस, एजेंसी। अफगानिस्तान में तालिबान सरकार ने नया दंड संहिता लागू किया है। इस कानून पर जनवरी में वहां के सर्वोच्च नेता हिबतुल्लाह अखुंदजादा ने हस्ताक्षर किए थे। इस नए कानून में कुल 119 धाराएं हैं और इसमें कई ऐसे प्रावधान हैं, जिन पर संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार संगठनों ने कड़ी आपत्ति जताई है।

पत्नी को पीटने पर सिर्फ 15 दिन की सजा : सबसे बड़ी बात यह है कि इस कानून में पत्नी को पीटने पर सजा सिर्फ 15 दिन की जेल रखी गई है, वह भी तब जब पत्नी अदालत में साबित कर दे कि उसे चोट लगी है और शरीर पर कट, घाव या नीला निशान दिखाई दे रहा है। दूसरी ओर, अगर कोई महिला अपने पति की अनुमति के बिना अपने मायके चली जाती है और वहां रुकती है, तो उसे तीन महीने की जेल हो सकती है। इतना ही नहीं, अगर उसके मायके वाले उसे वापस पति के पास नहीं भेजते, तो उन्हें भी सजा दी जा सकती है।

यह कानून अंतरराष्ट्रीय कानूनों के खिलाफ- तुर्क : संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर तुर्क ने कहा है कि यह कानून अंतरराष्ट्रीय कानूनों के खिलाफ है और महिलाओं के साथ भेदभाव को कानूनी रूप देता है। यूएन वुमेन की प्रतिनिधि सुसान फर्ग्यूसन ने भी कहा कि इस कानून से पुरुषों को महिलाओं पर अधिकार की स्थिति में रखा गया है और महिलाओं के लिए न्याय पाना और मुश्किल हो जाएगा। इस कानून में एक और चौंकाने वाली बात यह है कि जानवरों को लड़ाने पर पांच महीने तक की जेल हो सकती है। अफगानिस्तान में मुर्गों और तीतरों की लड़ाई एक आम परंपरा रही है, लेकिन तालिबान ने 2021 में सत्ता में आने के बाद इस पर रोक लगा दी थी। अब नए कानून में जानवरों की लड़ाई की सजा पत्नी को गंभीर रूप से पीटने की सजा से कहीं ज्यादा है।

एक ही अपराध के लिए अलग सजा : सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि एक ही अपराध के लिए अलग-अलग सामाजिक वर्गों के लोगों को अलग सजा दी जाएगी। धार्मिक विद्वानों और बड़े लोगों को सिर्फ चेतावनी दी जा सकती है, जबकि आम लोगों को जेल और निचले वर्ग के लोगों को शारीरिक सजा दी जा सकती है। हालांकि हत्या के मामलों में यह फर्क नहीं होगा और दोषी पाए जाने पर मौत की सजा दी जा सकती है। पैगंबर मोहम्मद का अपमान भी मौत की सजा वाला अपराध है, हालांकि पश्चाताप करने पर इसे छह साल की जेल में बदला जा सकता है।

पाकिस्तान की सेना हमलावरों को नेस्तनाबूत करने में सक्षम: शहबाज शरीफ

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच युद्ध जैसा माहौल बन गया है। पाकिस्तान की एयरस्ट्राइक का बदल लेने के लिए अफगानिस्तान ने डूरंड लाइन के इलाके में हमला किया तो पाकिस्तान ने सीधा राजधानी काबुल को ही निशाना बनाना शुरू कर दिया। पाकिस्तान ने दावा किया है कि उसने काबुल की 12 चौकियों पर कब्जा कर लिया है। वहीं अफगानिस्तान ने इसे आतंकी हमला बताया है। अब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का भी बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की सेना हमलावरों को नेस्तनाबूत करने में सक्षम है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा, हमारी सेनाओं के पास हमलावरों को कुचलने की ताकत है। इस स्थिति में पूरा देश सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। वहीं अफगानिस्तान ने कहा है कि पाकिस्तान ने शुक्रवार तड़के काबुल और दो अन्य प्रांतों में हवाई हले किए हैं। ऐसे में अब कतर की मध्यस्थता में कराया गया युद्धविराम कमजोर हो गया है।

काबुल में तीन विस्फोट : काबुल में कम से कम तीन विस्फोटों की आवाज सुनी गई, लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि राजधानी में हमले कहां हुए और इनमें किसी के हताहत होने की जानकारी भी तुरंत नहीं मिल सकी। सरकारी प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने बताया कि पाकिस्तान ने दक्षिण में कंधार और दक्षिण-पूर्वी प्रांत पकतिया में भी हवाई हमले किए।

पाक ने अफगानिस्तान पर लगाए बिना उकसावे के हमले के आरोप : मुजाहिद ने बृहस्पतिवार रात 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''पाकिस्तानी सेना के बार-बार विद्रोह और हमलों के जवाब में डूरंड रेखा के पास स्थित पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों और प्रतिष्ठानों पर बड़े पैमाने पर हमले किए गए।'' अफगान रक्षा मंत्रालय ने

कहा कि जवाबी हमले सीमा से लगे छह प्रांतों में किए गए। दोनों देशों के बीच 2,611 किलोमीटर लंबी सीमा को डूरंड रेखा कहा जाता है, जिसे अफगानिस्तान औपचारिक रूप से मान्यता नहीं देता।

यूएन ने भी संघर्ष पर जताई चिंता : इस बीच, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने सीमा पार झड़पों की खबरों पर चिंता जताई। उनके प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि महासचिव ने दोनों पक्षों से मतभेदों को कूटनीति के जरिए सुलझाने की अपील की है। दोनों देशों ने हताहतों के अलग-अलग आंकड़े दिए। अफगान रक्षा मंत्रालय ने कहा कि 55 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए, जिनमें से कुछ के शव अफगानिस्तान ले जाए गए, जबकि ''कई सैनिकों को जिंदा पकड़ लिया गया।'' मंत्रालय के अनुसार, अफगानिस्तान के आठ सैनिक मारे गए और 11 घायल हुए।

दूसरी ओर पाकिस्तान के सूचना मंत्री अत्ताउल्लाह तरार ने कहा कि पाकिस्तान के दो सैनिक मारे गए और तीन घायल हुए हैं, जबकि 36 अफगान लड़ाके मारे गए। पिछले कई महीनों से दोनों देशों के बीच तनाव बना हुआ है। अक्टूबर में सीमा पर हुई झड़पों में सैनिकों, नागरिकों और संदिग्ध आतंकियों की मौत हुई थी। हालांकि, कतर की मध्यस्थता से हुआ युद्धविराम काफी हद तक लागू रहा लेकिन सीमा पर बीच-बीच में गोलीबारी होती रही है। नवंबर में हुई कई दौर की शांति वार्ताएं भी किसी औपचारिक समझौते पर नहीं पहुंच सकीं।

आईआरएस द्वारा गोपनीय जानकारी साझा करने पर अदालत की टिप्पणी : वाशिंगटन, एजेंसी। एक अमेरिकी जज ने कहा है कि टैक्स विभाग आईआरएस ने लगभग 42,695 बार गोपनीय करदाता जानकारी इमिग्रेशन एजेंसी आईसीई के साथ साझा कर कानून तोड़ा। अदालत के अनुसार, बिना उचित कानूनी आधार के पतों की जानकारी दी गई। सरकार इस फैसले के खिलाफ अपील कर रही है, लेकिन फिलहाल अदालत ने इसे गोपनीयता कानून का उल्लंघन माना है।

स्विस बैंक पर अमेरिकी कार्रवाई : वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने एक छोटे स्विस बैंक पर कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की है। आरोप है कि बैंक ने ईरान और रूस से जुड़े लोगों के 100 मिलियन डॉलर से ज्यादा धन को अमेरिकी वित्तीय प्रणाली के जरिए स्थानांतरित किया। ट्रेजरी विभाग का कहना है कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है।

हेल्थ प्लस

मन शांत करता है जायफल

जायफल सुपारी जैसा दिखाई देता है। इसके फूल को जावित्री कहते हैं। इसका उपयोग आमतौर पर मसालों में किया जाता है। प्राचीन समय से ही इसका इस्तेमाल औषधियां बनाने में भी किया जा रहा है। विकृत वात और कफ को ठीक कर यह पित्त को बढ़ाता है। जायफल को पानी के साथ पत्थर पर घिसकर दर्द निवारण के लिए लेप किया जाता है। इसके महीन चूर्ण को गर्म सरसों के तेल में डालकर फोड़े-फुंसियों पर लगाया जाता है। कैवल्य के उपचार के लिए यह उत्तम है। यह दिल को बल देता है और मतली, पेचिश इत्यादि में उपयोगी है। मन को शांत करता है। डायजैस्टिव डिसऑर्डर में यह फायदेमंद माना जाता है। रिंगवर्म और एग्जाइमा जैसी स्किन डिसीज के इलाज में यह लाभदायक है। वॉमिटिंग व डायरिया के कारण होने वाले डी-हाइड्रेशन की ट्रीटमेंट में यह फायदेमंद है। जयफल का सेवन बहुत कम मात्रा में करना चाहिए। जायफल के एक छोटे चम्मच का सेवन भी पेट में जलन, नॉजिया, उल्टी और थकान जैसे टॉक्सिक सिम्पटंस पैदा कर सकता है।

बियर पीने से मजबूत होतीं हैं हड्डियां

एक नए शोध के अनुसार बियर पीने से महिलाओं को अस्टियोपोरोसिस (हड्डियों के कमजोर होने की बीमारी) से काफी हद तक निजात मिल सकती हैं। शोध में पता चला है कि जो महिलाएं नियमित रूप से बियर पीती हैं उनकी हड्डिया अधिक मजबूत होती हैं।

इसका आशय यह है कि उन्हें अस्टियोपोरोसिस की बीमारी का खतरा कम है। लेकिन शराब के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता है। जर्नल नेचर में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार बियर में सिलिकॉन की अधिक मात्रा हड्डियों को कमजोर होने से रोकती है। इससे फ्रैक्चर होने का खतरा भी कम हो जाता है और साथ ही यह नई हड्डियों के निर्माण में भी सहायक है।

क्यों है फायदेमंद

बियर में पर्याप्त मात्रा में फाइटोस्ट्रोजन पाया जाता है, जो ओस्ट्रोजन का प्लांट वर्जन है। यह हड्डियों को स्वस्थ रखता है। हड्डियां रेशों की जाली, खनिज धातु, रक्त वाहिका और मज्जा से बनीं होती हैं। हड्डियों के विभिन्न हिस्सों में इनकी सघनता अधिक होने से अस्थियां अधिक मजबूत होती हैं।

कैसे किया शोध

शोधकर्ताओं ने इस रिसर्च के लिए 48 वर्ष की औसत आयुवर्ग वाली लगभग 1,700 महिलाओं से उनकी ड्रिकिंग की आदत के बारे में पूछताछ की। इसके बाद शोधकर्ताओं ने महिलाओं के हाथों की हड्डियों के अल्ट्रासाउंड स्कैन करवाए। वैज्ञानिकों ने पाया कि जो महिलाएं बियर का सेवन कर रहीं थी, उनकी हाथों की हड्डियां अधिक मजबूत हैं। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि महिलाओं के हाथों की अंगुलियों में सबसे पहले अस्टियोपोरोसिस की बीमारी के लक्षणों दिखाई देने लगते हैं।

कामकाजी महिलाएं कम सोती हैं

कामकाजी महिलाएं घर और कार्यालय की दोगुनी जिम्मेदारी संभालने के बावजूद पुरुषों की तुलना में कम नींद लेती हैं। एक नए अध्ययन में यह पता चला है। सिनसिनाटी यूनिवर्सिटी और मियामी यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डेविड मॉम और स्नातक छात्रों रैशेल सैबेस्टियान, एंथोनी बारडो ने इस अध्ययन में पाया कि काम का बोझ और घर-परिवार की जिम्मेदारी के कारण ही महिलाएं अच्छी नींद नहीं ले पातीं।

अध्ययन में 583 यूनियन वर्करों को शामिल किया गया था। इसमें पता चला कि शादी की चिंता और कार्यस्थल पर बढ़ती मांग के कारण महिलाओं की नींद प्रभावित होती है। अध्ययनकर्ताओं के मुताबिक नौकरीपेशा महिलाओं के पतियों में भी कम नींद आने की समस्या देखी गई लेकिन यह महिलाओं की तुलना में कम थी। अध्ययन के नतीजे अमेरिकन सोशियोलॉजिकल एसोसिएशन की सालाना बैठक में पेश किए गए। इसमें पाया गया कि महिलाओं पर कम नींद का असर देखने को मिलता है।

लिवर कैंसर लाइलाज नहीं

आमतौर पर लोग मानते हैं कि कैंसर का अंत मौत है, लेकिन यह सही नहीं है। ट्रांस आरटीरियल कीमो इम्बयुलेशन (टेस) तकनीक से लिवर कैंसर का सफल इलाज किया जा सकता है...

कैंसर को आमतौर पर लोग मौत का पर्याय मानते हैं, लेकिन कैंसर का इलाज संभव है। सही ट्रीटमेंट से उसकी जिंदगी में कुछ खूबसूरत साल और जुड़ जाते हैं। आज हम बात कर रहे हैं लिवर कैंसर की, जिसका टेस तकनीक से सफल इलाज हो सकता है। दुनियाभर में होने वाले अलग-अलग तरह के कैंसरों में लिवर कैंसर पांचवे नंबर पर आता है।

क्यों होता है लिवर कैंसर?

80 फीसदी केसों लिवर कैंसर का कारण पता नहीं चलता। 20 फीसदी वे लोग होते हैं, जो हैपेटाइटिस बी, सी से पीड़ित हैं या जिन्हें सोरोसिस हो। सोरासिस होने के साथ जो शराब का सेवन भी करते हैं, उन्हें लिवर कैंसर होने की संभावना अधिक बढ़ जाती है। जिन लोगों के शरीर में फंगल इंफैक्शन हो जाती है, उन्हें भी लिवर कैंसर होने की संभावना रहती है।

लिवर कैंसर की पहचान

- वजन अचानक कम होना
- अपर अब्डॉमन के दाईं ओर लगातार दर्द रहना
- पेट के आसपास सूजन व पेट फूलने लगना
- शरीर लगातार कमजोर होता जाना
- उल्टियां आनी शुरू हो जाना
- बुखार चढ़ता-उतरता रहना
- पीलिया हो जाना
- यूरिन का रंग काला हो जाना

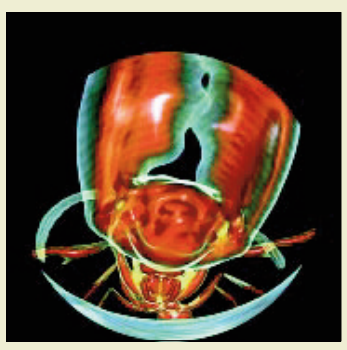

अगर ये लक्षण किसी व्यक्ति में दिखाई दें, तो यह जरूरी नहीं कि उसे लिवर कैंसर ही है, लेकिन ये लक्षण दिखने पर लापरवाही न बरतें और डॉक्टर से अपना पूरा चैकअप करवाएं।

ट्रीटमैंट

टेस तकनीक- इसमें लिवर की एंजियोग्राफी की जाती है और कैंसर के ट्यूमर की सही स्थिति जानकर स्पैशल कैथल के जरिए रक्त कोशिकाओं में कीमोथैरेपी दवा इंजैक्ट की जाती है। दवा का सीधा असर ट्यूमर पर पड़ता और यह शरीर के बाकी हिस्सों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाती। इस थैरेपी से कैंसर का ट्यूमर छोटा होते हुए खत्म हो जाता है। इसमें छह से सात सप्ताह का समय लगता है।

पुरानी तकनीक में कीमोथैरेपी की दवा वेन और मुंह के रास्ते दी जाती है, जिसका असर शरीर के सभी हिस्सों पर पड़ता है। मरीज के सिर के बाल उड़ जाते हैं, किडनियां खराब होने का खतरा बढ़ जाता है, बोन मैरो कम होने लगता है, हड्डियां कमजोर हो जाती हैं और दिल पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। यह तकनीक काफी खर्चीली है।

आरएफए तकनीक- टेस का इस्तेमाल लिवर के दो या तीन ट्यूमर्स को रिमूव करने के लिए किया जाता है, लेकिन यदि किसी व्यक्ति के लिवर में मल्टीपल ट्यूमर्स हैं, तो आरएफए यानी रेडियो फ्रीक्वेंसी ऑफ एबलेटिव तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें सीटी स्कैन की मदद से नीडल इंजैक्ट की जाती है, जो अंदर जाकर छतरी की तरह ट्यूमर्स के आसपास खुल जाती है। इसमें हीट की मदद से ट्यूमर को रिमूव किया जाता है। इस ट्रीटमैंट पर 85 हजार रुपए खर्च आता है। इसमें मरीज को एक घंटे बाद घर भेज दिया जाता है। इसमें भी मरीज की लाइफ एक से सात साल तक बढ़ जाती है।

टेस से फायदा

इसमें कीमोथैरेपी की दवा एंजियोग्राफी की मदद से लिवर के उस हिस्से में इंजेक्ट की जाती है, जहां ट्यूमर बन चुका है। दवा सिर्फ ट्यूमर पर ही असर करती है, शरीर के दूसरे हिस्सों पर इसका कोई बुरा प्रभाव नहीं पड़ता। दवा इंजेक्ट करने के छह सप्ताह बाद चैक किया जाता है कि ट्यूमर पूरी तरह खत्म हुआ या नहीं। अगर नहीं, तो यह प्रक्रिया दोहराई जाती है। टेस तकनीक से इलाज कराने पर 50 हजार रुपए तक खर्च होते हैं।

- टेस ट्रीटमैंट के कुछ घंटों बाद व्यक्ति वह हर काम कर सकता है, जो वह पहले करता था।
- नैशनल सैंटर आफ इंस्टीट्यूट के एक सर्वे के मुताबिक 82 फीसदी लोग टेस से इलाज कराने के बाद एक साल से ज्यादा आरामदायक जीवन जीते हैं। 47 फीसदी तीन साल से ज्यादा, 26 फीसदी पांच साल से ज्यादा और 16 फीसदी सात साल से ज्यादा नॉर्मल लाइफ जी पाते है।

आयोडिन

जीवनभर में एक व्यक्ति को केवल एक चम्मच आयोडिन के सेवन की जरूरत होती है, लेकिन फिर भी बहुत से लोगों में इसकी कमी पाई जाती है। आयोडिन की कमी से आयोडिन डैफिशिएंसी डिस-ऑर्डर (आईडीडी) होने की संभावना सबसे अधिक रहती है। आईडीडी दुनियाभर में मेंटल रिटार्डेशन और ब्रेन डैमेज का प्रमुख कारण है। हालांकि आईडीडी का उपचार नहीं किया जा सकता, पर आयोडिन से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन करके इससे असानी से बचा जा सकता है। आयोडिन की कमी से बच्चे की ग्रोथ और डैवलपमैंट पर भी बुरा असर पड़ता है। घेघा यानी गॉयटर होने की प्रमुख वजह भी आयोडिन की कमी ही है।

सॉर्स: आयोडाइज्ड नमक, सी-फूड, अंडे, मीट, डेयरी प्रॉडक्ट्स, दालें, हरी पत्तेदार सब्जियां (जिस मिट्टी में इन्हें उगाया गया, उसमें मौजूद आयोडिन की मात्रा पर निर्भर करता है), आयोडिन सप्लीमैंट (आमतौर पर प्रैगनेंट महिलाओं को इसे लेने की सलाह दी जाती है)।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। पुराने मित्र मिलेंगें। शुभांक-4-6-7

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन का की कू घ ड छ के को हा

आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक ङ्क्षचताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-2-4-6

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

उच्चमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-1-3-5

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-6-8

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-8

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता हैं। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कलह विवाद का डर बना रहेगा। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-3-5-7

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा मे

कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेंगे। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभांक-1-4-8

मकर मे जा जी खी खू खे खो गा गी

आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-3-5-7

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-1-4-6

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 2004

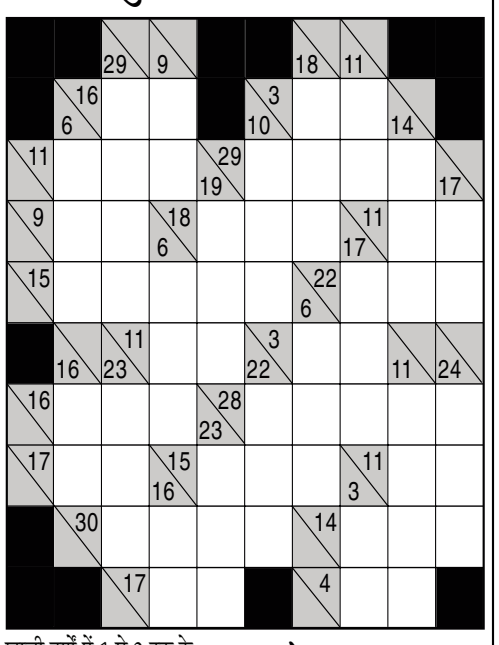

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

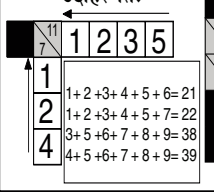

काकुरो - 2003 का हल

■	3 10		24 16		■	30 8		■
8	2	6	17	8	9	7	6	1
4	1	3	8 24	1	7	15 22	8	7
■	14	1	7	6	16	9	7	30
■	■	17 11	8	9	21 7	5	9	7
11 11		2	9	9 16	1	8	17	8
5	2	3	5	1	4	■	13	6
14	9	5	11 4	9	2	11 16	2	9
■	6	1	3	2	10	7	3	■
■	■	5	1	4	17	9	8	■

हंसी के फव्वारें

एक महिला दूसरी महिला से बोली- 'मेरे पति की याददाश्त बहुत कमजोर है.'

'वह कैसे ?'

'एक बार मैं चाट खाने गई तो देखा कि पतिदेव वहां पहले से ही जमे हुए हैं. मैंने जब उनका ध्यान अपनी ओर दिलाया तो बोले- 'बहन जी! आपको पहले भी कहीं देखा है. पर कहां, यह ठीक से याद नहीं पड़ रहा.'

'बस ?' दूसरी महिला हंसती हुई बोली- 'मेरे पति की याददाश्त तुम्हारे पति से भी ज्यादा कमजोर है.'

'तुम भी सुनाओ !'

'एक बार मैं उनके साथ फिल्म देखने गई. फिल्म देखने के बाद वे मुझे एक ओर खड़ा करके स्कूटर लेने चले गये. जब उन्हें गये काफी देर हो गई तो मैं अकेली ही घर पहुंच गई. मेरे दरवाजा खटखटाने पर दरवाजा उन्होंने खोला तो जानती हो बहन उन्होंने क्या पूछा ?'

'क्या पूछा ?'

'यही कि इतनी रात गये मैं कहां से आ रही हूं.'

□ □ □

एक दोस्त ने दूसरे से कहा- 'यार! यह सुरेश भी साला अजीब इन्सान है. जब देखो कड़की में ही मिलता है.'

'क्यों ? क्या वह तुमसे पैसे मांगने आया था ?' मित्र ने पूछा.

'नहीं ! लेकिन मैं जब कभी भी उससे पैसे मांगने जाता हूं, वह एक ही जवाब देता है- 'मेरे पास पैसे नहीं हैं'.'

फिल्म वर्ग पहेली- 2004

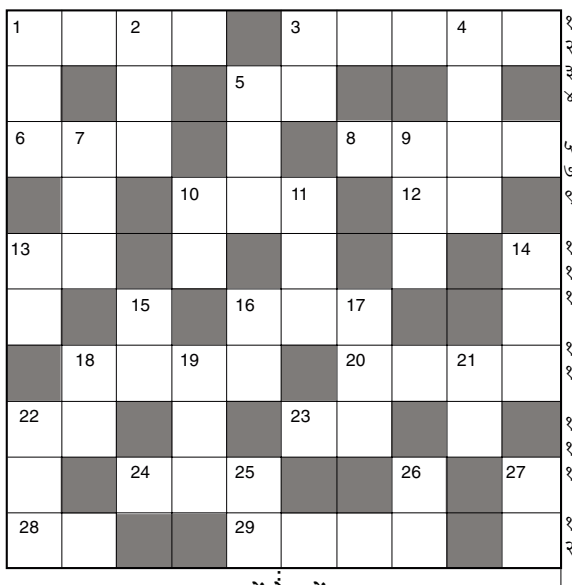

बायें से दायें:-

१. अक्षय खन्ना, करीना की प्रियदर्शन निर्देशित एक कॉमेडी फिल्म-४
३. 'झिलमिल सितारों का आँगन' गीत वाली धर्मेन्द्र, राखी की फिल्म-३,२
५. अजय, नाना, फरदीन, उर्मिला, रेखा की 'ये सर्द आहें' गीत वाली फिल्म-२
६. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, नूतन की 'बड़ी देर भई नंदलाला' गीत वाली फिल्म-४
१०. 'पर्दे में रहने दो' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा पारेख की फिल्म-३
१२. 'सीता और गीता' में संजीव के साथ वाली हेमामालिनी के पात्र का नाम-२
१३. 'शिकदुम शिकदुम' गीत वाली अभिषेक, उदय चोपड़ा, जॉन अब्राहम, ईशा देओल, रिमी सेन की फिल्म-२
१६. विकास भल्ला, काजोल की 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'आने वाला पल जाने' गीत वाली अमोल पालेकर, बिंदिया की फिल्म-४
२०. जैकी, मोहसिन खान, नीलम की 'एक तू ही मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'तेरा काम है जलना' गीत वाली राज कपूर और नर्गिस की फिल्म-२
२३. शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या, प्रिया की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२४. सुदर्शन नाग निर्देशित सनी देओल, नीलम की १९९१ की एक फिल्म-३
२८. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'हम भूलेंगे' गीत वाली अमिताभ, अरशद, करिश्मा की फिल्म-४

ऊपर से नीचेः-

१. शॉवरअली, तरूण अरोड़ा, मेघना की फिल्म-३
२. 'भागे रे मन' गीत वाली फिल्म-३
३. सनी, सलमान, करीश्मा, तब्बू की फिल्म-२
४. अमिताभ, दीपक, डिम्पल, करिश्मा की 'कभी खुशियों की' गीत वाली फिल्म-४
५. 'तेरे नाम' में सलमान की नायिका थी-३
७. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
९. 'जिंदगी इम्तिहान' गीत वाली अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
१०. नागार्जुन, अमला की एक फिल्म-२
११. सुनील शेट्टी, रवीना, करिश्मा, की फिल्म-३
१३. संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की 'बेनाम सा ये दर्द' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तुम ने दी आवाज' गीत वाली फिल्म-३
१५. सनी, अजय जडेजा, सेलिना की 'तुमको कितना है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'इस टूटे दिल' गीत वाली फिल्म-२
१७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला टैगोर की एक फिल्म-३
१८. 'अकेले ही अकेले चला' गीत वाली दिलीपकुमार, सायरा बानो की फिल्म-२
१९. आयूब खान, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. 'ऐ मेरी जिंदगी' गीत वाली जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
२२. राजकुमार, मीना की 'ठाड़े रहियो ओ बांके यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
२६. मनोज बाजपेयी, अरशद, तब्बू, शीबा की फिल्म-२
२७. 'कैसे कटे दिन' गीत वाली राजेश खन्ना, गोविंदा, जूही, माधवी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2003

पि	या	का	घ	र	■	ए	ल	ओ	सी
ता	रा	■	र	■	घा	त	■	म	■
■	ना	च	■	चाँ	■	रा	खी	■	फ
रे	■	मे	हं	दी	■	ज	■	खा	की
श	र्मी	ली	■	सो	च	■	श	■	रा
नी	■	■	ब	ना	र	सी	बा	बू	■
■	ग	द	र	■	स	■	ना	म	■
बा	ज	■	सा	थी	■	मि	■	■	अं
जा	ल	■	त	■	दि	ल	का	रा	जा
र	■	माँ	■	मि	ल	न	■	■	म

सूडोकु -2004

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2003 का हल

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

शब्द पहेली - 2004

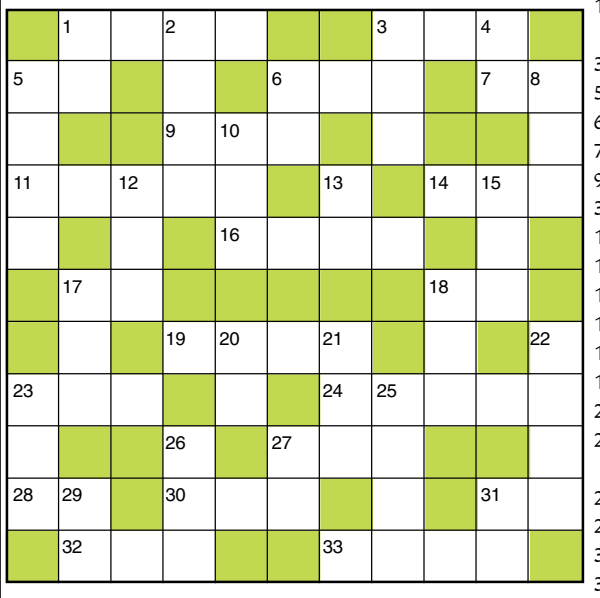

बाएँ से दाएँ

1. महीन व कीमती कपड़ा-4
3. गिरवी रखी वस्तु-3
5. चहा, पेय पदार्थ-2
6. ऐयार, गुप्तचर-3
7. संध्या, सांझ-2
9. रसद, किराणा सामग्री-3
11. करामात, करतब-5
14. विक्रय स्थल-3
16. कलाकार-4
17. चाहत, लगन-2
18. सद्, अच्छा-2
19. लंबा कोट-4
23. पानी की बूंद-3
24. कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
27. लोभ, लालसा-3
28. दौड़ना (अंग्रेजी-2)
30. रेखा, लाइन-3
31. अकुवा, आकड़ा-2
32. अव्यवस्थित भीड़-3
33. अचानक, सहसा-4

ऊपर से नीचे

1. शराब-2
2. सम्राट, शहंशाह-4
3. सांभर जैसा खाद्य-3
4. सरुर, मद-2
5. चापलूस-4
6. प्राण, जीवन तत्व-2
8. चिंतन-3
10. भद्र, कुलीन-3
12. अपराध-3
13. पिता का भाई-2
15. यात्री दल-3
17. प्रेम लगन-3
18. भ्रमर, जलावर्त-3
20. चमड़ी, त्वचा-2
21. अनुकृति-3
22. आर्द्रक-4
23. कटि, मध्यांग-3
25. हठ करना, जिद करना, रोना-4
26. साजन, सनम-3
27. थूक, लेस-2
29. भीगा हुआ-2
31. उम्मीद, आशा-2

शब्द पहेली -2003 का हल

■	स	ह	का	रि	ता	■	अ	चा	न	क
हा	र	■	य	■	ना	वि	क	■	त	र
थ	■	त	र	जु	मा	■	ल	ता	■	दा
मा	कू	ल	■	■	र	थ	■	क	वि	ता
र	■	घ	■	फ	ना	■	खा	■	र	■
ना	म	र	ख	ना	■	रा	ज	म	ह	ल
■	थ	■	त	■	मो	ह	■	ह	■	प
क	ना	त	■	रा	ह	■	■	क	पा	ल
र	■	ना	प	■	त	म	क	ना	■	पा
ता	ना	■	ली	ड	र	■	थ	■	का	ना
र	च	यि	ता	■	मा	ख	न	चो	र	■

राज्यसभा के लिए तृणमूल उम्मीदवार मेनका गुरुस्वामी होंगी देश की पहली समलैंगिक सांसद

एजेंसी

कोलकाता। तृणमूल ने प्रख्यात अधिवक्ता मेनका गुरुस्वामी को राज्यसभा के लिए उम्मीदवार घोषित किया है। यदि वह निर्वाचित होती हैं तो वह देश की पहली समलैंगिक सांसद बनेंगी। निर्वाचित होने पर वह देश की पहली समलैंगिक सांसद के रूप में इतिहास रच सकती हैं। मेनका गुरुस्वामी प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों से शिक्षित हैं। उन्होंने राष्ट्रीय विधि विद्यालय, हार्वर्ड विश्वविद्यालय तथा ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय जैसे अग्रणी संस्थानों में अध्ययन किया है। कानून के क्षेत्र में उनका लंबा और प्रभावशाली अनुभव रहा है तथा उन्होंने उच्चतम न्यायालय में अनेक महत्वपूर्ण मामलों में प्रभावी पैरवी की है। उनके पिता मोहन गुरुस्वामी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व रणनीतिकार रहे हैं। अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार में तत्कालीन केंद्रीय वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा के विशेष सलाहकार के रूप में भी उन्होंने कार्य किया था। हालांकि, पारिवारिक राजनीतिक पृष्ठभूमि से अलग मेनका ने अपने पेशेवर जीवन में स्वतंत्र पहचान बनाई। मेनका ने छत्तीसगढ़ में माओवादी विरोधी अभियान 'सलवा जुडूम' के विरुद्ध कानूनी लड़ाई लड़ी। मणिपुर में सेना पर लगे कथित हत्या के आरोपों से जुड़े मामलों में उन्होंने न्यायालय के मित्र के रूप में दायित्व निभाया। अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी हेलीकॉप्टर मामले में आरोपित पूर्व वायुसेना प्रमुख एसपी त्यागी की ओर से भी उन्होंने पैरवी की थी।

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त समझौते से वस्त्र उद्योग की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाएगा: सीपी राधाकृष्णन

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि भारत-यूरोपीय संघ मुक्त समझौता वस्त्र उद्योग की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाएगा। सीपी राधाकृष्णन ने यह बात आज तमिलनाडु के सलेम स्थित भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईएचटी) के नवनिर्मित शैक्षणिक भवन का उद्घाटन के अवसर पर कही। इस अवसर पर उन्होंने भारत की समृद्ध हथकरघा विरासत को तकनीक के साथ जोड़ने और इसे भविष्य के लिए तैयार एक 'रचनात्मक उद्योग' बनाने पर जोर दिया। उपराष्ट्रपति ने हथकरघा को भविष्य के लिए तैयार रचनात्मक उद्योग में बदलने का आह्वान करते हुए कहा कि आईआईएचटी सलेम स्वदेशी शिल्प कौशल और आधुनिक वस्त्र विज्ञान के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी का काम करता है। पारंपरिक ज्ञान को समकालीन तकनीक के साथ मिलाकर संस्थान ने उत्पादकता बढ़ाई है गुणवत्ता मानकों में सुधार किया है और बाजार-उन्मुख उत्पादन को सक्षम बनाया है।साथ ही हाथ से बुने हुए वस्त्रों की प्रामाणिकता को भी संरक्षित किया है।

बिहारी बिहारिन की रे मोपै यह छबि बरनी ना जाय...

मथुरा। ठाकुर बांके बिहारी महाराज के दरबार में रंगभरनी एकादशी पर सुबह से देरसायं तक बहुरंगी बौछार निरंतर जारी रही। दिव्य महोत्सव का शुभारम्भ करते हुए सेवायतों ने सबसे पहले सफेद पोशाक भूषण धारण कर मंदिर जगमोहन में सिंहासन पर विराजमान ठाकुरजी के श्रीचरणों में सोने-चाँदी की पिचकारी से केसरिया रंग समर्पित किया। भगवान के प्रतिनिधि स्वरूप सेवायतों ने रजत पिचकारी से भक्तों पर टेसू के फूल से बना रंग बरसाया जाने लगा। भगवान के कृपारूपी रंग में सराबोर होकर असंख्य भक्तजन आनंद के सागर में डूबते हुए बिहारी बिहारिन की रे मोपै यह छबि बरनी ना जाय जैसे प्राचीन होली के पद और रसियाओं का गायन करने लगे। रंगभरनी एकादशी पर मंदिर में चहुँओर इत्र, गुलाबजल, केसर की मनमोहक सुगंध के बीच भक्ति और मरतों का अदभुत संगम नजर आ रहा था। मंदिर से जुड़ी लगभग दो दर्जन से अधिक गलियों में ढोलक, मृदंग मंजीरा व चिमटा जैसे पुरातन वाध्ययंत्रों की मधुर गूँज के मध्य नाचते गाते अद्धालुओं की टोलियाँ निरंतर आगे बढ़ती जा रहीं थी। सभी भक्त अपने आराध्य श्री बांकेबिहारी महाराज के मंदिर में बरसते रसरंग की मात्र एक बूंद पाने को लालायित दिखाई दे रहे थे। इस माहौल से ब्रज-वृन्दावन में आज पुनः द्वापर युगीन नजारा साकार हो रहा था।

युवाओं ने अपनी मेहनत, सोच और नए प्रयोगों से भारत को बना दिया स्टार्टअप का बड़ा केंद्र : ओम बिरला

भोपाल। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि आज हमारे नौजवानों ने स्टार्टअप की एक नई दुनिया खड़ी कर दी है। अपनी मेहनत, सोच और नए प्रयोगों के दम पर उन्होंने भारत को स्टार्टअप का बड़ा केंद्र बना दिया है। अब हमारे युवा सिर्फ सपने नहीं देख रहे, बल्कि अपने नए विचारों से दुनिया की समस्याओं का हल भी दे रहे हैं। लोकसभा अध्यक्ष बिरला मध्य प्रदेश के इंदौर में वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय के 8वें दीक्षांत समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस गरिमामय कार्यक्रम का प्रारंभ वंदे मातरम्, राष्ट्रगान, पारंपरिक दीप प्रज्वलन और मां सरस्वती की वंदना के साथ हुआ। लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वैष्णव ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे समाजहित के कार्यों ने उन्हें इस समारोह में आने के लिए प्रेरित किया। डिग्री प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राएं अत्यंत सौभाग्यशाली हैं कि उन्हें इस प्रतिष्ठित संस्थान में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत का प्रगतिशील भविष्य पूरी तरह से युवाओं की ऊर्जा और उनके विजन पर निर्भर करता है।

कोलकाता पुलिस ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए उठाए दो बड़े कदम, सीएम ममता ने दी जानकारी

एजेंसी

कोलकाता । कोलकाता में महिलाओं की सुरक्षा और आत्मविश्वास को और बढ़ाने के लिए पुलिस आज से दो और पहल कर रही है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट से यह जानकारी दी। ममता बनर्जी ने लिखा, शहर के प्रमुख चौराहों पर कई महिला-नियंत्रित पिंक बूथ आज शाम से आधी रात तक चालू रहेंगे। शहर में मेरी बहनें इन बूथों पर किसी भी सहायता के लिए सीधे कोलकाता पुलिस की महिला अधिकारियों से संपर्क कर सकेंगी। उन्होंने लिखा कि दूसरा, आज शाम से कई 'शाइनिंग' (जैसा कि मैंने इन्हें नाम दिया है) महिला मोबाइल गश्ती दल भी रात 8 बजे से सुबह 2 बजे तक ईएम बाईपास और अन्य प्रमुख सड़कों पर गश्त करेंगे, जिनका उपयोग मेरी कामकाजी बहनें रात के समय करती

हैं। ममता बनर्जी ने आगे लिखा कि कोलकाता वर्षों से देश का सबसे सुरक्षित शहर बना हुआ है और मुझे विश्वास है कि ये दो अनूठी पहलें इसे और मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

बंगाल सरकार ने इसी महीने 'लक्ष्मी भंडार' योजना के भुगतान में भी बढ़ोतरी की है। 5 फरवरी को पश्चिम बंगाल सरकार की मासिक सहायता योजना 'लक्ष्मी भंडार' के तहत मिलने वाली रकम में हर लाभार्थी के लिए 500 रुपए की बढ़ोतरी की गई । पांच फरवरी को पश्चिम बंगाल की वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने सदन में पेश किए गए वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतरिम (वोट-ऑन-अकाउंट) बजट में यह प्रस्ताव रखा था।

जनरल कैटेगरी की महिलाओं को हर महीने 1 हजार रुपए मिलते हैं, जबकि शेड्यूल कास्ट और शेड्यूल ट्राइब कैटेगरी की महिलाओं को 1,200 रुपए मिलते हैं। अंतरिम बजट प्रस्ताव के अनुसार, जनरल कैटेगरी की महिलाओं को अब से हर महीने 1,500 रुपए मिलेंगे, जबकि शेड्यूल कास्ट और शेड्यूल ट्राइब कैटेगरी की महिलाओं को 1,700 रुपए मिलेंगे। अंतरिम बजट प्रस्तावों में 'लक्ष्मी भंडार' प्रोजेक्ट के तहत 15 हजार करोड़ रुपए का बजट अलॉट किया गया था।

बैंक फ्रॉड मामले में सीबीआई की बड़ी कार्रवाई, आरोपी आलोक अग्रवाल पर 5 लाख के जुर्माने और 7 साल की सजा

एजेंसी

जयपुर। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) द्वारा दर्ज एक पुराने बैंक फ्रॉड मामले में एसीजेएम (एसपीई केस) जयपुर ने आरोपी आलोक अग्रवाल को दोषी करार दिया है। कोर्ट ने 26 फरवरी 2026 को फैसला सुनाते हुए आलोक अग्रवाल को 7 वर्ष की सश्रम कारावास की सजा सुनाई और साथ ही 5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया। यह मामला 1997 का है, जिसमें विजया बैंक को लगभग 5 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ था। सीबीआई ने 21 नवंबर 1997 को सोर्स की सूचना पर यह मामला दर्ज किया था। आरोपियों में उस समय विजया बैंक के ब्रांच मैनेजर एस. आर. लालवानी, एम. आर. शेट्टी, मेसर्स प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर एस. एस. शर्मा और एस. एम. अग्रवाल शामिल थे। जांच में पाया गया कि आरोपियों ने आपराधिक साजिश रचकर बैंक से लोन लिया और नकली कंपनियों में बिना वास्तविक सामान के लेन-देन दिखाकर धन हड़प लिया। आरोपियों ने पैसा विभिन्न माध्यमों से लगाया, जिसे बाद में उनके कर्मचारियों ने निकालकर कैश में आरोपियों को सौंप दिया। इससे आरोपियों को गलत तरीके से 4,99,71,944 रुपए का लाभ हुआ और बैंक को इतना ही नुकसान पहुंचा।सीबीआई ने जांच पूरी करने के बाद 28 सितंबर 2001 को एस. एम. अग्रवाल और अरुण अग्रवाल के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। बाद में 3 अक्टूबर 2002 को आरोपी आलोक अग्रवाल के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट पेश की गई।

शिवराज सिंह चौहान की लोगों से अपील-सड़क हादसों में घायलों की मदद करें, तमाशबीन न बनें

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को कहा कि सड़क दुर्घटना में घायल को अस्पताल पहुंचाकर उसकी मदद की जाए तो जान बचाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि अकसर लोग सड़क दुर्घटना के समय मोबाइल से वीडियो बनाते हैं और तमाशबीन बने रहते हैं, लेकिन एक मदद किसी की जान बचा सकती है। एक घटना का जिक्र करते हुए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, 'मैं भोपाल से ग्वालियर की ओर एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहा था। रास्ते में सड़क किनारे एक घायल युवक अचेत अवस्था में दिखाई दिया। चारों ओर भीड़ थी। लोग खड़े थे, देख रहे थे, पर कोई मदद के लिए आगे नहीं बढ़ रहा था। मैंने तुरंत गाड़ी रुकवाई, घायल युवक के पास पहुंचा और अपनी गाड़ी से उसे अस्पताल ले गया। साथ ही डॉक्टर से बातचीत कर समुचित उपचार की व्यवस्था की। हमने अक्सर देखा है कि इस तरह की घटनाओं में हम मदद के लिए हाथ बढ़ाने की बजाय तमाशबीन बनकर देखते रहते हैं, जिससे कीमती समय व्यर्थ हो जाता है और घायल व्यक्ति का जीवन खतरे में पड़ जाता है। एक अध्ययन के अनुसार हर वर्ष लगभग डेढ़ लाख से अधिक लोग सड़क

दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवाते हैं। विशेषज्ञ बताते हैं कि यदि घायल को 'गोल्डन ऑवर' में उपचार मिल जाए, तो लगभग 50 प्रतिशत जीवन बचाए जा सकते हैं।केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, 'सोचिए, हमारी छोटी सी मदद और समय पर बढ़ाया गया एक हाथ कितनी माताओं की गोद सूनी होने से बचा सकता है, कितने बच्चों के सिर से पिता का साया हटने से रोक सकता है और कितनी बहनों के विश्वास को टूटने से बचा सकता है। मित्रों, किसी का जीवन बचाना सबसे बड़ा पुण्य है। सेवा ही सच्चा धर्म है और परोपकार ही हमारा कर्तव्य है। जब भी ऐसी स्थिति सामने आए तो आगे बढ़िए और मदद कीजिए। आपकी एक मदद किसी का जीवन बचा सकती है। ' उन्होंने कहा कि अकसर लोग मदद करने से डर जाते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि कानूनी झंझट का सामना करना पड़ेगा, लेकिन ऐसा नहीं है। अब तो सरकार भी लोगों को प्रोत्साहित करती है कि वे सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की मदद करें।

मणिपुर में विभिन्न अभियानों में उग्रवादी संगठन प्रीपाक (प्रो) के चार कैडर गिरफ्तार

एजेंसी

इंफाल । मणिपुर में पुलिस एवं सुरक्षा बलों का उग्रवादियों की धर-पकड़ अभियान राज्य के विभिन्न हिस्सों में लगातार जारी है। बीते 24 घंटों के दौरान प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन प्रीपाक (प्रो) के कई कैडरों को गिरफ्तार किया गया है। उनसे आगे की पूछताछ जारी है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा शनिवार सुबह दी गयी जानकारी के अनुसार सुरक्षा बलों ने प्रीपाक (प्रो) के एक सक्रिय कैडर क्षेत्रीमयुम लाइबा मैतेई (42) को इंफाल वेस्ट जिलांतर्गत लामडेंग खुनौ स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया। उसके पास से मोबाइल फोन और पहचान पत्र बरामद किया है।

दूसरे अभियान में सुरक्षा बलों ने प्रीपाक (प्रो) के एक सक्रिय कैडर खुराइजम रोजित कुमार सिंह (37) को गिरफ्तार किया। कैडर को इंफाल वेस्ट जिले में स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति के पास से एक मोबाइल फोन और एक आधार कार्ड बरामद हुआ है। तीसरे अभियान में सुरक्षा बलों ने धौबल जिला के उयाल माखा लेइकाई इलाके से धन उग्राही में शामिल प्रीपाक (प्रो) के एक

सक्रिय कैडर को गिरफ्तार किया गया।

उसकी पहचान थोकचोम रबीचंद्र सिंह (36) के रूप में की गयी है। कैडर थौबल जिला के हीरोक पार्ट-।।, बाजार लाइकोल लेइकाई का रहने वाला है। उसके पास से एक मोबाइल फ़ोन जब्त किया गया। चौथी कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने इंफाल व्सेट जिले के खुमान लम्पक इलाके से प्रीपाक (प्रो) के एक सक्रिय कैडर ओइनम धनंजय सिंह (36) को इंफाल वेस्ट जिले के लिवा रोड माईबाम लेइकाई से गिरफ्तार किया। उसके पास से दो सीम कार्ड के साथ एक मोबाइल फ़ोन जब्त किया गया।

पुलिस विभिन्न थानों में उपरोक्त उग्रवादी कैडरों के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज कर आगे की जांच कर रही है।

सीएम रेड्डी ने आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया

एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों को समाज में सम्मान के साथ रहने में मदद करने के लिए सभी आवश्यक समर्थन का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि वापस आए माओवादियों को सुरक्षा और दूसरे पुनर्वास के फायदे देने में कोई कमी नहीं होगी। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने यह भरोसा तब दिया जब हाल ही में सरेंडर करने वाले बैन सीपीआई (माओवादी) के छह टॉप कैडर उनसे मिलने आए। डीजीपी ऑफिस के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने पुराने माओवादी नेताओं से आमने-सामने बात की। उन्होंने उन्हें जंगलों में कई साल बिताने के बाद डेमोक्रेटिक रास्ता चुनने के लिए बधाई दी।मुख्यमंत्री ने कहा कि हिंसा किसी भी समस्या का पक्का हल नहीं दे सकती और लोगों की उम्मीदें सिर्फ डेमोक्रेटिक तरीकों से ही पूरी हो सकती हैं। कैडर ने हथियारबंद लड़ाई छोड़कर मेनस्ट्रीम में आने का मौका

देने के लिए मुख्यमंत्री और सरकार को धन्यवाद दिया। उन्होंने उनसे पड़ोसी राज्यों की मौजूदा पॉलिसी के हिसाब से वापस आए कैडर के लिए राहत और पुनर्वास पैकेज बढ़ाने की भी अपील की। डीजीपी शिवधर रेड्डी के मुताबिक, वापस आए माओवादियों को उनके कहने पर मुख्यमंत्री से मिलने का मौका दिया गया। डीजीपी ने कहा कि मुख्यमंत्री के कहने पर, पिछले दो सालों में राज्य भर में कुल 591 माओवादी फिर से जुड़ गए हैं, और अब वे आम नागरिकों की तरह नॉर्मल जिंदगी जी रहे हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस डिपार्टमेंट की मिलकर की गई कोशिशों और सरकार की बेहतर रिहैबिलिटेशन पॉलिसी से टॉप नेताओं में भी बदलाव आया है, जिससे उन्होंने डेमोक्रेटिक सिस्टम में नए सिरे से विश्वास के साथ समाज में फिर से जुड़ने का फैसला किया। राज्य सचिवालय में मुख्यमंत्री से मिलने वाले सरेंडर करने वाले माओवादियों में थिप्पिरी तिरुपति उर्फ देवूजी शामिल हैं, जो सीपीआई (माओवादी) के सेंट्रल कमेटी मेंबर, पोलित ब्यूरो मेंबर और सेंट्रल मिलिट्री कमीशन (सीएमसी) इंचार्ज थे, और मल्ला राजी रेड्डी उर्फ संग्राम। पोथुला कल्पना उर्फ सुजाता, पुल्लुरी प्रसाद राव उर्फ चंद्रन्ना, दोनों पूर्व सेंट्रल कमेटी मेंबर, बड़े चोक्का राव उर्फ दामोदर, जो तेलंगाना स्टेट कमेटी (टीएससी) सेक्रेटरी थे, और नुने नरसिम्हा रेड्डी उर्फ ??गंगन्ना, पूर्व स्टेट कमेटी मेंबर, ने भी मुख्यमंत्री से मुलाकात की।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ 'वायु शक्ति-2026' का राज्यपाल ने किया अवलोकन

एजेंसी

जैसलमेर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ जैसलमेर पोखरण में 'वायु शक्ति-2026' अभ्यास का अवलोकन किया।

इस दौरान उन्होंने भारतीय वायु सेना द्वारा युद्धाभ्यास में भारतीय रक्षा प्रौद्योगिकी, युद्ध अभियानों से जुड़े सेना के शौर्य प्रदर्शन 'वायु शक्ति-2026' के उत्कृष्ट प्रदर्शन का अवलोकन किया।

उन्होंने अग्रणी लड़ाकू विमानों से लेकर उन्नत वायु रक्षा प्रणालियों और आत्मनिर्भर भारत की बढ़ती रक्षा ताकत के प्रदर्शन को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने सेना की बहादुरी, समर्पण और पेशेवर उत्कृष्टता और उम्दा युद्धाभ्यास की सराहना की।

बंगाल में बेलडांगा हिंसा मामले की जांच एनआईए को सौंपी, सात आरोपित सात दिन की हिरासत में

एजेंसी

कोलकाता। लंबे गतिरोध के बाद पश्चिम बंगाल पुलिस ने मुर्शिदाबाद जिले के अल्पसंख्यक बहुल बेलडांगा में हुई हालिया हिंसा मामले की केस डायरी राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंपने पर सहमति दे दी। यह जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी को कलकत्ता हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से अनुमति मिलने के बाद सौंपी गई है।

राज्य पुलिस ने कोलकाता की एक ट्रायल अदालत को भी केस डायरी एनआईए को सौंपने के अपने निर्णय की जानकारी दी। इसके बाद अदालत ने सात आरोपितों को सात दिनों की एनआईए हिरासत में भेजने का आदेश दिया। शेष 24 आरोपित इस अवधि के दौरान न्यायिक हिरासत में रहेंगे। जब ट्रायल कोर्ट ने राज्य पुलिस को केस डायरी एनआईए को सौंपने का निर्देश दिया, तब राज्य पुलिस के वकील ने अदालत कक्ष में ही दस्तावेज तत्काल हस्तांतरित करने की पेशकश की।

पूर्व भाजपा नेता म्होनलुमो किकोन को एनपीपी महासचिव नियुक्त किया गया

एजेंसी

शिलांग/कोहिमा । नागालैंड से भाजपा के पूर्व विधायक और पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता, म्होनलुमो किकोन को तुरंत प्रभाव से नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) का महासचिव (राजनीतिक) नियुक्त किया गया है, पार्टी सूत्रों ने यह जानकारी दी। शिलांग में एनपीपी के सूत्रों ने बताया कि यह अपॉइंटमेंट पार्टी के नेशनल प्रेसिडेंट और मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा ने किया है। अपने नए रोल में, किकोन को नॉर्थ-ईस्ट राज्यों में अलग-अलग राजनीतिक पार्टियों और स्टेकहोल्डर्स के साथ स्ट्रक्चर्ड कोऑर्डिनेशन और बातचीत की जिम्मेदारी दी गई है। उनके काम में 'वन नॉर्थ-ईस्ट' के विजन को पूरा करने के लिए स्ट्रेटेजिक अलाइनमेंट और कंसल्टेशन को आसान बनाना शामिल है। एनपीपी के एक बयान के मुताबिक, वह राजनीतिक बदलाव का रिव्यू करने, चुनावी तैयारियों का अंदाजा लगाने और इंटर-स्टेट ऑर्गेनाइजेशनल मामलों को सुलझाने के लिए पूरे इलाके के सभी प्रदेश अध्यक्ष और ऑफिस-बेयरर के साथ कोऑर्डिनेट करेंगे।

वह पॉलिसी में तालमेल और पॉलिटिकल कोऑर्डिनेशन पक्का

करने के लिए पार्टी के चुने हुए मेंबर, मेंबर और दूसरे रिप्रेजेंटेटिव के साथ रेगुलर कंसल्टेशन भी करेंगे।

बयान में कहा गया, 'उन्हें पार्टी की मौजूदगी और पहुंच बढ़ाने के मकसद से डेडिकेटेड पॉलिटिकल प्रोग्राम, कंसल्टेशन, कन्वेंशन और आउटरीच इनिशिएटिव को डिजाइन और सुपरवाइज करने की भी जिम्मेदारी दी गई है। सभी स्टेट यूनिट और पार्टी के पदाधिकारियों को उन्हें पूरा सहयोग देने का निर्देश दिया जाता है। '

भंडारी चुनाव क्षेत्र से नागालैंड विधानसभा के पूर्व सदस्य किकोन पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से जुड़े थे, जहां उन्होंने राष्ट्रीय प्रवक्ता के तौर पर काम किया। पार्टी से इस्तीफा देने से पहले उन्हें मिजोरम के लिए भाजपा प्रभारी भी बनाया गया था।

एक विद्वान, कवि और सामाजिक कार्यकर्ता से नेता बने किकोन ने 7 अगस्त, 2025 को भाजपा की प्राइमरी और एक्टिव मेंबरशिप से इस्तीफा दे दिया। उस समय वह पूर्वोत्तर से भाजपा के अकेले राष्ट्रीय प्रवक्ता थे।

इस बीच, 4 नवंबर, 2025 को, एनपीपी और टिपरा मोथा पार्टी (टीएमपी) ने, पूर्वोत्तर राज्यों की कई दूसरी क्षेत्रीय पार्टियों और नेताओं के साथ, नई दिल्ली में एक समिट के बाद एक कॉमन बैनर के तहत एक नया रीजनल पॉलिटिकल फ्रंट बनाने के अपने फैसले का ऐलान किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की वित्त एवं विनियोग विधेयक पर जवाब के दौरान महत्वपूर्ण घोषणाएं

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान विधानसभा में वित्त एवं विनियोग विधेयक पर जवाब के दौरान प्रदेश के सर्वांगीण विकास हेतु कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की। मुख्यमंत्री ने युवाओं को एक बार फिर बड़ी सौगात देते हुए आगामी वर्ष में 1 लाख 25 हजार पदों पर भर्ती हेतु कैलेंडर जारी करने की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि युवाओं के कौशल विकास तथा उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए जयपुर में 450 करोड़ रुपये की लागत से अटल बिहारी वाजपेयी ग्लोबल सेंटर फॉर एडवांस्ड स्किलिंग स्थापित किया जाएगा। शर्मा ने विरासत संरक्षण के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए माउंट आबू का नाम 'आबू राज', जहाजपुर का नाम 'यज्ञपुर' तथा कामां का नाम 'काम वन' करने की घोषणा की। उन्होंने संकल्प पत्र में 2 हजार 700 रुपये प्रति क्विंटल एमएसपी पर गेंहू खरीद का वादा पूरा करते हुए आगामी वर्ष में 150 रुपये बोनस के साथ गेहूं की खरीद 2,735 रुपये प्रति क्विंटल से करने की घोषणा की। अन्य प्रमुख घोषणाएं इस प्रकार हैं:-

- पंचायतीराज संस्थाओं एवं नगरीय निकायों को राज्य वित्त आयोग की सिफारिश के अनुसार आगामी वर्ष में 9 हजार 200 करोड़ रुपये।
- स्कूलों की आधारभूत संरचना सुदृढ़ करने हेतु 2,000 करोड़ रुपये का विद्यालय आधारभूत संरचना कोष बनाया जाएगा।
- वीबी जी राम जी योजना के अंतर्गत 4,000 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे।
- सामाजिक सुरक्षा के अंतर्गत पेंशन राशि में 150 रुपये की वृद्धि कर इसे 1,450 रुपये प्रतिमाह किया जाएगा।
- 653 करोड़ 59 लाख रुपये की लागत से सिंचाई सुविधाओं से संबंधित कार्य होंगे।
- मिसिंग लिंक सड़कों के लिए 500 करोड़ रुपये के अतिरिक्त प्रावधान की घोषणा।
- 900 करोड़ रुपये से अधिक लागत के सड़क निर्माण, चौड़ीकरण, सुदृढ़ीकरण एवं पुल निर्माण कार्य कराए जाएंगे।
- 83 करोड़ 25 लाख रुपये की लागत से पेयजल क्षेत्र में विभिन्न जिलों में नई पाइपलाइन, उच्च जलाशय निर्माण, नलकूप स्थापना एवं पारंपरिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन कार्य करवाए जाएंगे।
- ऊर्जा क्षेत्र में 132 केवी के दो एवं 33/11 केवी के ग्यारह जीएसएस स्थापित किए जाएंगे।
- 33 केवी तक विद्युत कनेक्शन की प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा।
- नॉन एससी/एसटी श्रेणी के काश्तकारों को अपनी कृषि भूमि का अक्षय ऊर्जा परियोजना हेतु भू-रूपान्तरण, अप्रोच रोड के लिए स्वप्रमाणन के आधार पर, सम्बन्धित उपखण्ड अधिकारी या सहायक आयुक्त, उपनिवेशन के स्तर पर ही किये जाने की व्यवस्था।
- जयपुर मेट्रो के द्वितीय चरण में लगभग 42.80 किलोमीटर, 13,600 करोड़ रुपये लागत के कार्य शीघ्र प्रारंभ किए जाएंगे।
- जयपुर में द्रव्यवती नदी पर 36 किलोमीटर लंबी एलिवेटेड रोड की डीपीआर तैयार की जाएगी।
- रोडवेज के लिए 300 नई बसें खरीदी जाएंगी। उप नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लिए 1 हजार नए परमिट।
- संभाग मुख्यालयों एवं बड़े शहरों में 20 टाउन प्लानिंग योजनाएं।
- भिवाड़ी में जल भराव की समस्या दूर करने के लिए 150 करोड़ रुपये के कार्य।
- बालोतरा जिले में कौशल विकास हब बनेगा।
- औद्योगिक क्षेत्रों में पेयजल एवं विद्युत व्यवस्था सुदृढ़ करने हेतु 300 करोड़ रुपये।
- पंजीकृत दुकानों एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को 24 घंटे संचालित करने की अनुमति का प्रस्ताव।
- 25 हजार दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण तथा 2,500 दिव्यांगजनों को निःशुल्क स्कूटी।

मुंबई पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अंधेरी होटल में अंतरराष्ट्रीय सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, दो विदेशी महिलाएं की गईं रेस्क्यू

एजेंसी

मुंबई। मुंबई पुलिस ने मानव तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अंधेरी पूर्व के एक होटल में चल रहे अंतरराष्ट्रीय सेक्स रैकेट का पर्दाफाश किया है। नौकरी का झांसा देकर भारत लाई गई युगांडा की दो विदेशी महिलाओं को जबरन देह व्यापार में धकेले जाने का आरोप है। पुलिस ने होटल के चार कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है, जबकि होटल मालिक और एक केन्याई महिला, जो इस रैकेट की मुख्य कड़ी बताई जा रही है, फरार हैं। मुंबई पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई सांताक्रूज पुलिस स्टेशन की एक महिला अधिकारी की शिकायत पर की गई। पुलिस को अंधेरी (पूर्व) के एके रोड स्थित होटल विला पैलेस में संदिग्ध गतिविधियों की गोपनीय सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। जांच में पता चला कि 30 और 36 साल की दोनों युगांडाई महिलाओं को रोजगार दिलाने के बहाने भारत लाया गया था। बाद में उन्हें होटल में ही रखा गया और ग्राहकों के लिए मजबूर किया गया। पुलिस के अनुसार, केन्याई नागरिक जैस्मीन ने महिलाओं को मुंबई लाने, उनके ठहरने और ग्राहकों की व्यवस्था करने में अहम भूमिका निभाई। पीड़ित महिलाओं की आवाजाही पर भी सख्त पाबंदी थी। मामले की जांच में विदेशी नागरिकों से जुड़े नियमों के गंभीर उल्लंघन भी सामने आए। होटल प्रबंधन ने न तो विदेशी मेहमानों का सही रिकॉर्ड रखा और न ही अनिवार्य सी-फॉर्म जमा किया। महिलाओं का नाम होटल रजिस्टर में दर्ज न होना पुलिस को साजिश और सबूत छिपाने की ओर इशारा करता है।

छापेमारी के दौरान होटल मैनेजर विवेककुमार वैद्यनाथ यादव (26) और हाउसकीपिंग स्टाफ के अनिल कुमार जोकू पुष्पाकर (24), धीरज मधुकर जावले (35) और महेश राजपाल राजवरिया (45) को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस अब होटल मालिक अक्षय दिलीप शेडगे और फरार केन्याई महिला जैस्मिन की तलाश में जुटी है। होटल के सीसीटीवी फुटेज जब्त कर लिए गए हैं और उनकी बारीकी से जांच की जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, यह मामला सिर्फ एक होटल तक सीमित नहीं हो सकता। अंतरराष्ट्रीय मानव तस्करी के बड़े नेटवर्क की आशंका जताई जा रही है और जांच आगे बढ़ने के साथ और खुलासे व गिरफ्तारियां संभव हैं।

भारत बनाम वेस्टइंडीज: सेमीफाइनल की राह तय करेगा कोलकाता का महामुकाबला, मौसम देगा पूरा साथ

कोलकाता (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 का सबसे अहम मुकाबला 1 मार्च को कोलकाता के ईडन गार्डन में खेला जाएगा, जहां भारत और वेस्टइंडीज के बीच विजेता ही सेमीफाइनल में पहुंचेगा। यह मैच किसी क्वार्टरफाइनल से कम नहीं माना जा रहा है क्योंकि दोनों टीमों के पास आगे बढ़ने का यही आखिरी मौका है। भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 72 रनों की दमदार जीत के साथ अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा है। अब टीम इंडिया को शाई होप की अगुवाई वाली वेस्टइंडीज को हराना अनिवार्य है। दूसरी ओर वेस्टइंडीज भी जीत के साथ सीधे सेमीफाइनल में प्रवेश कर सकती है, जिससे मुकाबला और भी रोमांचक बन गया है।

मुकाबला रविवार शाम 7 बजे शुरू होगा, जबकि टॉस 6:30 बजे होगा। ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स इस हाई-वोल्टेज मैच का गवाह बनने जा रहा है। फैंस के मन में सबसे बड़ा सवाल मौसम को लेकर है क्या बारिश मैच बिगाड़ सकती है? शुरुआती रिपोर्ट्स के अनुसार, राहत की खबर है कि 1 मार्च को कोलकाता में बारिश की कोई संभावना नहीं है। मैच के दौरान आसमान साफ रहने की उम्मीद है। दिन में तापमान लगभग 34 डिग्री सेल्सियस तक और शाम को 25-26 डिग्री सेल्सियस तक रहने की संभावना है। कुल मिलाकर मौसम क्रिकेट के लिए आदर्श माना जा रहा है और फैंस को पूरे 40 ओवर का खेल देखने को मिल सकता है।

हालांकि बारिश की संभावना कम है, लेकिन यदि मैच किसी कारणवश रद्द होता है तो स्थिति दिलचस्प हो जाएगी। फिलहाल दोनों टीमों के पास 2-2 अंक हैं। मैच रद्द होने पर दोनों को एक-एक अंक मिलेगा और अंक तीन हो जाएंगे। ऐसी स्थिति में बेहतर नेट रन रेट होने

के कारण वेस्टइंडीज सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर सकती है, जिससे भारत का सफर यहीं समाप्त हो सकता है। ऐसे में भारत को न सिर्फ जीत, बल्कि मौसम के पूरी तरह साथ देने की भी उम्मीद रहेगी। अब देखना है कि ईडन गार्डन्स में कौन सी टीम अपना 'करो या मरो' मुकाबला जीतकर अंतिम-चार में जगह बनाती है।

टीम इस प्रकार है

भारत: अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शिवम दुबे, हार्दिक पांड्या, रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, संजू सैमसन, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, मोहम्मद सिराज।

वेस्टइंडीज : ब्रैंडन किंग, शाइ होप (विकेटकीपर/कप्तान), शिमरन हेटमायर, रोवमैन पॉवेल, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड, जेसन होल्डर, मैथ्यू फोर्ड, अकील होसेन, गुडाकेश मोटी, शमार जोसेफ, क्वेंटिन सैम्पसन, जेडन सील्स, रोस्टन चेस, जॉनसन चार्ल्स।

आवासीय प्लॉट के कथित दुरुपयोग पर महेंद्र सिंह धोनी को नोटिस, हाउसिंग बोर्ड ने मांगा स्पष्टीकरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को झारखंड स्टेट हाउसिंग बोर्ड की ओर से रांची में आवासीय प्लॉट के कथित दुरुपयोग के मामले में नोटिस जारी किया गया है। बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है। धोनी जहां एक ओर आईपीएल 2026 में खेलने की तैयारी कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर यह विवाद उनके पुराने आवास से जुड़े उपयोग को लेकर चर्चा में है। हाउसिंग बोर्ड के अनुसार धोनी को जो प्लॉट आवंटित किया गया था, वह केवल आवासीय उपयोग के लिए था, लेकिन आरोप है कि वहां व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। इसे आवंटन की शर्तों का उल्लंघन माना जा रहा है। बोर्ड की ओर से भेजे गए नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि व्यावसायिक उपयोग की अनुमति नहीं थी।

झारखंड स्टेट हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष संजयलाल पासवान ने बताया कि क्षेत्र में कई प्लॉट आवासीय उद्देश्य से दिए गए थे, लेकिन जांच में खुलासा हुआ कि कुछ भूखंडों पर व्यवसायिक कार्य किए जा रहे हैं। इसी आधार पर धोनी सहित कई अन्य लोगों को स्पष्टीकरण के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। हाउसिंग बोर्ड के मुताबिक यह अंतिम नोटिस है और यदि निर्धारित समय के भीतर संतोषजनक जवाब नहीं मिलता है, तो प्लॉट के आवंटन को रद्द करने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। मामले की जांच जारी है और रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी। धोनी फिलहाल रांची के रिंग रोड स्थित अपने नए आवास में रहते हैं। विवादित संपत्ति उनका पुराना घर है, जो हरमू रोड पर स्थित है। आरोप है कि इस संपत्ति में एक डायग्नोस्टिक सेंटर संचालित किया जा रहा था, जिसके बाद हाउसिंग बोर्ड ने जांच आरंभ की। इसी क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी के राज्य कार्यालय को भी आवासीय भूखंड के कथित दुरुपयोग पर पहले नोटिस जारी किया जा चुका है। इधर, धोनी मैदान पर वापसी को लेकर भी सुर्खियों में हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह चुके धोनी 28 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल 2026 में एक बार फिर खेलते नजर आएंगे। उनकी उपस्थिति को लेकर प्रशंसकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

वानखेड़े में रवि शास्त्री के नाम पर स्टैंड, तीन दिग्गज खिलाड़ियों के नाम पर होंगे स्टेडियम के गेट

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने मुंबई और भारतीय क्रिकेट की गौरवशाली विरासत को सम्मान देने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। एसोसिएशन ने निर्णय लिया है कि मुंबई के प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम में लेवल-1 स्टैंड का नाम पूर्व भारतीय ऑलराउंडर रवि शास्त्री के नाम पर रखा जाएगा। इसी के साथ स्टेडियम के तीन प्रमुख गेट भी शहर के कुछ महान खिलाड़ियों को समर्पित किए जाएंगे। यह फैसला एमसीए की हालिया एपेक्स काउंसिल बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया।

एमसीए ने बताया कि प्रेस बॉक्स के ठीक नीचे स्थित लेवल-1 स्टैंड अब रवि शास्त्री के नाम से जाना जाएगा। खिलाड़ी, कप्तान, कोच और कमेंटेटर के रूप में भारतीय क्रिकेट को उनके अमूल्य योगदान के सम्मान में यह निर्णय लिया गया है। भारतीय क्रिकेट में चार दशक से अधिक समय तक उनकी भूमिका ने उन्हें खेल का एक बड़ा चेहरा बनाया है। स्टेडियम के गेट भी मुंबई क्रिकेट के तीन दिग्गजों को सम्मानित करेंगे। गेट नंबर 3 का नाम महान बल्लेबाज दिलीप सरदेसाई के नाम पर रखा जाएगा, जिन्होंने 30 टेस्ट मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया। गेट नंबर 5 महिला क्रिकेट की अग्रणी हस्तियों में शामिल डायना एडुल्जी को समर्पित होगा, जिन्होंने भारतीय महिला क्रिकेट को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में अहम योगदान दिया। वहीं गेट नंबर 6 अब प्रसिद्ध ऑलराउंडर और क्लोज-इन फील्डर एकनाथ सोलकर के नाम से जाना जाएगा, जो अपनी फुर्ती और साहसिक फील्डिंग के लिए याद किए जाते हैं। एमसीए अध्यक्ष अजींक्य नाइक ने कहा कि मुंबई क्रिकेट की मजबूत आधारशिला इन खिलाड़ियों ने अपने खेल और अनुशासन से तैयार की है। उन्होंने कहा कि इन दिग्गजों का सम्मान करना न केवल अतीत की विरासत को सलाम करना है, बल्कि भावी पीढ़ियों को प्रेरणा देना भी है। उन्होंने कहा कि स्टेडियम में प्रवेश करने वाले हर दर्शक को अब मुंबई क्रिकेट की गौरवशाली यात्रा और इन महान खिलाड़ियों के योगदान की याद ताजा होगी। एमसीए के इस फैसले को क्रिकेट जगत में सराहनीय कदम माना जा रहा है, क्योंकि इससे शहर की क्रिकेट संस्कृति और खिलाड़ियों की विरासत को नए सिरे से

टी20 वर्ल्ड कप 2026: दक्षिण अफ्रीका की जीत की लय पर जिम्बाब्वे की चुनौती

-अरुण जेटली स्टेडियम में होगा हाई-स्टेक मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 चरण में रविवार दोपहर नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका जिम्बाब्वे आमने-सामने होंगी। प्रोटियाज अपनी अजेय लय को सात मैचों तक बढ़ाना चाहेंगे, जबकि जिम्बाब्वे टूर्नामेंट का समापन सम्मानजनक तरीके से करना चाहेगा। दक्षिण अफ्रीका इस वर्ल्ड कप में अब तक अपने सभी छह मुकाबले जीत चुका है और 10 के नेट रन रेट के साथ सबसे दमदार टीम के रूप में उभरा है। टीम अगर जिम्बाब्वे को मात देती है, तो यह टी20 प्रारूप में उसकी दूसरी सबसे लंबी जीत की श्रृंखला बन जाएगी। कप्तान एडन मार्क्रम बेहतरीन फॉर्म में हैं। वे 178 की स्ट्राइक रेट से 264 रन बना चुके हैं, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। पावरप्ले में उनका स्ट्राइक रेट 200 रहा है, जो 50 से ज्यादा गेंद खेलने वाले बल्लेबाजों में सबसे ऊंचा है। मार्कराम के पास बाबर आजम (303 रन, 2021) के रिकॉर्ड को तोड़कर एक वर्ल्ड कप संस्करण में कप्तान द्वारा सर्वाधिक रन बनाने का मौका भी है।

दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी स्पिन के खिलाफ सबसे प्रभावी रही है, जहां टीम ने 9.9 रन प्रति ओवर की दर से रन बनाए। डेविड मिलर और क्विंटन डी कॉक को छोड़कर लगभग सभी बल्लेबाज 140+ के स्ट्राइक रेट पर खेल रहे हैं। गेंदबाजी में भी टीम का प्रदर्शन शानदार है। तेज गेंदबाज 37 विकेट चटका चुके हैं, जो इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक हैं। लुंगी एंगीडी 11 विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने से सिर्फ एक विकेट दूर हैं। मार्को जानसेन के नाम भी 11 विकेट हैं, जबकि कगिसो रबाडा ने शुरुआती मैचों के बाद जोरदार वापसी की है।

जिम्बाब्वे की टीम भले ही सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो चुकी है, लेकिन उनके अभियान में कई यादगार पल शामिल रहे। श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया को हराकर उन्होंने ग्रुप-बी में शीर्ष स्थान हासिल किया था, हालांकि सुपर-8 में भारत और वेस्टइंडीज के खिलाफ मिली हार से टीम की रफ्तार टूट गई। जिम्बाब्वे के ओपनर ब्रायन बेनेट ने अपनी शानदार बल्लेबाजी से सबका ध्यान खींचा है। वे अभी तक पांच पारियों में 277 रन बना चुके हैं और केवल एक बार आउट हुए हैं। उन्हें इस वर्ल्ड कप के एक संस्करण में सबसे अधिक रन बनाने वाले विराट कोहली (319 रन) के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए केवल 43 रन की जरूरत है।

नई दिल्ली की पिच पर लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम को ज्यादा सफलता मिली है। यहां खेले गए पांच में से चार मैच दूसरी बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जीते हैं। हेड-टू-हेड मुकाबलों में दक्षिण अफ्रीका 7-1 से आगे है, जिससे वह इस मैच में स्पष्ट रूप से मजबूत दावेदार दिखाई देता है। अब देखना यह होगा कि दक्षिण अफ्रीका अपनी जीत की लय बरकरार रखता है या जिम्बाब्वे आखिरी मुकाबले में बड़ा उलटफेर करता है।

रणजी ट्रॉफी जीत के बाद भावुक हुए पारस डोगरा, बोले 'यह मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी उपलब्धि'

हुबली। हुबली में इतिहास रचने के बाद पारस डोगरा अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाए। कर्नाटक के खिलाफ रणजी ट्रॉफी फाइनल ड्रॉ रहने के बावजूद पहली पारी की बढ़त के आधार पर जीत दर्ज करने वाली जम्मू-कश्मीर के कप्तान ने कहा कि इस सफलता को शब्दों में बयां करना उनके लिए मुश्किल है। मैच के बाद डोगरा ने कहा, "सच कहूं तो मैं इसे समझा नहीं सकता। मेरे पास अभी कोई शब्द नहीं हैं। यह मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी चीज है और मैं इसके लिए बहुत शुक्रगुजार हूं।" उन्होंने जम्मू-कश्मीर क्रिकेट संघ, सपोर्ट स्टाफ और खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि यह जीत सामूहिक मेहनत का नतीजा है। जम्मू-कश्मीर ने फाइनल में पहली पारी में 291 रन की भारी बढ़त लेकर मुकाबले पर मजबूत पकड़ बना ली थी। कर्नाटक के लिए वापसी का एकमात्र रास्ता था कि दूसरी पारी में विरोधी टीम को जल्दी आउट किया जाए। शुरुआती झटकों के बाद स्थिति चुनौतीपूर्ण लग रही थी, जब टीम 11/2 पर लड़खड़ा गई थी।

पिता के निधन के बाद टीम से जुड़ें रिंकू सिंह, देश के लिए निभाई जिम्मेदारी

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा स्टार रिंकू सिंह अपने जीवन के सबसे कठिन दौर से गुजर रहे हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के बीच उनके पिता का निधन हो गया, लेकिन इस गहरे दुख के बावजूद रिंकू ने हिम्मत दिखाते हुए टीम इंडिया में दोबारा शामिल हो गए है और वेस्टइंडीज के खिलाफ कोलकाता के इडन गार्डन में होने वाले मैच के लिए तैयार हैं। रिंकू 26 फरवरी को भारत और जिम्बाबे के बीच खेले गए मैच में मैदान पर मौजूद थे। हालांकि वे प्लेइंग-11 का हिस्सा नहीं थे, लेकिन सब्सटीट्यूट फील्डर के रूप में उन्होंने अपनी भूमिका निभाई। मैच खत्म होने के कुछ घंटे बाद, 27 फरवरी की सुबह उन्हें उनके पिता खानचंद सिंह के निधन की दुखद सूचना मिली। उनके पिता लिवर कैंसर के चौथे स्टेज से जूझ रहे थे। सूचना मिलते ही रिंकू चेन्नई से सीधे अपने शहर अलीगढ़ पहुँचे और अपने पिता के पार्थिव शरीर को कंधा देकर अंतिम संस्कार किया। इससे पहले भी, वह टूर्नामेंट के दौरान अपने पिता की खराब तबीयत के चलते अस्पताल गए थे, लेकिन देश की जिम्मेदारी को देखते हुए टीम के साथ ज़िम्बाब्वे मैच से पहले फिर जुड़ गए थे। भारत का अगला और बेहद अहम मुकाबला 1 मार्च को इडन गार्डन में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला जाएगा। यह मैच किसी क्वार्टर फ़ाइनल से कम नहीं है, क्योंकि जीतने वाली टीम सीधे सेमीफाइनल में जगह बनाएगी। टीम की जरूरत को देखते हुए रिंकू का यह फैसला क्रिकेट जगत और प्रशंसकों के बीच बेहद सराहा जा रहा है। निजी त्रासदी के बावजूद देश के लिए तत्पर रहने का उनका यह साहसिक कदम युवाओं के लिए प्रेरणा बन गया है।

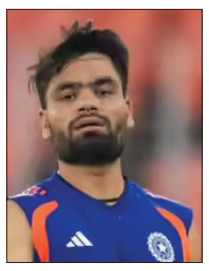

तीसरे वनडे में साख बचाने उतरेगी भारतीय महिला टीम

-बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में सुधार की सख्त जरूरत

होबार्ट (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो वनडे में एकतरफा हार झेलने के बाद मौजूदा विश्व चैंपियन भारतीय महिला क्रिकेट टीम अब पूरी तरह बैकफुट पर खड़ी है। रविवार को होबार्ट में होने वाला तीसरा और अंतिम महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच भारत के लिए केवल सम्मान बचाने का मौका है। ऑस्ट्रेलिया पहले ही 2-0 की अजेय बढ़त लेकर श्रृंखला अपने नाम कर चुका है और यह लगातार 12वीं बार है जब भारत द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला में इस प्रतिद्वंद्वी से हार चुका है। भारत की सबसे बड़ी चिंता उसकी कमजोर बल्लेबाजी रही है। पहले वनडे में पावरप्ले के भीतर ही तीन महत्वपूर्ण विकेट खोने के बाद टीम 214 पर सिमट गई। दूसरे वनडे में हालांकि टीम ने 78 रनों की शानदार साझेदारी से शुरुआत की, लेकिन मध्य और निचले क्रम ने इसे भुनाया नहीं। 17वें से 31वें ओवर के बीच मात्र 52 रनों पर पांच विकेट गंवाना टीम के पतन की बड़ी वजह रहा। परिणामस्वरूप भारत नौ विकेट पर 251 रन ही बना पाया, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने आसानी से हासिल कर लिया।

टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने जहां

दो अर्धशतक जड़े, वहीं युवा सलामी बल्लेबाज प्रतीका रावल ने शून्य पर आउट होने के बाद शानदार अर्धशतक से वापसी की। स्मृति मंधाना भी दो मैचों में 31 और 58 रन बनाकर अच्छी लय में दिखीं। लेकिन अनुभवी खिलाड़ियों जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा का फॉर्म टीम के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। हरमनप्रीत ने भी स्वीकार किया कि टीम ने बार-बार वही गलतियां दोहराईं और महत्वपूर्ण मौकों पर विकेट गंवाए जिससे बड़ा स्कोर खड़ा नहीं हो सका। भारत की गेंदबाजी की स्थिति भी उतनी मजबूत नहीं दिखी। दीप्ति ने दो मैचों में तीन विकेट जरूर लिए, लेकिन उनके अलावा तेज गेंदबाज काशवी गौतम और क्रांति गौड़ को पावरप्ले में अधिक प्रभावी होने की जरूरत है। श्री चरणी पहले मैच में दो विकेट लेने के बाद दूसरे मैच में काफी महंगी साबित हुईं। खराब फील्डिंग ने टीम की परेशानियां और बढ़ाईं गौड़, मंधाना और ऋचा घोष के कैच छोड़ने से ऑस्ट्रेलिया को और बढ़त मिली।

इसके विपरीत ऑस्ट्रेलियाई टीम ने हर विभाग में अपना दबदबा कायम रखा है। दूसरे वनडे में जॉर्जिया वोल के दमदार शतक और फीबी लिचफील्ड की शानदार बल्लेबाजी ने मैच को एकतरफा बना दिया। पहले मैच में बेथ मूनी, एलिसा हीली और एनाबेल सदरलैंड ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया था। गेंदबाजी में मेगन शट, एशले गार्डनर, अलाना किंग और सदरलैंड ने लगातार विकेट निकालकर भारतीय बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। भारत भले ही टी20 श्रृंखला 2-1 से जीत चुका है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की दो वनडे की जीत ने बहु-प्रारूप श्रृंखला में उसे 6-4 की बढ़त दिला दी है। भारत को न केवल तीसरे वनडे में बल्कि पर्थ में होने वाले एकमात्र टेस्ट में भी दम दिखाना होगा, ताकि इस दौरे का अंत निराशाजनक न हो और टीम अपनी प्रतिष्ठा बचा सके।

टीम इस प्रकार हैं

भारत: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शैफाली वर्मा, रेणुका ठाकुर, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, काशवी गौतम, हरलीन देयोल, प्रतिका रावल।

ऑस्ट्रेलिया: एलिसा हीली (कप्तान), सोफी मोलिनी (उप-कप्तान), डार्सी ब्राउन, निकोला कैरी, एशले गार्डनर, किम गार्थ, अलाना किंग, फीबी लिट्चफील्ड, बेथ मूनी, ताहलिया मैकग्रा, एलीसे पेरी, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

'संजू सैमसन को अब मौका लपकना होगा' : अश्विन

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में टीम इंडिया की बल्लेबाजी पहली बार पूरी तरह चमककर सामने आई जब ग्रुप स्टेज खत्म हो चुका था और सुपर-8 का पहला मुकाबला टीम हार चुकी थी। सेमीफाइनल की उम्मीदें 'अगर-मगर' पर टिकी थीं, लेकिन जिम्बाब्वे के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों ने ऐसा प्रदर्शन किया जिसने टूर्नामेंट में नई जान फूंक दी। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए टी20 वर्ल्ड कप इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर 256 रन खड़ा किया और मुकाबला 72 रन से जीत लिया। इस मैच में संजू सैमसन को मौका दिया गया और उन्हें अभिषेक शर्मा के साथ ओपनिंग में उतारा गया। दोनों ने सिर्फ 22 गेंदों में 48 रन की तेज साझेदारी की। सैमसन 15 गेंद में 24 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन उन्होंने पावरप्ले में वह आक्रामक शुरुआत दे दी जिसकी टीम को सख्त जरूरत थी। इस दमदार जीत और सैमसन की पारी पर दिग्गज ऑफ स्पिनर रवचन्द्रन अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर खास प्रतिक्रिया दी। अश्विन ने कहा कि सैमसन को आक्रामक क्रिकेट के रास्ते पर चलते रहना होगा और यह उनके लिए सुनहरा अवसर है। उन्होंने कहा, 'मैं जिस संजू सैमसन को जानता हूं, मुझे उसकी क्षमता पर पूरा भरोसा है। भारत को वर्ल्ड कप के दौरान ओपनिंग में समस्या थी, लेकिन इस मैच ने उसे दूर कर दिया। अगर सैमसन यहां से फाइनल तक 15 गेंदों में 28 या 30 रन भी बना देते हैं, तो वह टीम के लिए अपना काम कर चुके होंगे। बड़े स्कोर भी बन सकते हैं, लेकिन उनकी भूमिका यही है तेजी से टीम को शुरुआत देना।' अश्विन ने आगे कहा कि वे सैमसन को बड़ी पारी खेलते देखना चाहते हैं। 'मैं चाहता हूं कि सैमसन अच्छी शुरुआत को मैच-विनिंग पारी में बदलें। यह उनके लिए अब तक का सबसे बड़ा मौका है। सालों की मेहनत के बाद इस

मंच तक पहुंचे हैं, उन्हें इसे पकड़ना होगा। अगर नाकाम भी होते हैं, तो यह जरूर कह पाएंगे कि उन्होंने कोशिश की। मैं चाहता हूं कि वह इस वर्ल्ड कप में एक शतक लगाएं या मैच जिता दें वे इसके हकदार हैं।' भारत के लिए अब अगला और सबसे अहम सुपर-8 मुकाबला 1 मार्च को वेस्टइंडीज के खिलाफ होगा। यह मैच क्वार्टर फाइनल जैसा है जो टीम जीतेगी वही सेमीफाइनल में जाएगी। ग्रुप-1 से दक्षिण अफ्रीका पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना चुका है। ऐसे में सैमसन और टीम इंडिया पर सबकी निगाहें टिकी रहेंगी।

जम्मू-कश्मीर में क्रिकेट का नया सूरज, रणजी ट्रॉफी जीतकर मनाया जश्न, पीएम मेदी ने दी बधाई

नई दिल्ली(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को जम्मू और कश्मीर टीम को उनकी पहली रणजी ट्रॉफी जीत पर बधाई दी और उनके असाधारण साहस, अनुशासन और जुनून की सराहना की। जम्मू और कश्मीर ने 67 साल के लंबे इंतजार को खत्म करते हुए शनिवार को हुबली में खेले गए रणजी ट्रॉफी के फाइनल में मजबूत टीम कर्नाटक को हराया। पीएम मोदी ने एक पोस्ट में लिखा कि जम्मू और कश्मीर टीम को उनकी पहली रणजी ट्रॉफी जीत पर बधाई! यह ऐतिहासिक जीत टीम के असाधारण साहस, अनुशासन और जुनून को दर्शाती है। यह जम्मू और कश्मीर के लोगों के लिए गर्व का क्षण है और वहां के बढ़ते खेल प्रेम और प्रतिभा को उजागर करता है। आशा है कि यह उपलब्धि कई युवा खिलाड़ियों को बड़े सपने देखने और अधिक खेलने के लिए प्रेरित करेगी।

जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को कर्नाटक के खिलाफ ऐतिहासिक पहली रणजी ट्रॉफी जीत के लिए जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम को हार्दिक बधाई दी है। सिन्हा ने इस उपलब्धि को केंद्र शासित प्रदेश के खेल इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण बताया। उन्होंने टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ के असाधारण प्रदर्शन और समर्पण की सराहना की। सिन्हा ने पत्रकारों से कहा कि जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम ने रणजी टूर्नामेंट में बहुत ही सराहनीय प्रदर्शन किया है। टीम को मेरी शुभकामनाएं।

X पर एक पोस्ट में उपराज्यपाल ने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर का गौरवशाली क्षण आ गया है! हमारी क्रिकेट टीम को रणजी ट्रॉफी जीतते हुए देखकर मेरी भावनाएं शब्दों से परे उमड़ रही हैं। उन सभी खिलाड़ियों को जिन्होंने अपने दृढ़ संकल्प से इतिहास रचा- पूरे केंद्र शासित प्रदेश की ओर से आपको धन्यवाद, हम गर्व से फूले नहीं समा रहे हैं। आपने इतिहास को अमर कर दिया है - इसे सम्मान के साथ अपनाएं। मैं माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में 2019 के बाद केंद्र शासित प्रदेश में शुरू हुई खेल क्रांति के लिए आभारी हूं। सभी युवाओं से- इस जोश को अपने क्षितिज को प्रज्वलित करने दें- अथक और लगन से प्रशिक्षण लें। इस जीत को आधार बनाकर प्रभुत्व के युगों का नेतृत्व करें - जम्मू-कश्मीर का अजेय भविष्य आपसे शुरू होता है।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने रणजी ट्रॉफी 2025-26 के फाइनल में जीत के बाद जम्मू और कश्मीर क्रिकेट टीम को बधाई दी और इसे दृढ़ता और लगन का एक उल्लेखनीय उदाहरण बताया। पारस डोगरा के नेतृत्व वाली जम्मू और कश्मीर टीम ने 67 साल के लंबे इंतजार को खत्म करते हुए मजबूत टीम कर्नाटक को हराया। अपने पहले रणजी फाइनल में खेलते हुए, जम्मू और कश्मीर ने पहली पारी में 291 रनों की विशाल बढ़त के दम पर खिताब जीता। यह बढ़त आठ बार की चैंपियन कर्नाटक टीम के लिए नामुमकिन साबित हुई, जिसकी कप्तानी देवदत्त पडिक्कल कर रहे थे। शाह ने अपने खाते पर न सिर्फ खिलाड़ियों बल्कि पर्दे के पीछे काम करने वाली पूरी टीम की सराहना की।

उन्होंने लिखा कि जम्मू-कश्मीर की

भारतीय टीम को उनके दृढ़ संकल्प और लगन की अद्भुत कहानी के लिए हार्दिक बधाई। खिलाड़ी प्रशंसा के पात्र हैं, लेकिन जम्मू-कश्मीर के कोचिंग स्टाफ, प्रबंधन और प्रशासकों के योगदान को भी नहीं भूलना चाहिए, जिन्होंने इस ऐतिहासिक उपलब्धि को संभव बनाने के लिए पर्दे के पीछे अथक परिश्रम किया है। मुझे विश्वास है कि यह जीत इस क्षेत्र की वर्तमान पीढ़ी के दिलों में आत्मविश्वास जगाएगी और आने वाली पीढ़ी को बल्ला या गेंद उठाने के लिए प्रेरित करेगी। हमारा खेल दुनिया भर में प्रेरणा की ऐसी कहानियों से समृद्ध है, और मुझे उम्मीद है कि इस कहानी को भी उतना ही सम्मान मिलेगा।

फाफ डु प्लेसिस ने किया 2026 विश्व कप फाइनल का बड़ा प्रिडिक्शन

नई दिल्ली । टीम इंडिया ने टी-20 विश्व कप में सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को अब भी बरकरार रखा है। सुपर-8 चरण में साउथ अफ्रीका से पहला मुकाबला हारने के बाद टीम इंडिया पर उठ रहे सवाल अब इस जीत के साथ तारीफों में बदल गए हैं। अगर भारत अपने अगले मुकाबले में वेस्टइंडीज को मात दे देता है, तो उसके लिए सेमीफाइनल का रास्ता लगभग साफ हो जाएगा। वहीं, ग्रुप की अंकतालिका में दक्षिण अफ्रीका लगातार दो जीत के साथ और जिम्बाब्वे की दो हार के चलते पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना चुका है। इसी बीच दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने एक बड़ा दावा किया है। उन्होंने एक कार्यक्रम में बात करते हुए भविष्यवाणी की कि टी-20 विश्व कप 2026 का फाइनल भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। फाफ ने कहा, 'भारत बेहद मजबूत टीम है और अपनी सरज़मीन पर कभी कमजोर नहीं पड़ती।' उन्होंने आगे कहा कि उनके अनुसार इस बार दक्षिण अफ्रीका फाइनल जीतकर पहली बार विश्व चैंपियन बनेगा। फाफ ने मज़ाकिया अंदाज में यह भी कहा कि फाइनल में डेविड मिलर बिलकुल वैसा ही कैच लेंगे जैसा सूर्यकुमार यादव ने टी-20 विश्व कप 2024 के फाइनल में लिया था।

फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी के साथ प्रोजेक्ट करने वाले हैं विजय वर्मा

विजय वर्मा ने अपने इंस्टाग्राम पेज के स्टोरी सेक्शन में एक जानकारी साझा की। जिसमें उन्होंने अपने अपकमिंग फिल्म प्रोजेक्ट के बारे में बताया। एक्टर ने एक कैप्शन भी लिखा, 'इसे लेकर काफी उत्साहित हूं।'

विजय वर्मा फरहान अख्तर के साथ करेंगे अगला प्रोजेक्ट

जल्द ही विजय वर्मा, फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी के एक्सेल एंटरटेनमेंट के साथ काम एक प्रोजेक्ट करने वाले हैं। विजय वर्मा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी से मिले एक कार्ड की तस्वीर शेयर की। एक्टर ने प्रोजेक्ट का नाम थोड़ा छिपाकर रखा। लेकिन इस प्रोजेक्ट को लेकर वह काफी एक्साइटेड हैं, इस बात का जिक्र विजय वर्मा ने किया है।

इन फिल्मों में भी नजर आएंगे विजय वर्मा

विजय वर्मा के पास कई और फिल्में हैं। वह 'मटका किंग' नाम की एक फिल्म कर कर रहे हैं। इसके अलावा वह एक और फिल्म 'फैमिली बिजनेस' कर रहे हैं, इसमें अनिल कपूर भी नजर आएंगे। इसके अलावा वह 'लस्ट स्टोरी 3' में भी दिखाई देंगे।

निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में विजय वर्मा?

बड़े पर्दे पर 'गुस्ताख इश्क' जैसी फिल्म साथ करने वाले विजय वर्मा और फातिमा सना शेख असल जिंदगी में भी प्यार में गुस्ताखियां कर रहे हैं। इनके रिलेशनशिप में होने की खबरें, अफवाहें लगातार सामने आ रही हैं। दोस्तों की पार्टी, अवॉर्ड फंक्शन में दोनों को साथ देखा गया है। अपने इश्क का इजहार दोनों ने अब तक दुनिया के सामने नहीं किया है।

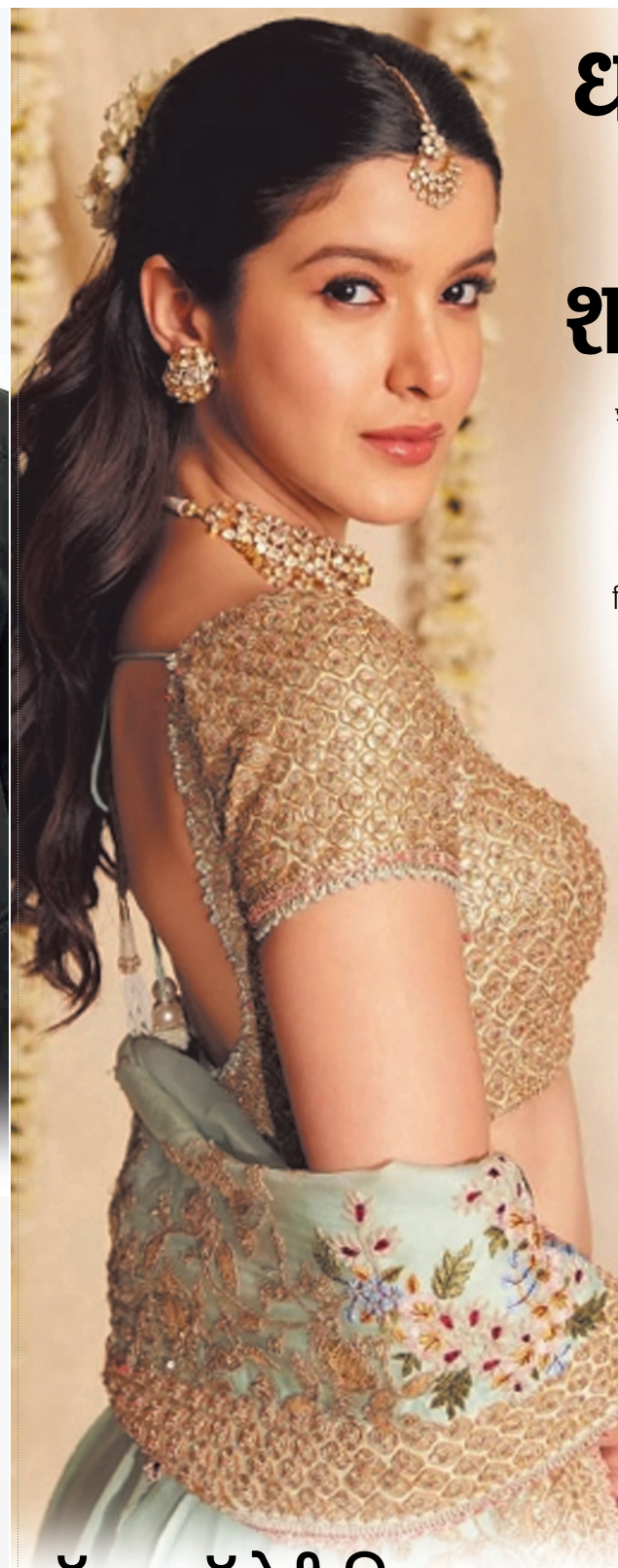

धर्मा की फिल्म 'बेधड़क' से डेब्यू न कर पाने पर शनाया कपूर ने खोले राज

शनया कपूर इन दिनों अपनी फिल्म 'तू या मैं' को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। 2025 में आई रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' से शनाया ने बतौर अभिनेत्री डेब्यू किया था। लेकिन इन फिल्म से पहले वो 'बेधड़क' से डेब्यू करने वाली थीं। लेकिन यह फिल्म किसी कारण बंध हो गई थी। हाल ही में शनाया ने अपने शुरुआती करियर को लेकर कई दिलचस्प खुलासे किए हैं।

डेब्यू फिल्म को लेकर शनाया की राय

पहले शनाया धर्मा प्रोडक्शंस की फिल्म 'बेधड़क' से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली थीं, लेकिन वो प्रोजेक्ट रुक गया। बाद में उन्होंने विक्रांत मैसी के साथ रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' से बड़े पर्दे पर डेब्यू किया। शनया ने हाल ही में 'स्क्रीन' को दिए एक इंटरव्यू में अपने करियर की शुरुआत के बारे में बात की और कहा कि वो खुश हैं कि चीजें ऐसे ही हुईं। उस अनुभव ने उन्हें एक बेहतर अभिनेत्री बनने में बहुत मदद की है। 'बेधड़क' रुकने पर कैसा हुआ महसूस शनाया ने कहा, 'हर चीज किसी न किसी कारण से होती है। जो होना होता है, वही होता है। अब पीछे मुड़कर देखती हूं तो गर्व महसूस होता है। इन सबने मुझे आज का इंसान बनाया है। (बेधड़क) प्रोजेक्ट्स रुकने से मुझे और मेहनत करने की प्रेरणा मिली।'

हमेशा मानती हैं पिता की सलाह

शनाया ने बताया कि उनके पिता संजय कपूर हमेशा उन्हें सलाह देते थे कि परिस्थितियों की चिंता मत करो, बस अपने काम पर फोकस करो। अगर फिल्म नहीं मिल रही तो कोई सीन चुनकर प्रैक्टिस करो। उन्होंने कहा कि कुछ चीजें हमारे बस में नहीं होतीं, उनकी चिंता बेकार है। बस काम करते रहो और खुद को बेहतर बनाते रहो।

तू या मैं

इन दिनों शनया 'तू या मैं' में नजर आ रही हैं। इस फिल्म में उनके साथ आदर्श गौरव हैं। यह फिल्म बेजॉय नंबियार ने डायरेक्ट की है और आनंद एल राय ने प्रोड्यूस किया है। यह 2018 की थाई फिल्म 'द पूल' का रीमेक है। फिल्म को मिली-जुली समीक्षाएं मिलीं और बॉक्स ऑफिस पर इसने करीब 4 से 5 करोड़ रुपये की कमाई की है।

कॉकटेल 2 में किस किरदार में नजर आएंगी रश्मिका मंदाना और कृति सेनन?

अपकमिंग फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर लोगों में उत्सुकता है। रिलीज से पहले इस फिल्म को लेकर काफी चर्चा होने लगी है। साल 2012 में रिलीज हुई फिल्म 'कॉकटेल' को दर्शकों ने खूब प्यार दिया था। अब इसके सीक्वल 'कॉकटेल 2' में रश्मिका मंदाना, कृति सेनन और शाहिद कपूर लीड रोल में हैं। इसमें रश्मिका मंदाना और कृति सेनन के रोल को लेकर एक अपडेट सामने आई है।

क्या होगा कृति और रश्मिका का रोल?

फिल्म 'कॉकटेल 2' की कहानी को लेकर लोगों में दिलचस्पी बढ़ रही है। इस बीच फिल्म में रश्मिका मंदाना और कृति सेनन के रोल को लेकर अपडेट आई है। फिल्म में कृति सेनन और रश्मिका मंदाना एक लेस्बियन कपल का रोल करेंगी।

कब पूरी हुई फिल्म की शूटिंग?

हालांकि, प्रोडक्शन टीम ने फिल्म की कहानी के बारे में अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। इसलिए दर्शकों को कोई नतीजा निकालने से पहले प्रोडक्शन हाउस की तरफ से दी गई जानकारी का इंतजार करना होगा। डायरेक्टर होमी अदजानिया ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी थी कि फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई है।

दर्शकों को क्यों हैं उम्मीदें?

ओरिजिनल फिल्म 'कॉकटेल' (2012) में दीपिका पादुकोण, डायना पेंटी और सैफ अली खान ने अहम किरदार निभाया था। इस फिल्म ने अपनी अलग कहानी के लिए तारीफें बटोरी थीं। ऐसे में फिल्म के सीक्वल से लोगों को काफी उम्मीदें हैं।

हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूत बंगला में दमदार किरदार निभाएंगी मिथिला पालकर

अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों अपने गेम रियलिटी शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' में व्यस्त हैं। वहीं अभिनेता अपनी आगामी फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर भी चर्चाओं में हैं। इस फिल्म के जरिए एक बार फिर अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की जोड़ी बड़े पर्दे पर वापस लौट रही है। अब फिल्म की कास्ट में एक नई अभिनेत्री का नाम सामने आया है। अक्षय की बहन का किरदार निभाएंगी मिथिला अक्षय कुमार और वामिका गब्बी स्टारर 'भूत बंगला' में अब एक नया नाम शामिल हो गया है। इस नाम के बारे में खुद अक्षय ने जानकारी दी है। ये नाम है अभिनेत्री मिथिला पालकर का। हाल ही में मिथिला अक्षय की होस्टिंग वाले गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' में नजर आई थीं। इसी दौरान अक्षय ने ये खुलासा किया कि मिथिला भूत बंगला का हिस्सा हैं। अक्षय ने बताया कि मिथिला फिल्म में उनकी बहन का किरदार निभाती नजर आएंगी। एक्टर ने कहा, मिथिला ने अपना सफर इंटरनेट से शुरू किया था और आज वह कई फिल्मों में काम कर रही हैं। जल्द ही वह एक ऐसे एक्टर के साथ नजर आएंगी, जिसे मैं बहुत अच्छी तरह जानता हूं, गेस कीजिए कौन? मैं खुद। 'भूत बंगला' में मिथिला 'भूत' का नहीं, बल्कि मेरी बहन का किरदार निभाती दिखेंगी।

16 साल बाद साथ लौट रही अक्षय-प्रियदर्शन की जोड़ी

'भूत बंगला' 2026 की मच अवेटेड फिल्मों में शामिल है। इसकी सबसे बड़ी वजह अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी का 16 साल बाद एक साथ आना है। अक्षय और प्रियदर्शन की जोड़ी ने 'हेरा फेरी' समेत कई कल्ट कॉमेडी फिल्में दी हैं। ऐसे में अब 'भूत बंगला' के जरिए निर्देशक-अभिनेता की ये जोड़ी एक बार फिर नई कॉमेडी फिल्म के साथ तैयार है। यह एक कम्पलीट फैमिली एंटरटेनर होने वाली है। दर्शक अक्षय कुमार को उनके पुराने अंदाज और जबरदस्त कॉमिक टाइमिंग में देखने के लिए उत्साहित हैं। बालाजी मोशन पिक्चर्स और केप ऑफ गुड फिल्म्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ वामिका गब्बी, परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव जैसे दिग्गज कलाकार नजर आएंगे। फिल्म के प्रोड्यूसर अक्षय कुमार, शोभा कपूर और एकता आर कपूर हैं। 'भूत बंगला' 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है।

कंगना से दोस्ती को तैयार हैं तापसी पन्नू

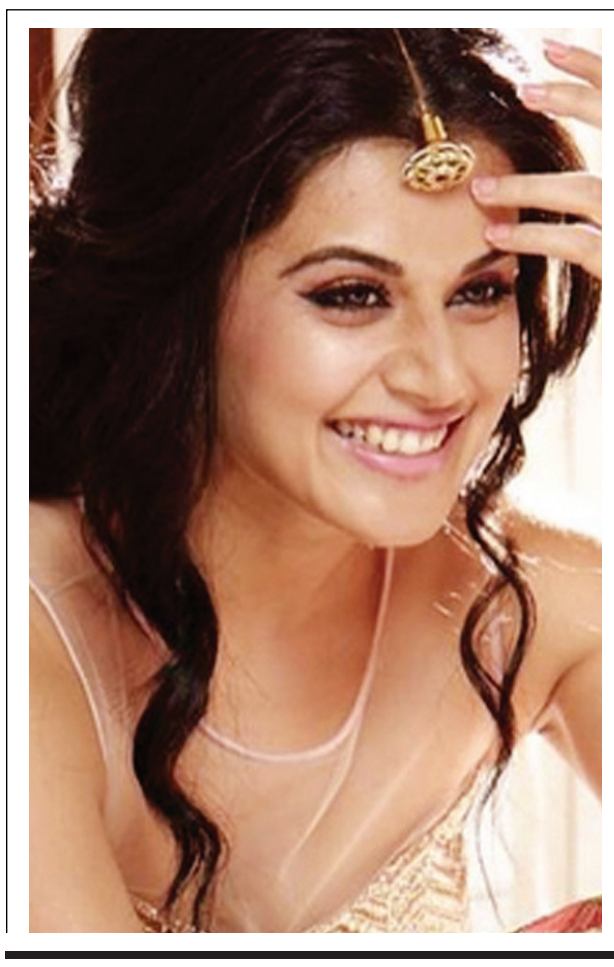

तापसी पन्नू और कंगना रनौत बॉलीवुड की दो ऐसी अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने आउटसाइडर होने के बावजूद अपनी दम पर अपनी पहचान बनाई है। दोनों ही अपनी दमदार एक्टिंग के लिए भी सुर्खियां बटोरती हैं। लेकिन दोनों के बीच कैट फाइट भी काफी पुरानी है और अक्सर चर्चा में भी रहती है। हालांकि, तापसी पन्नू का कहना है कि उनकी तरफ से कोई झगड़ा या मनमुटाव नहीं है। यहीं नहीं वो कंगना को अपना सीनियर बताते हुए उनसे दोस्ती करने को भी तैयार हैं।

मैंने कभी लड़ाई की ही नहीं

बातचीत के दौरान तापसी पन्नू ने कंगना के साथ अपने विवाद पर प्रतिक्रिया दी। कंगना की बहन द्वारा तापसी को कंगना की 'सस्ती कॉपी', 'बी ग्रेड एक्ट्रेस' और 'शी-मैन' कहने के बाद ये विवाद शुरू हुआ था। हालांकि, इस विवाद पर अब तापसी का कहना है कि उन्होंने कभी झगड़ा शुरू नहीं किया और आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि मुझे नहीं पता कि मैंने कभी लड़ाई की है या नहीं। लड़ाई तब होती है जब दो लोग आपस में भिड़ते हैं। मैं कभी नहीं भिड़ी।

मुझे सस्ती कॉपी कहे जाने पर कोई दिक्कत नहीं

कंगना की सस्ती कॉपी वाली टिप्पणी पर तापसी ने कहा कि उनकी बहन ने मुझे 'सस्ती नकल' कहा। उनका कहना था कि चूंकि मैं यहां उतनी कमाई नहीं करती, इसलिए मैं सस्ती हूं। अगर वह (कंगना रनौत) इतनी प्रतिभाशाली अभिनेत्री हैं, तो मुझे उनकी नकल कहे जाने से कोई आपत्ति नहीं है। आप मेरा कोई भी बयान निकाल सकते हैं, मैंने उनके खिलाफ कुछ नहीं कहा है।

बातचीत के दौरान जब यह कहा गया कि अगर तापसी और कंगना रनौत जैसी दो शानदार एक्ट्रेस एकसाथ आएंगी, तो वाकई कमाल हो जाएगा। इस पर तापसी ने कहा कि बिल्कुल ऐसा हो सकता है। शायद कोई है जो ये नहीं चाहता कि दो अच्छी एक्ट्रेस एक साथ काम करें। मुझे नहीं पता किसी ने उन्हें क्या बताया है। जबकि हम दोनों ही आउटसाइडर हैं, हम दोनों ही एक ही बात कहते हैं। इस दौरान कंगना से दोस्ती करने के सवाल पर तापसी पन्नू ने स्पष्ट कहा कि मैं तैयार हूं। वो (कंगना) मुझसे सीनियर हैं और मुझे उनके साथ काम करने या दोस्ती करने में कोई दिक्कत नहीं। हालांकि, तापसी ने कहा कि वह इस बात की गारंटी नहीं दे सकतीं कि कंगना उनसे क्या कहेंगी, लेकिन उनकी तरफ से उनका रुख स्पष्ट है।

आपस में भिड़ते हैं आउटसाइडर

जब तापसी से पूछा गया कि क्या उनके झगड़े से नेपोटिज्म के विवाद के दौरान स्टार किड्स को अप्रत्यक्ष रूप से फायदा हुआ? तो तापसी ने कहा कि मुझे उनके बारे में तो नहीं पता, लेकिन किसी न किसी को तो किसी न किसी तरह से फायदा जरूर हुआ होगा। उन्होंने आगे कहा कि इंडस्ट्री में गुटबाजी सिर्फ इनसाइडर और आउटसाइडर तक ही सीमित नहीं है। आउटसाइडर भी अक्सर एक ही बात करते हैं और अपनी चुनौतियों के बारे में बात करने के बावजूद एक-दूसरे का साथ नहीं देते। लोग अक्सर आउटसाइडर होने का रोना रोते हैं, लेकिन एकजुट होने के बजाय आपस में ही लड़ते रहते हैं।

शरीर भी आर्थिक स्थिति देखकर देता है साथ

हार्मोन को सीधा बढ़ाएंगे

कहा जाता है कि बुरे समय में आपका सबसे अच्छा साथी आपका स्वास्थ्य होता है, लेकिन यह कहावत शायद पूरी तरह सच नहीं है, क्योंकि आपका शरीर भी आपकी आर्थिक स्थिति को देखकर आपका साथ देता है।

ब्रिटिश वैज्ञानिकों के दल ने इस बात का दावा किया है कि लंबी आयु के लिए जिम्मेदार हार्मोन भी तभी आपका साथ देता है, जब आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी होती है। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के शोधकर्ताओं ने पाया कि लंबी आयु के लिए जिम्मेदार हार्मोन डीएचईएएस (डी हाइड्रोइपिएंड्रोस्टोरेन सल्फेट) की अधिकतम मात्रा याददाश्त को बढ़ाने, तनाव को कम करने में मददगार होती है और खासकर यह पुरुषों में पचास साल की आयु के दौरान काम करने लगता है।

लंबी आयु के लिए जरूरी

शोध दल के प्रमुख सर माइकल ने बताया, मैं विश्वास से कह सकता हूं कि यह हमने पहली बार किया है। मेरा यह निजी तौर पर मानना है कि यह तनाव को कम करने का एक तरीका हो सकता है। आपके शरीर में हार्मोन डीएचईएएस (डी हाइड्रोइपिएंड्रोस्टोरेन सल्फेट) की अधिकतम मात्रा में मौजूदगी आपको लंबे समय तक जिंदा रखती है। गुर्दे के ऊपर स्थित एड्रीनल गंथि से स्रावित होने वाला यह हार्मोन उनमें अधिकतम मात्रा में पाया जाता है, जो ज्यादा व नियमित तौर पर व्यायाम करते हैं और ज्यादा खुशी, उत्साह, रोमांच और अपने दोस्तों व परिवार के साथ जिंदगी व्यतीत करते हैं। इस तरह का आरामदायक और विलासितापूर्ण जीवन जीना, तभी संभव है जब आपके पास अकूत धन हो।

उम्र बढ़ने पर होता है स्रावित

उम्र को लेकर किए गए अध्ययन में यह बात सामने आई है कि एक दूसरा हार्मोन आईजीएफ (इंसुलिन लाइक ग्रोथ फैक्टर) भी उम्र बढ़ने के साथ कम मात्रा में स्रावित होने लगता है। ये दोनों हार्मोन सम्मिलित रूप में मिलकर तनाव की स्थिति को कम करते हैं। इसके साथ ही यह शरीर की अन्य जैविक गतिविधियों मसलन पाचन, प्रतिरक्षा तंत्र और ऊर्जा बनने की प्रक्रिया को नियंत्रित करने का काम करते हैं। इस प्रयोग को करने के लिए शोधकर्ताओं के दल ने करीब पचास साल की उम्र के 1000 व्यक्तियों के खून के नमूने प्राप्त कर यह निष्कर्ष निकालने में कामयाबी पाई। सर माइकल ने कहा, हमने स्पष्ट रूप से पाया कि कम धनी लोगों के बीच तनाव, मोटापा और अनियमित शारीरिक व्यायाम, धूम्रपान की अधिकता तथा हरी सब्जियों और फलों का कम मात्रा में सेवन कुछ ऐसे कारक थे, जो उनके बीच मधुमेह और उच्च रक्तचाप की समस्या को उत्पन्न करने के लिए जिम्मेदार थे।

शोधकर्ताओं के मुताबिक इस नए शोध के परिणाम की वजह से ऐसी दवाओं के निर्माण का रास्ता खुल गया है, जिसके जरिए हम शरीर में इस तरह के हार्मोन को सीधे बढ़ा पाएंगे। शरीर में इस तरह के हार्मोन के स्तर को बढ़ाने का मामला केवल कुछ गोलियां खाकर पूरा नहीं हो सकता। इस हार्मोन का स्राव बचपन और युवावस्था में काफी मात्रा में होता है, लेकिन उम्र बढ़ने के साथ ही इसके स्राव में गिरावट आने लगती है। अस्सी की उम्र में तो इसकी स्रावित मात्रा युवावस्था के मुकाबले में केवल दस प्रतिशत ही रह जाती है।

विलसन डिजीज से होता है पढ़ाई में चिड़चिड़ापन

यदि आपके बच्चे का पढ़ाई-लिखाई में मन नहीं लग रहा है, उसमें चिड़चिड़ापन आने लगा है तो आप इसे हल्के से नहीं लें। हो सकता है कि उसे विलसन डिसीज हो गई हो। प्रदेश में लगभग आठ प्रतिशत बच्चे इस बीमारी से पीड़ित हैं।

न्यूरोलॉजिस्ट सैमुअल अलेक्जेंडर विलसन ने 1912 में इस रोग का पता लगाया था। तभी से इस बीमारी को नाम मिला। मस्तिष्क व लीवर के ऊत्तकों (टिश्यू) में मौजूद एटीपी-7 बी नामक जीन (जो कि एक प्रोटीन होता है) के विभाजन (म्यूटेशन) के कारण यह बीमारी होती है। यानी भोजन के साथ शरीर में पहुंचने वाला तांबा तत्व ठीक से नहीं घुल पाता और ऊतकों में जमा हो जाता है।

संतान में संभावना

इस जीन की एक असामान्य कॉपी 100 में से एक मनुष्य में मौजूद रहती है। इस बीमारी के लक्षण माता-पिता में तो नहीं दिखाई देते, पर वे वाहक (कैरियर) बन जाते हैं और बच्चों में 6 से 20 की उम्र में लक्षण उभर जाते हैं।

कॉपर बढ़ना है कारण

यह बीमारी शरीर में कॉपर की मात्रा बढ़ने से होती है, इसलिए बच्चे को चाकलेट व बादाम नहीं देना चाहिए। विलसन डिसीज होने पर यदि समय पर रोगी का उपचार नहीं किया गया तो इससे लीवर और आंखों को क्षति पहुंच सकती है। इसका इलाज अभी महानगरों में मौजूद है। बच्चे में कॉपर की मात्रा बढ़ने से उसमें पढ़ाई के प्रति उकताहट होने लगती है, किसी अन्य काम में भी उसका मन नहीं लगता, इसलिए बेहतर है कि उसे चाकलेट खाने को नहीं दिया जाए।

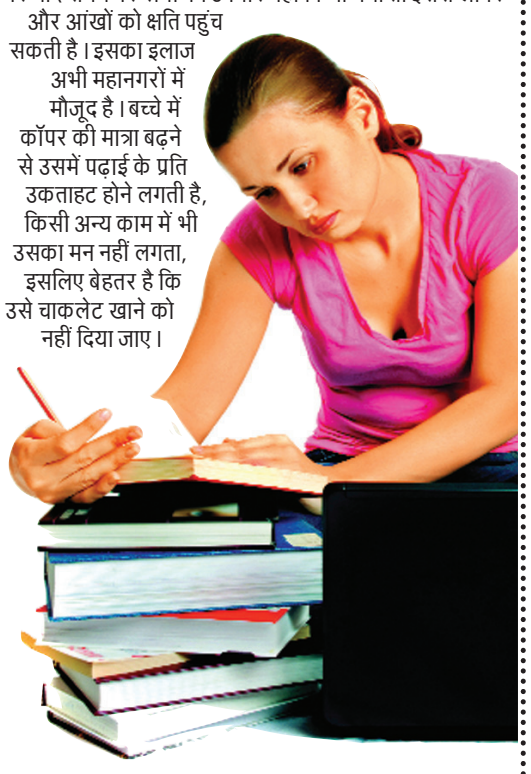

अगर आप अधिक मात्रा में इत्र का इस्तेमाल कर रहे हैं तो सावधान हो जाइए। ज्यादा इत्र के लगाने से आप अवसाद के शिकार भी हो सकते हैं।

अधिक इत्र से अवसाद

इत्र के अधिक इस्तेमाल से आप जल्द बीमार पड़ सकते हैं। इत्र से न केवल तनाव और अवसाद (डिप्रेशन) की स्थिति उत्पन्न होती है, बल्कि सूंघने की शक्ति में भी कमी आती है।

करते थे इत्र से स्नान : इतिहास में इत्र की सबसे बड़ी दीवानी मेरी एन्टोयनेट अपने कभी ना नहाने के कड़वे सच को छुपाने के लिए इत्र लगाकर अपना सारा वातावरण सुगंधमय बना लेती थी। यूरोप में स्नान करना उस समय कोई आसान बात न थी। इसलिए इत्र ही सफाई और सुगंध के लिए एक सुविधाजनक था।

सूंघने की शक्ति में कमी : इत्र आधुनिक जीवनशैली का हिस्सा बनते जा रहे हैं, लेकिन मध्यपूर्व के एक विश्वविद्यालय के एक ताजे शोध के अनुसार यह सत्य हाल ही में सामने आया कि एक विशेष रूप के अवसाद से सूंघने की शक्ति में कमी आती है, जिसके कारण लोग ज्यादा या तेज इत्र का प्रयोग करते हैं। जब किसी तेज इत्र की खुशबू आपके नथुनों से टकराए तो आप संदेह कर सकते हैं कि यह व्यक्ति तनाव या अवसाद का शिकार है। यूएई में स्थित स्विस एरेबियन परफ्यूम नामक कंपनी के चेयरमैन हुसैन अदमाली के अनुसार अलग प्रकार की सुगंध से विभिन्न लोगों की मानसिक स्थिति में परिवर्तन होता है। हालांकि यह बात निश्चित रूप से नहीं कही जा सकती कि इत्र का अवसाद से कोई संबंध है या नहीं, पर इत्र की सुगंध मन की भावनाओं पर असर तो जरूर डालती है।

सुगंध की शक्ति : यदि आप नाक बंद कर के कोई चीज खाएं तो निश्चित है कि आप उसका पूरा आनंद भी नहीं ले पाएंगे। सुगंध में वह शक्ति है कि वह किसी भी अनुभव को प्रभावित तो करती ही है और बेहतर भी बनाती है। पर इस सबकी वैज्ञानिक व्याख्या के लिए अभी बहुत अध्ययन की आवश्यकता है। अब उपभोक्ताओं को भी बंधी बंधाई परिपाटी से बाहर निकलकर इत्र का चुनाव करते समय जागरूक होने की आवश्यकता है, क्यों कि अलग-अलग व्यक्तियों के शरीर के पर सही इत्र का चुनाव वैयक्तित्व में आत्मविश्वास की वृद्धि करता, जो दूसरों की दृष्टि में उसे अधिक लोकप्रिय बनाता है। अनेक इत्र ऐसे आकर्षक होते हैं कि उनकी सुगंध लोगों को पलटकर देखते पर विवश कर देती है।

ज्यादा फुहारें नुकसानदायक : अच्छे से अच्छा इत्र भी दो तीन छोटी फुहारों से अधिक नहीं छिड़कना चाहिए। अगर इसके बाद भी आपको लगता है कि और इत्र होना चाहिए तो किसी विश्वासपात्र व्यक्ति से पूछा जा सकता है कि और इत्र की आवश्यकता है या नहीं।

अगर आपके कंधों, बाहों में जोर का दर्द है और लंबे समय तक ठीक नहीं हो रहा है तो आपको रोटेटर कफ टियर की जांच और परीक्षण कराने की जरूरत है।

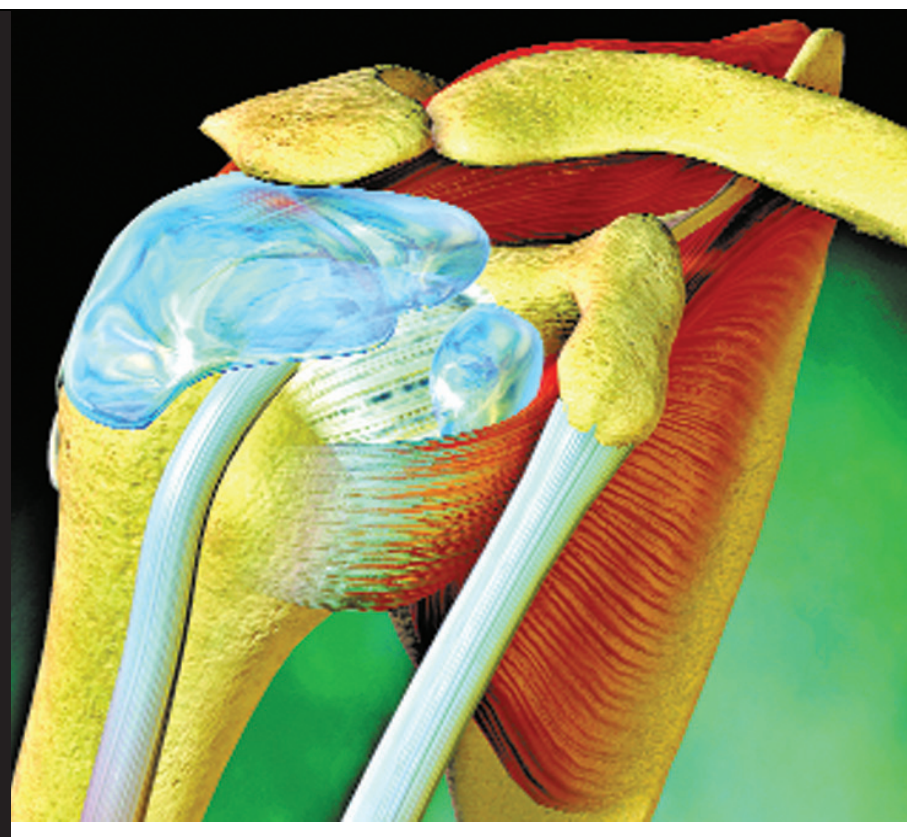

कंधों-बांहों में दर्द का कारण

रोटेटर कफ इंजरी

चार पेशिया कंधे की हड्डी और पसलियों की मांसपेशियों को ऊपरी बांह की हड्डी के साथ जोड़ती हैं, क्योंकि ये पेशियां बांह को उसके कोटर के भीतर घूमने में मदद करती हैं, इन पेशियों के आस्तीन को रोटेटर कफ कहा जाता है।

रोटेटर कफ पेशियां

रोटेटर कफ में पेशियां आसानी से घायल हो सकती हैं, क्योंकि ये एक तंग जगह के भीतर घूमती हैं। जब कंधे को उसके घुमाव की प्राकृतिक सीमा की हद में मोड़ा या उठाया जाता है, इस तंग जगह में पेशियां भी घूमती हैं। कभी कभी रोटेटर कफ की पेशियां उसके ऊपर के हड्डीदार लौंदे (अंशकूट) या कंधे के सामने एक अस्थिबंध से टकरा या रगड़ खा सकती हैं। इस घर्षण को इंमपिंजमेंट सिंड्रोम के नाम से जाना जाता है और रोटेटर कफ में सूजन का कारण बनता है। रोटेटर कफ घर्षण की सूजन पैदा करने की सबसे ज्यादा संभावना होती है। यदि आपके कंधे का घुमाव कठिन या दोहरावदार है। सूजन तीन समस्याएं पैदा कर सकती है :

रोटेटर कफ टैंडोनाइटिस

अकेली पेशी की सूजन विशिष्ट घुमाव में दर्द उत्पन्न करती है, जब मांसपेशी जो उस पेशी को खींचती है, उपयोग हो रही है या जब आप ऊपर की ओर पहुंच रहे हैं।

शोल्डर बर्साइटिस

उप-अंशकूटीय बरसाइटिस भी कहते हैं। बरसाइटिस तब होता है जब सूजन तरल पदार्थ, जो रोटेटर कफ की पेशियों को चिकना करता है और खंड तक फैल जाती है। दर्द अक्सर रात में और बुरा होता है, जब आप लगभग किसी भी दिशा में अपना कंधे ले जाते हैं, खासकर यदि आप ऊपर की ओर ले जाते हैं।

रोटेटर कफ टियर

- सूजन के कारण कमजोर हो जाने के बाद पेशी टूट सकती है।
- कंधे के इस्तेमाल के कई प्रकार सामान्यत: रोटेटर कफ की वजह से होते हैं :

अपने हाथों से धक्का देना

घुटने के गठिया, टांगों में अन्य दर्दनाक स्थितियां, या जांघों में कमजोर चतु :शिरस्क पेशियों द्वारा पीड़ित लोग अपने हाथों से धक्का देकर क्षतिपूर्ति करते हैं, जब वे कुर्सी से उठते हैं। कंधे इस प्रयोग के लिए नहीं बनाए गए हैं। धक्का देने के दौरान, कंधे की कोटर और प्रगंडिका एक उल्टी मोरटार और मूसल जैसे काम करती हैं, रोटेटर कफ पेशियों को कुचलते और पीसते हुए। फैलाए हुए हाथ के बल गिरते हैं, सीधे वाहन दुर्घटनाओं और खेलों में टक्कर भी पेशियों को कुचल सकती हैं।

पुनरावृत्तीय फैलाव

ऊपरी हाथों की स्थिति तंग जगह जिनसे रोटेटर कफ पेशियों को निकलना होगा, को छोटा कर देती हैं। पुश अप, तैराकी, घर की सफेदी, घिसना, भवन निर्माण करना, ऑटो मैकेनिक का काम और अन्य गतिविधियां रोटेटर कफ की चोट का कारण हो सकती हैं।

सशक्त या आकस्मिक ऊपरी बांह का घुमाव

टियर्स विशेष रूप से फेंकने वाली खेलों, रैकेट खेल और कुश्ती के खिलाड़ियों में आम हैं। अचानक संचलन, जैसे एक लॉन की घास काटने की मशीन शुरू करने के लिए खींचना, एक कमजोर पेशी को तोड़ सकता है। इसके अलावा आपका कंधा और आसानी से घायल हो सकता है अगर यह अस्वस्थ है। संकीर्ण जगह जो रोटेटर कफ पेशियों को घेरती है और भी संकीर्ण हो जाता है। अगर आपके कंधे की मांसपेशियां कमजोर या तंग हैं जब ऐसा होता है। दैनिक कंधे के संचलन की अधिक पेशी घर्षण पैदा करने की संभावना है।

रोटेटर कफ इंजरी की चिकित्सा

कंधे में टैंडोनाइटिस, बरसाइटिस और छोटे रोटेटर कफ टियर्स का प्रभावी रूप से कोर्टिकोस्टेरॉयड दवा की सुई के साथ इलाज किया जा सकता है। इसके बाद कंधे की गति को पुन :संचलन में लाने और रोटेटर कफ की मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए भौतिक चिकित्सा के व्यायाम किए जाते हैं। नॉन स्टैरोइडल एंटी-इंफ्लेमेटरी ड्रग्स (एनएसए आईडी) जैसे आइबुप्रोफेन (एडविल, मोट्रिन और अन्य) दर्द और सूजन को कम करने में उपयोगी होती हैं। अगर आपका चिकित्सक पता लगाता है कि आपको कैल्सिफिक टैंडोनाइटिस है, तब डॉक्टर इस बीमारी का इलाज शुरू करता है। प्राय : दोहराती रोटेटर कफ की चोटों या रोटेटर कफ पेशी में बड़े चीरों के लिए सर्जरी आवश्यक हो सकती है।

रोटेटर कफ इंजरी का निदान

रोटेटर कफ की चोट का आमतौर पर शारीरिक परीक्षण द्वारा निदान किया जाता है। आपका चिकित्सक आपकी बांह कंधे से घुमाएगा और फिर आपकी बांह ऊपर उठाएगा। अगर ऐसी गति से दर्द होता है, रेटेटर कफ सूजा हो सकता है। अगर आपकी कमजोरी ध्यान देने योग्य है, तो आपको रोटेटर कफ टियर की जांच के लिए और परीक्षण कराने की जरूरत है। आपकी मांसपेशियां जो दर्द के कारण जवाब दे रही हैं, उनसे पेशी की वास्तविक कमजोरी में अंतर आपका चिकित्सक आपके कंधे में सुन्न करने वाली दवा डालकर कर सकता है। यदि टियर लग रहा है, एक चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग (एमआरआई) स्कैन या शोल्डर अर्थोनाम निदान की पुष्टि कर सकता है। आर्थोग्राम जोड़ों में डाई डालने के बाद कंधे का लिया एक एक्सरे है। कंधे के एक्सरे की हमेशा जरूरत नहीं होती, लेकिन ये मददगार है यदि आपके कंधे को आघात पहुंचा है या आपका चिकित्सक आपकी गति की पूरी सीमा तक आपका कंधा नहीं घुमा सकता। यदि आपके लक्षण सफल उपचार के बाद वापसी कर रहे हैं या जा नहीं रहे, आपका चिकित्सक एक्सरे का आदेश दे सकता है। कभी कभी सूजी हुई पेशी पर कैल्शियम तलछट बनते हैं, जो कैल्सिफिक टैंडोनाइटिस नामक स्थिति उत्पन्न करते हैं।

रोटेटर कफ इंजरी के लक्षण

रोटेटर कफ की चोटें आपके कंधे और ऊपरी बांह में दर्द का कारण उत्पन्न करती हैं। दर्द सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण तब हो सकता है, जब आप अपने हाथ ऊपर या बाहर फैलाते हैं। जब आप अपने हाथ उठाते हुए घुमाते हैं, पेशियों की आसपास के ढांचों से रगड़ने की अधिक संभावना है। इस कारण जब आप अपने बालों में कंघी करने या अपनी बांह आस्तीन में डालने की कोशिश करते हैं, आपके कंधे के लक्षण सबसे बुरे हो जाते हैं। रात में आपको क्षीण, दुखता हुआ कंधे का दर्द हो सकता है। इसके अलावा रोटेटर कफ टियर्स जो पेशी के एक महत्वपूर्ण भाग को प्रभावित करते हैं, कंधे की कमजोरी उत्पन्न कर सकते हैं। आपकी बांह एक तरफ बाहर फैलाकर रखने की या कोई वस्तु उठाने की क्षमता को सीमित करते हैं। दर्द की वजह से कंधे का उपयोग करने में कठिनाई का मतलब हमेशा ये नहीं कि टियर है।